शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 02 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-181

मंत्री जमीर ने सुरजेवाला से मुलाकात कर रिपोर्ट सौंपी @ नम्मा बेंगलूरु

केंद्र ने कई योजनाओं को दी मंजूरी

एक लाख करोड़ की रोजगार प्रोत्साहन योजना को हरी झंडी

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने देश में रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने 1.07 लाख करोड़ रुपये के एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव (ईएलआई) स्कीम को मंजूरी दे दी है। यह योजना खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करेगी। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और शोध को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि इस योजना के दो हिस्से होंगे। पहला हिस्सा उन लोगों के लिए होगा जो पहली बार रोजगार शुरू कर रहे हैं। वहीं, दूसरा हिस्सा लगातार रोजगार देने वाली कंपनियों को समर्थन देने के लिए होगा। इसके अलावा सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये के रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन स्कीम, राष्ट्रीय खेल नीति 2025 और परमकुडी-रामानाथपुरम नेशनल हाईवे के चार लेन बनाने के लिए 1,853 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है।

सरकार ने मंगलवार को रोजगार सृजन, कौशल बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 1.07 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसका विशेष फोकस निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र पर रहेगा। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस बारे में जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। इस योजना का उद्देश्य दो वर्षों में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित करना है। इसके साथ ही, योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा।

प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए 3,000 प्रति माह तक की प्रोत्साहन राशि दो वर्षों तक दी जाएगी।यह प्रोत्साहन उन नियोक्ताओं को मिलेगा जो ऐसे कर्मचारियों को नियुक्त करेंगे जिनका वेतन 1 लाख रुपए प्रतिमाह तक है। निर्माण क्षेत्र के लिए यह प्रोत्साहन तीसरे और चौथे वर्ष तक भी जारी रहेगा। सरकार ने देश में शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जानकारी दी कि केंद्रीय कैबिनेट ने रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्कीम को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत देश में शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। ▶10 पर

केंद्रीय कैबिनेट के अहम फैसले

- 1.07 लाख करोड़ रुपये की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी।
- शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन योजना को मंजूरी।
- व्यापक खेलो भारत नीति, 2025 को मंजूरी दी गई।
- परमकुडी से रामनाथपुरम तक NH-87 को चार-लेन में बदलने को मिली झंडी।

नई खेल नीति को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

2047 तक भारत को शीर्ष-5 खेल राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय खेल नीति (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दे दी है। यह देश के खेल परिदृश्य को नया आकार देने और खेलों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल है। नई खेल नीति मौजूदा राष्ट्रीय खेल नीति 2001 का स्थान लेगी। ये भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने तथा 2036 ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्टता के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और रणनीतिक ▶10 पर

पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित नई खेल नीति

- वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता
- आर्थिक विकास के लिए खेल
- सामाजिक विकास के लिए खेल
- जन आंदोलन के रूप में खेल
- शिक्षा के साथ एकीकरण (एनईपी 2020)

संयुक्त राष्ट्र में एस जयशंकर ने पाकिस्तान को किया बेनकाब, बोले

आतंकवादियों को छूट नहीं दी जाएगी

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्वाड की बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर में पाकिस्तान को आतंकवाद के मामले में एक्सपोज कर दिया है। दरअसल यूएन हेडक्वार्टर में आतंकवाद के मुद्दे पर एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एस जयशंकर ने कहा, आतंकवाद मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी 'द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म' के उद्घाटन के दौरान विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा कि जब एक देश अपने पड़ोसी के खिलाफ आतंकवाद का समर्थन करे, तो उसके खिलाफ सार्वजनिक रूप से आवाज उठाना जरूरी हो जाता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह संयुक्त राष्ट्र की सभी बातों के विपरीत है, मानवाधिकार, नियम और मानदंड तथा राष्ट्रों को एक-दूसरे के साथ किस प्रकार व्यवहार करना चाहिए। जब आतंकवाद को पड़ोसी देश के खिलाफ समर्थन दिया जाता है, तब यह आतंकवाद की कट्टरता को बढ़ावा देता है। जब यह इस तरह के अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देता है, तो इसे सार्वजनिक रूप से शामिल करना जरूरी है और ऐसा करना का एक तरीका यह है कि वैश्विक समाज द्वारा निर्मित कट्टरता को चित्रित किया जाए।

एस. जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि आतंकवाद को समर्थन देने वालों को कोई छूट नहीं देनी चाहिए। जयशंकर ने कहा, 'कोई परमाणु ब्लैकमेल नहीं चलने वाला।' बता दें कि यह साफ-साफ डोनाल्ड ट्रंप को इशारा था। जो बार बार कह रहे थे कि एटामिक वॉर के खतरे की वजह सीजफायर हुआ। एस जयशंकर ने आगे कहा, '5 हफ्ते पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम में आतंकी हमले की निंदा की थी। ▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 01 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बन गया है। पाकिस्तान इसी साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया था। परिषद की अध्यक्षता इसके 15 सदस्य देशों के बीच बदलती रहती है। इस परिषद में 5 स्थायी सदस्य के अलावा 10 10 अस्थायी सदस्य होते हैं।

पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में भारी समर्थन के साथ सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया था और उसे 193 में से 182 वोट मिले थे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "पाकिस्तान इस जिम्मेदारी को उद्देश्य, विनम्रता और दृढ़ विश्वास की गहरी भावना के साथ स्वीकार करता है। ▶10 पर

पशम्यलारम रिएक्टर विस्फोट मामाला

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक करोड़ की अनुग्रह राशि की घोषणा की

पाशम्यलारम रिएक्टर विस्फोट की विस्तृत जांच के आदेश दिए, मृतकों की संख्या 36 हुई

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पशम्यलारम रिएक्टर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों को एक करोड़ रुपये, स्थायी विकलांगता वाले लोगों को 10 लाख रुपये और घायलों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू और श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी सहित कैबिनेट सहयोगियों के साथ विस्फोट स्थल का दौरा किया और स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मृतकों के लिए 1 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, यह मुआवजा नहीं है, बल्कि परिवारों को जरूरी खर्चों को पूरा करने में मदद करने के लिए तत्काल सहायता है।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि इस घटना में 36 लोगों की मौत हुई है। विस्फोट के समय फैक्ट्री में 143 कर्मचारी काम पर थे, जिनमें से अब तक 58 की पहचान हो चुकी है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, साथ ही आश्वासन दिया कि यदि आवश्यक हुआ तो सरकार खर्च वहन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मृतकों के बच्चों को सरकारी आवासीय विद्यालयों में दाखिला दिलाया जाएगा।

ज्यादातर मज़दूर बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश से थे। राहत उपायों की निगरानी के लिए मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। रेवंत रेड्डी ने फैक्ट्री विभाग के अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या यूनिट में समय-समय पर निरीक्षण किया गया था। उन्होंने कहा, घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विस्फोट पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। ▶10 पर

एन रामचंद्र राव तेलंगाना भाजपा के नए अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार, 1 जुलाई को औपचारिक रूप से एन रामचंदर राव को तेलंगाना का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। इससे पहले यह पद केंद्रीय मंत्री और सिकंदराबाद के सांसद जी किशन रेड्डी के पास था। इस घोषणा के साथ ही अगले तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष को लेकर कई दिनों से चल रही अटकलों का अंत हो गया। राव के अलावा मलकाजगिरी के सांसद एटाला राजेंद्र का नाम भी पार्टी के गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ था। 66 वर्षीय वरिष्ठ नेता की नियुक्ति भगवा पार्टी द्वारा 29 जून को इस पद के लिए अधिसूचना जारी किये जाने के बाद हुई है। पिछले दिन गोशामहल विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। उनका आरोप था कि उन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने रामचंदर राव को तेलंगाना का नया भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की खबरों पर भी असंतोष जताया। 1980 में एन रामचंदर राव ने रेलवे डिग्री कॉलेज, सिकंदराबाद से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 1982 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से कला (राजनीति विज्ञान) में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की और 1985 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से संबद्ध छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह 2015 और 2021 के बीच हैदराबाद, रंगा रेड्डी और महबूबनगर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एमएलसी चुने गए। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार उठाया गया ये ऐतिहासिक कदम

एससी-एसटी कर्मचारियों को मिलेगा 22.5% कोटा

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गैर-न्यायिक कर्मचारियों के पदों पर सीधी भर्ती और पदोन्नति में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आधिकारिक तौर पर आरक्षण नीति लागू की है। यह कदम पहली बार है जब सर्वोच्च न्यायालय ने अन्य सार्वजनिक संस्थानों और कई उच्च न्यायालयों के साथ खुद को जोड़ते हुए ऐसी नीति अपनाई है।

24 जून, 2025 को सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों को जारी एक परिपत्र में नई आरक्षण नीति के कार्यान्वयन का विवरण दिया गया है, जो 23 जून, 2025 से लागू होगी। नीति के अनुसार : 15% पद एससी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे, 7.5% पद एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे।

आरक्षण केवल प्रशासनिक और सहायक कर्मचारियों के पदों पर लागू होता है, न कि न्यायाधीशों पर। इस नीति से प्रभावित पदों में रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट सहायक, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट, चैंबर अटेंडेंट और इसी तरह की अन्य भूमिकाएँ शामिल हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के उत्तराधिकारी, सीजेआई जस्टिस गवई, जो समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं, ने इस ऐतिहासिक उपाय को अंतिम रूप देने और मंजूरी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगर एससी-एसटी आरक्षण पहले से ही अन्य सरकारी संस्थानों और कई उच्च न्यायालयों में लागू है, तो सुप्रीम कोर्ट अपवाद क्यों होना चाहिए? हमारे निर्णयों ने लंबे समय से सकारात्मक कार्रवाई का समर्थन किया है; अब समय आ गया है कि हम अपने प्रशासन में उस सिद्धांत को प्रतिबिंबित करें।

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,240/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,09,245/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 21°

भारत बनाएगा महाकाल की फौज देखकर ही दुश्मन रख देगा हथियार

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की रक्षा अनुसंधान संस्था (डीआरडीओ) अब भारत को भारत को युद्ध के अगले युग के लिए तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। डीआरडीओ ने अपनी इस मुहिम को डीआरडीओ 2.0 नाम दिया है। इसके तहत कई तरह के बदलाव किए जाएंगे और पारंपरिक हथियारों से अलग हथियारों पर फोकस किया जाएगा। डीआरडीओ अपने काम में बड़ा बदलाव करते हुए पारंपरिक हथियारों की बजाए जंग अब तकनीकी तौर पर मजबूत हथियारों पर फोकस करने जा रहा है, जैसे- डायरेक्टेड एनर्जी वेपन, क्वांटम सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित हथियारों बनाने की तरफ बढ़ रहा है। डीआरडीओ के दिग्गज वैज्ञानिक डॉ बीके दास ने इसे

'डीआरडीओ 2.0' नाम दिया है। जैसे-जैसे समय बदल रहा है, वैसे-वैसे हथियारों की अहमियत बदलती जा रही है। इसी को लेकर डॉ दास ने कहा,अगर हमें जंग जीतनी है तो वह तकनीक से ही संभव है। ▶10 पर

गुजरात में 963 करोड़ के ऑनलाइन गेमिंग रैकेट का पर्दाफाश

कंस्ट्रक्शन ऑफिस की आड़ में सट्टेबाजी का खेल, 8 गिरफ्तार

सूरत, 01 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत जिले के वराछा इलाके में कंस्ट्रक्शन ऑफिस की आड़ में सट्टेबाजी का खेल चल रहा था। अवैध ऑनलाइन डब्बा ट्रेडिंग और सट्टेबाजी रैकेट का पर्दाफाश सूरत की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया है। इसके साथ ही पुलिस ने 963.37 करोड़ रुपये के लेन-देन का खुलासा कर इस रैकेट में शामिल 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। सूरत एसओजी टीम ने सूरत के मोटा वराछा स्थित मेरेडियन बिजनेस सेंटर में सनराइज डेवलपर्स

नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी के ऑफिस में छापा मारा है। इस दौरान अवैध ऑनलाइन डब्बा ट्रेडिंग और सट्टेबाजी रैकेट का पर्दाफाश किया गया है। कंस्ट्रक्शन ऑफिस की आड़ में चल रहे हाई प्रोफाइल ऑपरेशन में 8 आरोपियों ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

तुर्किये में पैगंबर मोहम्मद के कथित कार्टून बनाने पर कार्टूनिस्ट गिरफ्तार

भव्य विवाह परिचय सम्मेलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के लालबाग रोड स्थित गोड़वाड़ भवन में रविवार को मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा एवं मारवाड़ी चैरिटेबल फाउंडेशन बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में भव्य विवाह परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर से राजस्थानी मारवाड़ी समाज के 190 से अधिक युवक-युवतियों ने अपने विवाह के लिए पंजीकरण कराया और 100 से अधिक अभ्यर्थी अपने परिजनों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिसमें जैन, गौड़ ब्राह्मण, खंडेलवाल, अग्रवाल और माहेश्वरी युवाओं ने और उनके परिजनों ने शिरकत की।

विवाह परिचय सम्मेलन की शुरुआत कार्यक्रम के संयोजक और मायूम बेंगलूरु के सदस्य गौरव शर्मा और मनीष अग्रवाल ने स्वागत संदेश से की। पधारे हुए सभी सदस्यों का, संस्थाओं का, मेहमानों का, युवाओ का और उनके परिजनों का स्वागत किया गया। उसके बाद दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना समाजसेवी कुमारपाल सिसोदिया द्वारा की गई। जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार हुआ। यह आयोजन समाज के युवाओं को विवाह की दिशा में उपयुक्त मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। जिससे उन्हें जीवनसाथी चुनने में उनको सहयोग मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि, विवाह जैसी समयों पर अब समाज को खुलकर आगे आके इस तरह के विवाह सम्मेलन करने की जरूरत है। यह सुनते ही पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा।

सम्मेलन के आयोजन को सफल बनाने में मारवाड़ी चैरिटेबल फाउंडेशन से अरुण खेमका, रमाकांत सराफ, संजय जाजोदिया, प्रिंस जैन, पंकज जालान, रमेश भाऊ वाला, रमेश टेकरीवाल, प्रदीप पंसारी, आनंद अग्रवाल मुख्य भूमिका में रहे।

विवाह परिचय सम्मेलन के संपूर्ण कार्यक्रम के संचालन और व्यवस्था को बढ़िया बनाकर रखने में मायूम बेंगलूरु से अध्यक्ष गोपाल कुमार, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, सचिव सनी जैन, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, अंकित मोदी, स्नेहकुमार जाजू, अशोक अग्रवाल, अरुण शर्मा, अमित मोदी, तनुज टेकरीवाल, पवन राजलीवाल, सत्यम ढ़ोकानिया, गौरव रुंगटा, निकेश अग्रवाल, प्रीतेश बुरड़, सुशील सेनी मुख्य भूमिका में रहे। विवाह परिचय के इस शुभ अवसर पर मायूम के वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष जय अग्रवाल और प्रांतीय नवनिवर्तमान अध्यक्ष नीतेश टिबरेवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। प्रांतीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आज के जमाने में इस तरह के आयोजनों की जरूरत पर सबका ध्यान केंद्रित किया।

इस आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी से लग जाता है कि, इस कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे इस कार्यक्रम की शोभा और बढ़ गई। समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों में प्रमोद मुरारका, बिपिन राम अग्रवाल, बिमल सरावगी, रवि सिंघानिया, चुन्नीलाल नथोलिया, राजकमल गनेरीवाल, विमल जिलोका, अरविंद सालारपुरिया, मनीष डोकानियां, रमेश केडिया सहित समाज के अनेक समाजसेवक उपस्थित रहे। विवाह परिचय सम्मेलन की इस पहल को बेंगलूरु के सभी मारवाड़ी समाजों ने सराहा और कहा अभिभावकों को इस तरह के आयोजनों ने अपने बच्चों को लाने की और उनका पंजीकरण कराने की जिम्मेदारी से अभिभूत कराया। साथ ही कहा कि उम्मीद है कि यह पहल समाज में अनेक नए रिश्तों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिससे मारवाड़ी समाज में उत्पन्न हो रही विवाह जैसी समस्याओं पर रोक लग सके। अंत में सन्नी जैन ने पधारे हुए सभी युवाओं का, उनके अभिभावकों का और समाज से पधारे हुए सभी गणमान्य लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीवन में सच्चे सुख की प्राप्ति भगवान के चरणों में संभव: साध्वी भव्य गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नागेश्वर पार्श्व भैरव धाम दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्य गुणा ने कहा कि जीवन में सच्चे सुख की प्राप्ति भगवान के चरणों में ही होती है।

इसके लिए वैर-विरोध का त्याग जीवन को अच्छा बनाना होता है। हम दूसरों के दोष देखने की बजाय अपने दोषों की तरफ देखे ओर उन दोषों को भगवान के चरणों में समर्पित कर देंगे तो सच्चे सुख की प्राप्ति हो जाएगी। हम सच्चे सुख की प्राप्ति की कामना तो करते है लेकिन भगवान की तरफ ध्यान नहीं लगाते है। जब तक राग-द्वेष में उलझे रहेंगे सच्चे सुख की अनुभूति नहीं कर पाएंगे। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि हम संवाद रखेंगे तो मतभेद भी समाप्त होंगे ओर आपस में एक-दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान के भाव भी जागृत होंगे। कई बार हमारे मध्य मतभेद उत्पन्न हो जाते है और हम एक-दूसरे की विचारधारा से सहमत नहीं होते है। आपसी संवाद नहीं होने पर ये मतभेद गहरे हो जाते है और कई बार तो संवादहीनता के कारण मनभेद की स्थिति बन जाती है। जैसा हम अपने लिए चाहते है वैसा ही दूसरों के लिए भी सोचे। दूसरों के लिए कांटे उगाने पर हमे फूल की प्राप्ति नहीं हो सकती। दूसरों के दोष देखना मानव की कमजोरी है। व्यक्ति दूसरें इंसान में तो क्या भगवान में भी दोष ढूंढ लेता है।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति जितना समय दूसरों के दोष देखने और निंदा करने में लगाता है यदि उतना समय स्वयं को देखने और स्वनिंदा में लगा ले तो उसके जीवन का कल्याण हो जाए। बाहरी आंखे बंद होने से पहले भीतर की आंखे खुल जाए तो जीवन का कल्याण हो जाता है। जीवन में अपकारी पर कितना भी उपकार कर लो वह नहीं सुधरेगा और उपकार करने वाले को ही नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता रहेगा। ऐसे अपकारियों से हमेशा बचना चाहिए और सजग रहना चाहिए। जिन शासन की नवकार महामंत्र की महिमा अपरम्पार है और उनका स्मरण करने वाले को हमेशा आत्मिक सुख की प्राप्ति होती है। नवकार स्मरण करते रहने से सब प्रकार से सुख शांति की प्राप्ति होती है। श्री राजेन्द्र नवयुवक मंडल के सदस्यों ने दर्शन वंदन का लाभ लिया। राजु भंडारी, विक्की जैन, अनिल सोलंकी, जितेंद्र सोलंकी, विकास सोलंकी, संदीप बंदामुथा, प्रितम बागरेचा, प्रकाश बंदामुथा उपस्थित थे। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर काईपेट अध्यक्ष पुनमचंद जैन ने बताया कि साध्वीवृंद का भव्य चातुर्मास प्रवेश बुधवार को होगा।

मोह को मंद करने में सक्षम होता है मुमुक्षु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि खींचन ने कहा कि मोक्ष की अभिलाषा रखने वाला ही मोह कर्म को मंद कर सकता है और मोह को मंद करने में सक्षम ही मुमुक्षु होता है। विनयमुनि जी ने कहा कि भूख तृप्ति, विहार, संयम पालन, प्राण रक्षा और धर्म चिंतन के लिए आहार जरूरी है। शरीर जब पूर्णतः अक्षम हो जाए तब अंतिम साधना के लिए संथारे का विधान है। संयम एक साधना है तो संथारा साधना का अंतिम पड़ाव है। शरीर और मन को नियंत्रण में रखना साधना है। मुमुक्षु साधक संसार में रहता हुआ भी निर्लिप्त रहता है। बाल वय हो या युवा अथवा वृद्धावस्था, साधना कभी भी की जा सकती है। सक्षम शरीर के साथ दीक्षा श्रेष्ठ दीक्षा होती है। दीक्षा से ज्यादा मुमुक्षु भावों का महत्व होता है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मुनि का बुधवार का प्रवचन शांतिनगर में आयोजित होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने विनयमुनि जी के गणेश बाग चातुर्मास के यशस्वी होने की कामना व्यक्त की।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के कन्निंगम रोड स्थित चामुंडेश्वरी स्टूडियो में सान्वि श्री प्रोडक्शन द्वारा निर्मित फिल्म ओ माय इंडिया का ट्रेलर एवं गीत का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अभिनेता एमएस उमेश एवं समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जीएन कृष्णमूर्ति द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रतन देव ने मुख्य भूमिका निभाई है। अभिनेत्री रम्या लोकेश भी उपस्थित थी।

टीम बॉन्डिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा विरडेंसी रिसॉर्ट में टीम बोर्डिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत परिषद सदस्यों ने अनेक टास्क हेतु टीम बनाकर मिल जुलकर कार्य करना और आपस में समन्वय स्थापित करने के गुर सीखे। परिषद् कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश चोपडा एवं नवनियुक्त अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया। परिषद् साथी ऋषभ बरड़िया ने विभिन्न टीम बॉन्डिंग जैसे रोप गेम्स, टग ऑफ वार, बॉल रोल, पेंसिल तो बॉल मूवमेंट, बैलून कॉर्डिनेशन आदि अनेक गेम्स खिलाये जिसे सभी ने सराहते हुए रिसॉर्ट की गतिविधियों का आनंद लिया। सबका आपसी परिचय हुआ व्यक्तिगत प्रस्तुतियों से आत्मविश्वास को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर परिषद् पूर्व अध्यक्ष अशोक कोठारी, महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा, राकेश पोखरणा सहित लगभग 65 परिषद एवं किशोर मंडल सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यशाला को सम्पादित करवाने में सभी व्यवस्था सम्बंधित कार्यों में संयोजक अशोक मारु के साथ आलोक गंग एवं अमित नाहटा का श्रम सराहनीय था। अंत में सभी का आभार कमलेश दक ने व्यक्त किया।

श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला संगठन की संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला संगठन बेंगलूरु कर्नाटक की नारी विकास हम सब का प्रयास पर संगोष्ठी का आयोजन गांधीनगर स्थित सुख सागर होटल में अध्यक्षा स्नेहलता बाफना के नेतृत्व में किया गया। जिसमें श्री जैन बीसा ओसवाल महिला मंडल और जैन बीसा ओसवाल बालिका मंडल की अच्छी उपस्थिति रहीं। नीतू बाबेल, पवन रांका और ललिता ढीलीवाल ने सभी का स्वागत किया। स्नेहलता के सभापतित्व में सभी पूर्व संयोजिका ने सर्व प्रथम मंगलाचरण प्रस्तुत किया। पूर्व संयोजिका लाड बडोला ने नवनिर्वाचित अध्यक्षा स्नेहलता का स्वागत किया। पूर्व सह संयोजिका गरिमा ने 4 साल के कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। नारी विकास हम सबका प्रयास पर स्नेहलता और सबने अपने अपने विचार रखे। संचालन मंत्री अनीता बाबेल एवं सह मंत्री शिखा बाफना ने किया। मंडल के नए नियम कायदे बनाए गए। कांता लोढा, कुसुम डांगी, विजया लक्ष्मी, कुसुम कटारिया और लाड बडोला ने सभी को शुभकामनाएँ दी। जैन बालिका मंडल से परी चौरड़िया ने अपने ओजस्वी विचार रखे। मनोरंजन कार्यक्रम में बालिका मंडल में पहला पुरस्कार जानवी कावड़िया और दूसरा पुरस्कार लिशिका बाफना को मिला।

आदर्श कॉलेज में हाट बाजार का आयोजन

साधर्मिक बहनों को व्यवसायिक क्षेत्र में आगे लाना ही सेवा कार्य परियोजना का मुख्य उद्देश्य:बबीता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा सेवा कार्य के अंतर्गत आदर्श कॉलेज में हाट बाजार का आयोजन किया गया। जिसमें सौ से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। हाट बाजार का उद्घाटन जीतो एपेक्स, केकेजी जोन व जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के पदाधिकारी एवं जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, महामंत्री निधि पालरेचा एवं कार्यक्रम संयोजिका संगीता पारख व सहसंयोजक संगीता सियाल के द्वारा रिबन कटिंग के साथ दीप प्रज्वलन व नवकार महामंत्र के उच्चारण से किया गया। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी व मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने शुभकामनाएं प्रेषित की। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी महिलाओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हमारे लिए यह गौरव की बात है कि यहां एक महिला दूसरी महिलाओं को प्रेरित कर रही है और जीतो महिला विंग की प्रगति में सहायक बनकर अनेक उपलब्धियां प्राप्त करने हेतु निरंतर प्रयास करती आई है। साधर्मिक बहनों को व्यवसायिक क्षेत्र में आगे लाना ही सेवा कार्य परियोजना का मुख्य उद्देश्य रहा है। यहां जीतो महिला विंग की बहनों द्वारा कपड़े, खाने पीने व राखियो के साथ घरेलू साजसज्जा के सामानों की स्टॉल्स लगाई गई। इसके अंतर्गत विनीता मेहता ने हेंड प्रिंटेड साड़ियां, पपीता मंडोथ ने क्रोशे फ्लावर्स एंड पिलोज, तनुजा पोरवाल ने होम मेड मसाले, जयश्री ने खींचे पापड़, अलका वी वाशा ने खाखरा एंड रोस्टेड स्नैक्स तथा जेबीएन से मीटू जैन ने सलवार कुर्ती व राखियां, रचिता जैन ने अपनी फ्रोजन लेमंस ब्रांड में अचार व होम मेड मिठाइयां आदि की स्टॉल्स द्वारा, हाट बाजार में अपने विभिन्न उत्पादों का व्यवसाय किया। इस अवसर पर जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बछावत, केकेजी जोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, जीतो बेंगलूरु साउथ के उपाध्यक्ष राजकुमार कोठारी, केकेजी जोन जीतो महिला विंग की संयोजक पिंकी जैन, श्रमण आरोग्यम एपेक्स की संयोजक सुनीता गांधी, लघु घरेलू व्यवसाय मॉडल एपेक्स की संयोजक बिंदू रायसोनी, पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर, जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ उपस्थित रही। सभी ने जीतो लेडीज विंग के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे आईं है, चाहे शिक्षा हो या व्यवसाय हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रही हैं। रंग बिरंगी साज सजावट के साथ हाट बाजार प्रदर्शनी में जीतो महिला विंग के सदस्यों एवं बाहर से पधारे हुए अतिथियों ने खरीदारी करते हुए, आनंद की अनुभूति की। हाट बाजार प्रदर्शनी का संचालन जीतो लेडीज विंग कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहमंत्री चंद्रा जैन व साक्षी जैन तथा मैनेजिंग कमेटी सदस्य अस्मिता चौहान, अंगिका बाफना, कविता मुथा, निशा कोठारी, प्रिया गांधी, रेखा वी जैन, संगीता सियाल, सोमना सिसोदिया व तरुण मेहता के द्वारा किया गया। महामंत्री निधि पालरेचा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रैड शो की तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रैड शो की तैयारियां जोरों पर चल रही है। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इसमें शहर के अनेक गणमान्यों और संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों को आमन्त्रित किया गया है। इस एक्सपो की अधिकतम स्टालें बुक हो चुकी है और भी अनेक उद्यमियों द्वारा इसकी जानकारी प्राप्त की जा रही है। एक्सपो के उद्घाटन सत्र में शहर के जाने माने उद्यमी उपस्थित रहेंगे। इस शो में अनेकों प्रकार की वेरायटी के साथ कपड़ा, ज्वेलरी, इलैक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रिक 2 पहिया गाडियां, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री उत्तम ब्राण्ड में उपलब्धता के साथ टेस्टी खाने का भी आगन्तुक लुत्फ उठा सकेंगे। दोपहर और शाम के सत्र में एक्स्पो के लिए विशेषकर सांस्कृतिक कार्यक्रम और जादूगर शो का भी आयोजन किया जाएगा। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि उद्यमियों में इस एक्स्पो के लिए अपार उत्साह है जिसमें अनेक वस्तुओं की स्टाल्स आकर्षण का केंद्र रहेगी। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक दिलीप कुमार पंकज बालर (वैभव ग्रुप), सह प्रायोजक तनसुख राज जवेरीलाल गुलेच्छा (कुशल्स फैशन ज्वैलरी), गणपतराज छाजेड़ (पैसोलाईट इलेक्ट्रिक कं), बाबूलाल गांधी (मासकॉट फैब्रिक्स) और गिफ्ट प्रायोजक रतनचंद श्रीश्रीमाल (मयन डायमंड्स) हैं। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहन्त छाजेड़, कुनाल मरलेचा, सुनील भण्डारी, तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी के साथ युवा शाखा और महिला विंग की कार्यकारिणी तैयारियों में जुटी हुई है।

श्री विमलनाथाय नमः
श्री दादा गुरूभ्यो नमः श्री गौतम स्वामिने नमः श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः
श्री विमलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर एवं जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी, बसवनगुड़ी बेंगलूरू के परम पवित्र प्रांगण में
चातुर्मासिक आराधनार्थे मंगल प्रवेश
आज्ञा प्रदाता: प.पू. गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा.
निश्रा : प.पू. मुनिश्री मलयप्रभ सागर जी म. सा. आदि ठाणा 2
सान्निध्यता : चम्पाकली गणिनी प्रवरा श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म. सा. एवं प. पू. स्नेह सुरभि श्री पूर्णप्रभाश्रीजी म. सा. की चरणाश्रिता प. पू. साध्वीजी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी म. सा. पूज्या साध्वी जी श्री मनोरमा श्री जी म. सा. आदि ठाणा 7
मिति आषाढ़ शुक्ल ९, शुक्रवार 04 जुलाई 2025
सकल श्री संघों को आत्मीय निवेदन
मंगलमय कार्यक्रम
प्रात: 9. ०० बजे : श्री संभवनाथ जैन मंदिर वी. वी. पुरम बेंगलोर से महिला मंडल एवं सकल संघ के साथ विराट शोभायात्रा का शुभारम्भ
प्रात: 10. 15 बजे : मंदिरजी में मंगल प्रवेश, दर्शन वंदन, एवं प्रवचन
प्रात : 12.05 बजे : सकल श्री संघ का स्वामीवात्सल्य
स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी
हमारी कुलदीपिका प.पू. साध्वीवर्या श्री मनोरमा श्रीजी की प्रेरणा से गौतम कुमार जी, पंकज कुमार जी, महावीर कुमार जी, निकेश जी, आशीष जी, कृष जी, प्रियम जी, कवीर जी बाफना परिवार, गढ़ सिवाना- बेंगलोर निवासी
कार्यक्रम स्थल:श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन, 89/90 गौविन्या रोड, बसवगुडी बैंगलोर-04
भवन के लाभार्थी परिवार: श्री छगनराज जी तलाजी दांतेवाडिया परिवार, मांडवला निवासी
उपरोक्त कार्यक्रमों में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।
निवेदक : श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी - बेंगलोर

आवास विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप

मंत्री जमीर ने सुरजेवाला से मुलाकात कर रिपोर्ट सौंपी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आवास विभाग में आवासों के आवंटन में कथित भ्रष्टाचार के बारे में मंत्री जमीर अहमद खान ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात की। इससे पहले सोमवार को विधायक बी.आर. पाटिल ने पार्टी के शीर्ष नेताओं में से एक सुरजेवाला से मुलाकात की और अपने विवादास्पद बयानों के बारे में और स्पष्टीकरण दिया। इसके बाद मंत्री जमीर अहमद खान ने मंगलवार को मुलाकात कर रिपोर्ट दी।

आवास विभाग में कोई नया आवास आवंटित नहीं किया गया है। पहले से स्वीकृत आवासों का काम पूरा करने को प्राथमिकता दी गई है। इसलिए मंत्री ने स्पष्ट किया कि नए आवासों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। सार्वजनिक बयान देने के बजाय बी.आर. पाटिल सीधे उनसे या मुख्यमंत्री से शिकायत कर सकते थे। सरकार इसकी जांच करने के लिए तैयार थी। लेकिन जमीर अहमद खान ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके सार्वजनिक बयान के पीछे एक अलग तरह की राजनीति है। राजीव गांधी आवास निगम ग्राम पंचायतों के अध्यक्षों द्वारा प्रस्तुत लाभार्थियों की सूची के आधार पर आवास स्वीकृत करेगा। इस संदर्भ में विधायकों द्वारा दिए गए पत्रों पर भी विचार किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि जमीर अहमद खान ने स्पष्ट किया है कि उनके कार्यालय में रिश्वत लेकर मकान स्वीकृत नहीं किए गए हैं, जैसा कि बीआर पाटिल ने कहा था। इस बीच, बेलगावी के कागवाड़ निर्वाचन क्षेत्र के विधायक राजू कागे ने रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात की और स्पष्टीकरण दिया। ज्ञातव्य है कि गरीबों के लिए घर स्वीकृत करवाने के लिए रिश्वत देने का गंभीर आरोप लगाने वाले सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक बी.आर. पाटिल ने अपने बयान को फिर से दोहराया था, जिससे राज्य सरकार को गंभीर शर्मिंदगी उठानी पड़ी। शहर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बी.आर. पाटिल ने कहा कि ऑडियो में मैंने ही बात की है। मैंने सच कहा है। जो हो रहा है, वही बताया है। हमारा मूल इरादा यह है कि हम जो जनहितैषी शासन देने के वादे के साथ सत्ता में आए हैं, उसी के अनुसार काम करें। सरकार में भ्रष्टाचार के बारे में मुझे जो कहना था, कह दिया है। मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री क्या करेंगे। अगर वे मुझे बुलाएंगे, तो मैं जाकर बोलूंगा। उन्होंने मुझे अभी तक नहीं बुलाया है। मैं खुद नहीं जाऊंगा। भ्रष्टाचार सभी सरकारों में आम बात है। जो लोग सत्ता में आए थे, उन्होंने वादा किया था कि हम जनहितैषी शासन देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की पांच-छह पंचायतों में पैसे देकर घर स्वीकृत करवाए हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए 2,000 घरों की मांग थी। 1,950 घरों को मंजूरी दी गई है। मेरे द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर नहीं दिए गए। पंचायत अध्यक्ष द्वारा दिए गए पत्रों के लिए घर दिए गए। वहीं विधायक और कांग्रेस नेता राजू कागे ने कहा था कि अलंद विधायक बी.आर. पाटिल ने कर्नाटक में कुछ सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप सही लगाए हैं। एनडब्ल्यूकेआरटीसी के अध्यक्ष ने सोमवार को बेलगावी जिले के कागवाड़ में संवाददाताओं से कहा बी.आर. पाटिल ने कुछ विभागों में भ्रष्टाचार और धीमी गति से काम करने के बारे में जो कहा है, वह सही है। मैं भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की धीमी गति से परेशान हूं। उन्होंने कहा काम की धीमी गति के लिए लोग हमारी आलोचना कर रहे हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का सामना करना मुश्किल है। अगर मैं कुछ दिनों में विधायक पद से इस्तीफा दे दूं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा।

दोगुना किराया वसूलने पर 120 से अधिक ऑटो जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऑटो चालकों द्वारा निर्धारित किराया से अधिक किराया वसूलने के आरोपों के बाद आरटीओ अधिकारियों ने निरीक्षण अभियान शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि दोपहर तक नियमों का उल्लंघन करने पर 120 से अधिक ऑटो जब्त किए गए हैं। निर्धारित किराया से अधिक किराया वसूलने वाले, कानून का उल्लंघन करने वाले और यात्रियों से अधिक पैसे वसूलने वाले ऐप आधारित और अन्य ऑटो चालकों के परमिट रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में परिवहन विभाग की संयुक्त आयुक्त शोभा ने बताया कि ऑटो किराए में वृद्धि के बारे में जनता की ओर से शिकायतें मिल रही थीं।

इसलिए हमने ऑटो किराए का निरीक्षण करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सुबह से शहर में 100 से अधिक ऑटो जब्त किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उनके पास कोई दस्तावेज नहीं थे। उन्होंने कहा कि ऑटो चालकों के खिलाफ 250 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं और हम एग्रीगेटर कंपनियों पर भी नजर रख रहे हैं। सरकार द्वारा दिए जाने वाले ऑटो किराए में 5 प्रतिशत सर्विस चार्ज जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा एग्रीगेटर कंपनियों को दोगुना किराया वसूलने का अधिकार नहीं है। हर जगह हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस पर काबू पा लेंगे। एक यात्री ने शिकायत की कि वे मेट्रो समेत कई जगहों पर बिना मीटर लगाए, सिर्फ 2 किलोमीटर के लिए तीन गुना ज्यादा किराया वसूल रहे हैं।

वेनलॉक अस्पताल का विस्तार

मंत्री ने शहर के बाहरी इलाके में भूमि आवंटन का किया आग्रह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वेनलॉक जिला अस्पताल के भविष्य के विस्तार की जरूरतों के मद्देनजर, जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने अधिकारियों को मेंगलूरु के बाहरी इलाके में जमीन की पहचान करने और उसे आरक्षित करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश सोमवार को आयोजित तिमाही कर्नाटक विकास कार्यक्रम (केडीपी) की बैठक के दौरान जारी किया गया। मौजूदा संरचनाओं के कारण अस्पताल के विस्तार की सीमित गुंजाइश के बारे में विधायक हरीश पूंजा की चिंता का जवाब देते हुए, मंत्री ने उपयुक्त भूमि खोजने का सुझाव दिया, अधिमानतः शहर के राजमार्ग कनेक्शन के पास। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. थिम्मय्या ने बताया कि मूडुशेडे टीबी अस्पताल के पास 8 एकड़ जमीन उपलब्ध है। वेनलॉक अस्पताल के अधीक्षक डॉ शिवप्रसाद ने कहा कि एक नई चार मंजिला इमारत का निर्माण शुरू करने के लिए वर्तमान बाह्य रोगी विभाग को जल्द ही खाली कर दिया जाएगा। विधायक हरीश पूंजा ने बेलथांगडी तालुक अस्पताल में डायलिसिस यूनिट और शवगृह की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। मंत्री गुंडू राव ने कहा कि मेंगलूरु नगर निगम सीमा के भीतर भूमि के बिना संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य उप-केंद्रों को जल्द ही निगम या राजस्व विभाग से भूमि आवंटित की जाएगी। स्थानीय तैराकी संघों के बीच एम्मेकेरे स्विमिंग पूल विवाद के संबंध में, मंत्री ने जिला प्रशासन को चर्चा करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पूर्व अनुमोदन के बिना कोई भी बुनियादी ढांचा परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए। बैठक में उठाई गई एक प्रमुख चिंता शहरी नियोजन प्राधिकरणों में कर्मचारियों की कमी थी, जो मानचित्र अनुमोदन, 9, 11 संपत्ति रिकॉर्ड और आवास निर्माण परमिट जैसे कार्यों में बाधा डाल रही है। मंत्री ने आदेश दिया कि आवश्यक कर्मचारियों को नियुक्त किया जाए। जिला पंचायत के सीईओ डॉ के आनंद ने कहा कि जहां सार्वजनिक सड़क तक पहुंच उपलब्ध नहीं है, वहां निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मंत्री ने मेंगलूरु शहरी विकास प्राधिकरण को अगली केडीपी बैठक से पहले नए मेंगलूरु मास्टर प्लान का मसौदा प्रकाशित करने के लिए भी कहा। डिप्टी कमिश्नर एच वी दर्शन ने बताया कि केएसआरटीसी इलेक्ट्रिक बस डिपो के लिए पंपवेल के पास जमीन आवंटित करने के उपाय शुरू किए गए हैं। सुल्लिया में बिजली आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए मंत्री ने केपीटीसीएल के अधिकारियों को मौजूदा समस्याओं का समाधान करने तथा 110 केवी बिजली लाइन के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सुरजेवाला ने विधायकों से की बातचीत

अनावश्यक बोलने वालों को दी चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने दूसरे दिन भी विधायकों से मंत्रणा जारी रखी, जिससे अलग-अलग बातचीत कर आगे बढ़ने वालों के माथे पर पसीना आ गया। आलाकमान नेताओं के प्रदेश में आने की भनक लगते ही सुरजेवाला के बातचीत के अंदाज ने उन लोगों के माथे पर पसीना ला दिया, जो कुछ राजनीतिक बातें करके चावल पकाने की उम्मीद कर रहे थे। आमतौर पर राजनीतिक सवाल हो सकते हैं, विकास के प्रति सरकार की उदासीनता के बारे में जानकारी ली जा सकती है। सुरजेवाला से मिलने वाले लोग, जिन्हें लगा था कि वे मंत्रियों के कामकाज और सरकार के विकास पर राय जुटा सकते हैं, सवालों से उलझ गए। सबसे पहले सुरजेवाला ने सवाल पूछा कि पिछले दो साल में आपने अपने

क्षेत्र में क्या हासिल किया है? उपलब्धियों का विवरण आंकड़ों और तारीखों के साथ दिया जाना चाहिए। सुरजेवाला के सवालों ने हाथ हिलाते हुए यहां आए विधायकों के माथे पर पसीना ला दिया कि वे विकास परियोजनाओं के बारे में बिना किसी पूर्व तैयारी के राजनीतिक चर्चा कर सकते हैं। राजनीतिक चर्चा के लिए अलग मंच होता है। लोगों ने हम पर भरोसा किया और चुनाव के दौरान हमें वोट दिया। उनसे किए गए कितने वादे पूरे हुए? आप लोगों के लिए कितने उपलब्ध हैं? आपने कितने विकास कार्य किए हैं? सुरजेवाला ने उन्हें ब्यौरा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद विभागवार अनुदान की उपलब्धता और मंत्रियों के जवाबों पर राय ली गई। कौन मंत्री जवाब दे रहे हैं। कौन निष्क्रिय है? कौन मंत्री ऐसे हैं जो विधायकों को उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं? विधायकों के पत्रों के अलावा कौन से विभाग दूसरों को दिए जा रहे हैं? यह सारी जानकारी हासिल की गई है। पार्टी संगठन में विधायकों के योगदान, पार्टी कार्यालय में उनके कितनी बार आने-जाने और संगठनात्मक गतिविधियों के आयोजन वाले केंद्रीय स्थान के बारे में जानकारी जुटा चुके सुरजेवाला ने जिला प्रभारी मंत्री, विधायकों और पार्टी के बीच संबंधों के बारे में भी स्पष्टीकरण हासिल किया है। उन्होंने सरकार से मिलने वाली धनराशि और भविष्य में क्या विकास कार्य किए जाने हैं, इस बारे में ब्यौरा हासिल किया है।

सुरजेवाला ने विधायकों को चेतावनी दी है कि अगली बैठक में उन्हें स्कूली बच्चों को सबक की तरह समझाते हुए इस बारे में स्पष्टीकरण देना पड़ सकता है। सुरजेवाला ने मालूर विधानसभा क्षेत्र के केवाई मांजेगौड़ा, बेंगलूरु के पुलिकेती नगर के एसी श्रीनिवास, शिवाजीनगर के रिजवान अरशद, शांतिनगर के एनए हैरिस, गोविंदा राजनगर विधानसभा क्षेत्र के प्रियाकृष्ण, विजयनगर के एम. कृष्णप्पा, अनेकल के बी शिवन्ना, होसकोटे के सरथ बचेगौड़ा, एन. श्रीनिवास सहित, मगध के एचसी बालकृष्ण, चन्नपट्टनम के सीपी योगेश्वर, रामानगर के इक्साल हुसैन, कोल्लेगला के कृष्णमूर्ति, चामराजनगर के पुट्टरंगशेट्टी, गुंडलुपेट के गणेश प्रसाद, मैसूरु के तन्नीर शेष, केआर नगर के बी. रविशंकर, एचडी कोटे के अनिल चिक्कमधु समेत 20 से ज्यादा विधायकों से चर्चा की। सोमवार को विधायकों के साथ बैठक के बाद सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ एक निजी होटल में अलग से बैठक की। दिलचस्प बात यह है कि डी.के. शिवकुमार के जाने के बाद उन्होंने सिद्धरामैया के साथ लंबे समय तक गुप्त मंत्रणा की।

बेंगलूरु भगदड़ मामला : पुलिस अधिकारियों को बिना किसी पर्याप्त सामग्री या आधार के निलंबित किया गया: कैट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने मंगलवार को विकास कुमार विकास के निलंबन को रद्द कर दिया, जो 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ में 11 लोगों की जान जाने के समय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिम) थे, और उनके निलंबन आदेश को चुनौती दी है। इसने कर्नाटक सरकार को उन्हें उनके पद पर बहाल करने का भी निर्देश दिया। कैट ने कहा कि निलंबन आदेश यांत्रिक तरीके से पारित किया गया है और यह आदेश किसी भी ठोस सामग्री पर आधारित नहीं है। पुलिस अधिकारियों को बिना किसी पर्याप्त सामग्री या आधार के निलंबित किया गया है। कैट ने आगे कहा कि उसे उम्मीद है कि सरकार उसी आदेश द्वारा निलंबित किए गए अन्य अधिकारियों को भी यही लाभ देगी। पूर्व शहर पुलिस आयुक्त बी. दयानंद, पूर्व डीसीपी (मध्य) एच.टी. शेखर, कब्बन पार्क के पूर्व एसीपी बालकृष्ण और कब्बन पार्क के पूर्व इंस्पेक्टर गिरीश इसी आदेश के तहत निलंबित किए गए अन्य चार अधिकारी हैं। इस आदेश को राज्य सरकार के लिए झटका माना जा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों के निलंबन की घोषणा खुद की थी। सरकार के सूत्रों ने बताया कि इस आदेश को कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। न्यायमूर्ति बी.के. श्रीवास्तव और प्रशासनिक सदस्य संतोष मेहरा, सीएटी-बेंगलूरु शाखा द्वारा पारित आदेश में व्यवस्था करने के लिए समय की कमी का हवाला देते हुए कहा गया कि पुलिस भी इंसान है और न तो भगवान है और न ही जादूगर जिसके पास अलाद्दीन का चिराग जैसी जादुई शक्तियां हैं जो इतने कम समय में पर्याप्त व्यवस्था कर सकें। कैट ने अपने आदेश में कहा सवाल उठता है कि क्या पुलिस के पास पर्याप्त व्यवस्था

करने के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध था? इसका उत्तर नकारात्मक है। 4 जून को समय की कमी के कारण, पुलिस उचित व्यवस्था करने में असमर्थ थी। पुलिस को पर्याप्त समय नहीं दिया गया। पुलिस से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि लगभग 12 घंटे के कम समय में पुलिस सभी व्यवस्थाएँ कर लेगी। प्रथम दृष्टया बड़ी भीड़ के लिए आरसीबी जिम्मेदार है अपने आदेश में कैट ने पाया कि स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के लिए नियमों के अनुसार पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) द्वारा फाइनल मैच से पहले 3 जून को कब्बन पार्क के इंस्पेक्टर को दिए गए पत्र का हवाला देते हुए ट्रिब्यूनल ने कहा कि यह पत्र लाइसेंसिंग और सभाओं और सार्वजनिक जुलूसों के नियंत्रण (बेंगलूरु शहर) आदेश, 2009 का उल्लंघन है, जिसके अनुसार सुरक्षा जमा करने के बाद कानून और व्यवस्था के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त से सात दिन पहले अनुमति लेनी होती है। कैट ने पाया कि इनमें से किसी भी प्रावधान का पालन नहीं किया गया और पत्र को अतिरिक्त आयुक्त, इस मामले में विकास कुमार विकास या आयुक्त को प्रस्तुत नहीं किया गया। कैट ने कहा केएससीए ने एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें अनुमति देने या व्यवस्था करने के लिए कोई अनुरोध नहीं था। पत्र में केवल इरादे के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने आगे कहा इस पत्र के आधार पर, प्रथम दृष्टया पुलिस कोई सुविधा देने या कोई सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य नहीं थी।

पुलिस ने यथासंभव उचित व्यवस्था की

इसके बावजूद, पुलिस ने यथासंभव उचित व्यवस्था की। 4 जून को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बार-बार विजय परेड की घोषणा करने वाले आरसीबी के बारे में विस्तार से बताते हुए कैट ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए आरसीबी जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली। अचानक, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया और उपरोक्त जानकारी के परिणामस्वरूप, जनता एकत्र हो गई। इसने आदेश में अन्यत्र इसे बिना किसी पूर्व अनुमति के उपद्रव पैदा करना बताया। कैट ने कहा कि 5 जून तक यह पता नहीं लगाया गया था कि चूक और कमियों के लिए कौन जिम्मेदार हैं। यही बात मजिस्ट्रेट जांच के आदेश से भी पता चलती है। कैट ने अपने आदेश में कहा, उक्त आदेश पारित करने के समय संबंधित पुलिस अधिकारियों की चूक या लापरवाही दिखाने के लिए कोई पुख्ता सबूत नहीं था।

सड़क हादसे में दो घायल

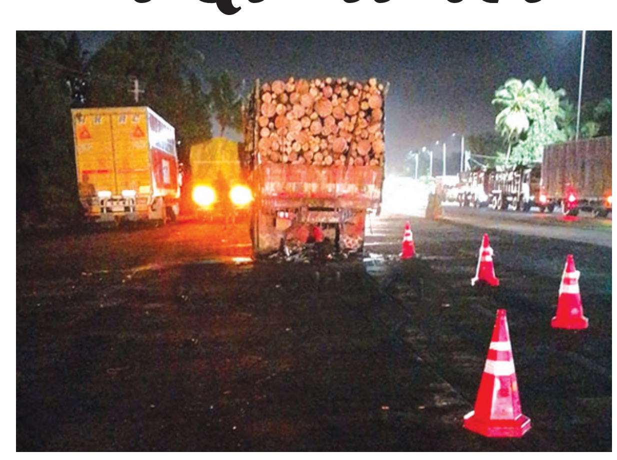

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

हेजामाडी टोल प्लाजा के पास खड़ी लॉरी के पिछले हिस्से में कार के घुसने से दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान कोडीकरे निवासी लोकेश (43) और कुलई निवासी विराज (29) के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, जब यह हादसा हुआ, तब दोनों एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। लकड़ी के तख्तों से लदी लॉरी टोल गेट से कुछ मीटर की दूरी पर खड़ी थी। कथित तौर पर कार चालक खड़ी गाड़ी को देख पाने में विफल रहा और पीछे से उसमें जा घुसा। टक्कर लगने से कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। विराज कथित तौर पर गाड़ी के अंदर फंस गया और स्थानीय लोगों और टोल प्लाजा कर्मचारियों को उसे बचाने में करीब एक घंटे का समय लगा। दोनों घायलों को मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच कर रही है।

चप्पे चप्पे में तैनात हैं दो लाख सुरक्षाकर्मी

अमरनाथ यात्रा का पहला दर्शन 3 जुलाई को

- पहला जत्था आज होगा रवाना तैयारियां पूरी
- 125 से अधिक लंगर, हजारों ड्रोन भी सेवा में

जम्मू, 01 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ के पवित्र दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था कल जम्मू से रवाना होगा। मौसम ने साथ दिया तो 3 जुलाई की शाम को ही पहले जत्थे के श्रद्धालु 14500 फुट की ऊंचाई पर हिमलिंग का प्रथम दर्शन करेंगे। यात्रा में शामिल होने जा रहे लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लखनपुर से लेकर पवित्र गुफा तक 125 से अधिक लंगरों की व्यवस्था स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा की गई है। यही नहीं सेना समेत दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी करीब 38 दिनों तक लखनपुर से लेकर गुफा तक श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहेंगे।

आधिकारिक तौर पर प्रतिदिन 15 हजार श्रद्धालुओं को पहलगाम तथा बालटाल के रास्ते यात्रा में शामिल होने की अनुमति दी गई है। अभी तक करीब सवा तीन लाख श्रद्धालुओं ने अपना पंजीकरण विभिन्न माध्यमों से करवाया है जबकि कल से आन स्पॉट पंजीकरण की आरंभ हो चुका है। यात्रा का मुख्य बेस कैंप जम्मू के यात्री भवन में बनाया गया है जहां पिछले कई दिनों से चल रही तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। दावा है कि इसे अभेद्य किला बना दिया गया है। जबकि रोडबंदी का अभ्यास आज से ही आरंभ कर जम्मूवासियों को तकलीफों के दौर से गुजारा जाने लगा है।

जम्मू से लेकर बालटाल तथा पहलगाम तक के यात्रा मार्ग की सुरक्षा को सेना, केरिपुब के हवाले किया जा चुका है। पहलगाम से गुफा तथा बालटाल से गुफा तक के रास्तों पर सेना और बीएसएफ भी स्थानीय पुलिस का साथ दे रही है। जबकि गुफा के बाहर इस बार सुरक्षा का जिम्मा आईटीबीपी के हवाले है। अनुमानतः दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी यात्रा के मोर्चे पर तैनात किए जा चुके हैं। यही नहीं प्रदेश के सभी कर्मचारी और अधिकारी तक का ध्यान अब अमरनाथ यात्रा के प्रति ही इसलिए है क्योंकि यह अब धार्मिक से राष्ट्रीय यात्रा का रूप धारण कर चुकी है जिस कारण आतंकी नजरें भी इस पर टिकी हुई हैं।

आने वाले करीब 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के लिए 125 से अधिक लंगरों की स्थापना के साथ-साथ ठहरने की व्यवस्थाओं का इंतजाम पूरा हो चुका था। स्वास्थ्य सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं क्योंकि पिछले कई साल से यात्रा में शामिल होने वाले कई श्रद्धालु को हार्ट अटैक की भी समस्या आई है। आतंकियों से निपटने की तैयारियों में भी कहीं ढील नहीं है। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सुरक्षाबलों को अमरनाथ यात्रा मार्ग, गुफा के आसपास के इलाकों और यात्रियों की सुरक्षा की खातिर आधार शिविरों व राजमार्ग पर तैनात किया जा चुका है। तकरीबन दो लाख सुरक्षाकर्मियों को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया गया है। इसमें वे सैनिक शामिल नहीं हैं जो रुटीन में आतंकवाद ग्रस्त क्षेत्रों में अपने आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते रहते हैं। हजारों की तादाद में ड्रोन और मुश्की कुत्ते भी श्रद्धालुओं की सेवा में लगे हैं। आतंकी खतरे को देखते हुए अब सभी राजमार्गों पर स्थानीय लोगों के लिए सुबह तथा शाम को कई घंटों की रोडबंदी भी घोषित की जा चुकी है।

अधिकारियों के मुताबिक, आतंकवादियों और उनकी हरकतों पर नजर रखने के लिए वायुसेना की भी मदद मांगी गई है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि अमरनाथ यात्रा पहाड़ों से हो कर गुजरती है और पहाड़ों के चप्पे चप्पे पर सैनिकों को तैनात नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी अमरनाथ यात्रा के जत्थों की सुरक्षा के लिए वायुसेना के लड़ाकू हेलिकाप्टरों को भी तैनात किया गया है।

आज से जम्मू कश्मीर का माहौल भक्तिमय हो गया है। दो महीनों तक प्रदेश प्रशासन सभी कामकाज छोड़ कर उन धार्मिक यात्राओं से जूझने जा रहा है जो कई बार भारी भी साबित हुई हैं। इनमें सबसे अधिक लम्बी और भयानक समझी जाने वाली अमरनाथ यात्रा है जिसमें बाधा डालने के लिए आतंकी मौका तलाशते हैं तो सुरक्षाबल आतंकियों को ठोकने के लिए तैयार रहते हैं। अमरनाथ यात्रा समेत कई धार्मिक यात्राएं जुलाई और अगस्त के दौरान राज्य में सम्पन्न होती हैं। अधिकतर एक से 7 दिनों तक चलने वाली होती हैं मगर अमरनाथ यात्रा इस बार सबसे कम 38 दिनों तक चलेगी।

सबकी प्यास बुझाने वाला झेलम खुद पानी के लिए प्यासा

सूखे के कारण झेलम का जलस्तर आधा फीट रह गया

जम्मू, 01 जुलाई (ब्यूरो)। कश्मीर के लोगों की प्यास बुझाने वाली झेलम नदी अपनी ही प्यास नहीं बुझा पा रही है। सूखे के कारण उसका जलस्तर सिर्फ आधा फुट रह गया है। कश्मीर वादी में लंबे समय से सूखा जारी है, जिससे झेलम नदी और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे पूरे क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

आज सुबह सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, संगम में जलस्तर सिर्फ 0.57 फीट था, जो बाढ़ की चेतावनी के 21 फीट के निशान से काफी नीचे था। अन्य गेजों ने भी कम रीडिंग दर्ज की गई। इसके मुताबिक, मुंशी बाग (2.47 फीट), अशम (2.57 फीट), और पंपोर (-1.29 मीटर)। जबकि डेटा के अनुसार, वुलर झील का जलस्तर 1574.97 मीटर दर्ज किया गया, जो इसके औसत स्तर 1578.00 मीटर से काफी नीचे है। सहायक नदियां भी तनाव के संकेत दे रही हैं, वाची में रामबियारा नाला -0.43 मीटर, बटकूट में लिद्दर नाला 0.30 मीटर और डोडरहामा में सिंध नाला 1.05 मीटर तक गिर गया है।

स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमान कर्ता फैजान आरिफ कंग कहते हैं, हालांकि स्थिति अभी भी चिंताजनक नहीं है, लेकिन अगर जुलाई तक सूखे की स्थिति बनी रही तो स्थिति और खराब हो सकती है।

उनका कहना था कि हमने पिछले वर्षों में इससे भी बदतर स्थिति देखी है, लेकिन अगर यह सूखा जारी रहा तो हमें खासकर दूरदराज और कृषि क्षेत्रों में कमी देखने को मिल सकती है। वे कहते थे कि जुलाई एक लंबा महीना है और हम केवल यही उम्मीद कर सकते हैं कि मानसून समय पर आए। इस बीच, मौसम विभाग (एमईटी) श्रीनगर ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है, जिसमें छिटपुट स्थानों पर बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि 1 से 5 जुलाई के बीच छिटपुट स्थानों पर रुक-रुक कर बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है और 6 से 8 जुलाई के बीच कई स्थानों पर ऐसी गतिविधि हो सकती है।

विभाग का कहना है कि कई इलाकों में निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलवामा के निवासी गुलाम नबी कहते थे कि हमारे गांव में सिंचाई चैनल सूख रहा है। किसान अपनी फसलों को लेकर चिंतित हैं। बेमिना, श्रीनगर के स्थानीय निवासी इश्फाक कहते थे कि उन्हें इन दिनों बहुत कम पानी मिल रहा है।

वे कहते थे कि हम टैंकर सप्लाई पर कब तक जीवित रहेंगे? स्थिति बदतर होती जा रही है। मुख्य अभियंता जल शक्ति कश्मीर, ताज मोहम्मद चौधरी ने कहा कि विभाग सक्रिय रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा है और विभिन्न शहरी क्षेत्रों में पानी के टैंकर तैनात किए गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत-पाकिस्तान के बीच बात

एक-दूसरे की जेलों में बंद अपने नागरिकों की सूची का किया आदान-प्रदान

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे की हिरासत में बंद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया, जो लंबे समय से चली आ रही कूटनीतिक प्रथा को जारी रखता है। यह आदान-प्रदान 2008 में हस्ताक्षरित कांसुलर एक्सेस पर द्विपक्षीय समझौते के अनुसार नई दिल्ली और इस्लामाबाद में आधिकारिक राजनयिक चैनलों के माध्यम से एक साथ किया गया। समझौते के अनुसार, दोनों देश इन सूचियों को हर दो साल में 1 जनवरी और 1 जुलाई को साझा करते हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान के साथ 382 नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो वर्तमान में भारतीय हिरासत में हैं, जिनके बारे में या तो पुष्टि की गई है या माना जाता है कि वे पाकिस्तानी नागरिक हैं। बदले में पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में रखे गए 53 नागरिक कैदियों और 193 मछुआरों का विवरण साझा किया है, जिनके बारे में या तो पुष्टि की गई है या माना जाता है कि वे भारतीय हैं।

भारत सरकार ने सभी भारतीय नागरिक कैदियों और मछुआरों की शीघ्र रिहाई और उनके नावों के साथ-साथ स्वदेश वापसी की अपनी मांग दोहराई है, साथ ही उन लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की वापसी की भी मांग की है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तान की हिरासत में हैं। उल्लेखनीय रूप से, भारत ने पाकिस्तान से उन 159 भारतीय बंदियों की रिहाई में तेजी लाने का आग्रह किया है, जिन्होंने पहले ही अपनी सजा पूरी कर ली है। इसके अतिरिक्त, भारत ने पाकिस्तान की हिरासत में 26 नागरिक कैदियों और मछुआरों तक तत्काल कांसुलर एक्सेस की मांग की है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे भारतीय नागरिक हैं, लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अभी तक उन्हें एक्सेस नहीं दिया गया है। भारत ने प्रत्यावर्तन की प्रतीक्षा कर रहे सभी भारतीय और भारतीय माने जाने वाले बंदियों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

नए अपराधिक कानूनों पर बोले अमित शाह

देश में कहीं पर भी दर्ज हो एफआईआर 3 साल में मिलकर रहेगा न्याय

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आने वाले दिनों में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदल देंगे। आज इन तीन नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि इस प्रणाली के पूर्ण कार्यान्वयन में अधिकतम तीन वर्ष लगेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी समस्या न्याय प्राप्त करने के लिए समयसीमा का अभाव है।

शाह ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके बाद देश के किसी भी कोने में एफआईआर दर्ज करें, आपको 3 साल के भीतर न्याय मिलेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा। बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए ने क्रमशः औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली। नए कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू हुए। गृह मंत्री ने तीनों कानूनों को स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा सुधार करार दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद सजा से बच नहीं पाएगा।

उन्होंने कहा कि न्याय निश्चित रूप से तय समय के भीतर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार, आपकी चुनी हुई सरकार ने आपके लिए कानून बनाए हैं और यह आपके सभी अधिकारों की रक्षा करेगी। 1 जुलाई, 2024 से, सभी नई एफआईआर बीएनएस के तहत दर्ज की गईं। हालांकि, पहले दर्ज किए गए मामलों को उनके अंतिम निपटारे तक पुराने कानूनों के तहत ही चलाया जाता रहा। नए कानून आधुनिक न्याय प्रणाली लेकर आए, जिसमें जीरो एफआईआर, ऑनलाइन पंजीकरण जैसे प्रावधान शामिल हैं।

अमरनाथ यात्रा पर खतरा!

फर्जी यात्रा कार्ड के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू, 01 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा का फर्जी कार्ड लेकर जा रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे यह आशंका बनी कि अमरनाथ यात्रा पर कोई खतरा तो नहीं!

पुलिस इसे अमरनाथ यात्रा के लिए कोई खतरा नहीं बता रही पर वह पकड़े गए शख्स से यह जानकारी लेने में जुटी है कि उसने किस इरादे से फर्जी यात्रा कार्ड हासिल किया था।

पुलिस ने मंगलवार बताया कि अमरनाथ यात्रा की पवित्रता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए, एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जम्मू कश्मीर पुलिस ने बालटाल में एक व्यक्ति को सुरक्षा चौकियों से धोखे से प्रवेश पाने के लिए फर्जी यात्रा पंजीकरण कार्ड का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान शिवम मित्तल पुत्र कृष्ण मित्तल, निवासी द्वारका पुरी, जगाधरी, जिला यमुनानगर, हरियाणा के रूप में हुई है।

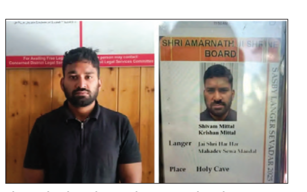

व्यक्ति ने धोखाधड़ी के माध्यम से जाली यात्रा कार्ड प्राप्त किया था और सुरक्षा कर्मियों को गुमराह करने का प्रयास किया था, जिससे अनिवार्य सुरक्षा सत्यापन प्रक्रिया को अवैध रूप से दरकिनार किया गया था।

इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सोनमर्ग में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 13/2025 दर्ज की गई है और गहन जांच शुरू की गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस यात्रा की अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे गैरकानूनी कामों में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या नकली या अमान्य यात्रा पंजीकरण दस्तावेजों का उपयोग करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों की रिपोर्ट करें।

रवींद्र चव्हाण के हाथ में महाराष्ट्र बीजेपी की कमान निर्विरोध चुने गए प्रदेश अध्यक्ष

मुंबई, 01 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी सहयोगी रवींद्र चव्हाण को मंगलवार को सर्वसम्मति से महाराष्ट्र भाजपा का अध्यक्ष चुना गया। यह चुनाव मुंबई नगर निकाय चुनावों से पहले होने वाले हैं। उन्होंने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का स्थान लिया, जो अगस्त 2022 से इस पद पर थे। वे पार्टी की राज्य इकाई के 12वें अध्यक्ष बने। चव्हाण ने कर्जत, बदलापुर और माथेरान जैसे अर्ध-शहरी इलाकों में भाजपा के विस्तार के दौरान एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक भूमिका निभाई है। उनके प्रदर्शन ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में जगह दिलाई और उन्हें पालघर और रायगढ़ जिलों का संरक्षक मंत्री भी बनाया गया।

एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से अधिक हुआ

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान में उसका वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 1.1 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 16 प्रतिशत योगदान है। साथ ही, बैंक ने बताया कि सभी सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन में अब बैंक की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बैंक ने बताया कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) में एसबीआई ने 15 करोड़ खाते खोले हैं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 14.6 करोड़ लोगों का पंजीकरण किया है। वहीं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 6.7 करोड़ और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में 1.73 करोड़ लोगों को नामांकित किया है।

एसबीआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में बैंक का सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लाभ में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। वहीं, कॉर्पोरेट आयकर (वित्त वर्ष 2026) में 2.53 प्रतिशत का योगदान था।

बैंक ने कहा कि अगर एसबीआई देश होता तो 52 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के साथ अमेरिका की आबादी से भी बड़ा और पृथ्वी पर तीसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होता। वहीं, एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से भी अधिक है।

देश के सबसे बड़े वित्तीय संस्थान की बैलेंस शीट अपने संचालन के 70वें वर्ष में 66 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

बैंक के अनुसार, एसबीआई योनो ऐप पर ग्राहकों के पंजीकरण की संख्या 8.8 करोड़ तक पहुंच गई है और यह संख्या बढ़ती जा रही है।

एसबीआई के 70 साल पूरा होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंक को बधाई देते हुए कहा, 23,000 से अधिक ब्रांच, 78,000 कस्टमर सर्विस पॉइंट्स (सीएसपी) और 64,000 एटीएम के साथ आज एसबीआई की स्थिति बहुत अच्छी है और यह वास्तव में हर भारतीय का बैंक है।

वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले दशक में बैंक द्वारा डिजिटल परिवर्तन ग्राहकों के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। बैंक ने 1.5 करोड़ किसानों, महिलाओं द्वारा संचालित 1.3 करोड़ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पीएम स्वनिधि योजना के तहत 32 लाख स्ट्रीट वेंडर्स, 23 लाख एमएसएमई और विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों कारीगरों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बैंक के पास 15 करोड़ से अधिक जन धन खाते, 14.65 करोड़ पीएम सुरक्षा बीमा योजना, 1.73 करोड़ अटल पेंशन योजना और 7 करोड़ पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थी हैं।

संकट के समाधान के लिए मणिपुर के संगठनों ने की चर्चा

नयी दिल्ली/इंफाल 30 जून (एजेंसियां) मणिपुर के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के एक सामूहिक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नयी दिल्ली में गृह मंत्रालय (एमएचए) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक 'महत्वपूर्ण और व्यापक' बैठक की।

इस बैठक में मणिपुर के तीन नागरिक समाजों का प्रतिनिधित्व करने वाले 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। एएमयूसीओ के महासचिव प्रताप लीशांगथेम, सीओसीओएमआई के संयोजक खुरइजम अथौबा और एफओसीएस के अध्यक्ष बी.एम. याइमा शाह ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बैठक सुबह 11:30 बजे शुरू हुई और साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक चली। इस प्रतिनिधिमंडल में सीओसीओएमआई, एएमयूसीओ और एफओसीएस के प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने सलाहकार (पूर्वोत्तर) ए.के. मिश्रा, खुफिया ब्यूरो के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले और गृह मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन बातचीत की।

बैठक के दौरान मणिपुर प्रतिनिधिमंडल ने मणिपुर में चल रहे संकट से संबंधित प्रमुख प्राथमिकता वाले मुद्दों पर जोर दिया। संकट को दूर करने और स्थायी तथा टिकाऊ समाधान खोजने के लिए चरणबद्ध और समयबद्ध रोडमैप पर चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने वाली किसी भी पहल पर अपने अडिग रुख की स्पष्ट रूप से पुष्टि की। यह सिद्धांत हर मणिपुरी के लिए पवित्र है। प्रतिनिधिमंडल ने सभी के लिए मुक्त आवागमन सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, इस बात पर जोर देते हुए कि यह न केवल सरकार का मौलिक अधिकार और संवैधानिक दायित्व है बल्कि राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में एक आवश्यक पहला कदम भी है। आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को उनके मूल निवास स्थानों पर पुनर्वास के लिए एक चरणबद्ध और समयबद्ध योजना पर भी चर्चा की गई जिसे इस वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रतिनिधिमंडल ने अवैध अप्रवास के मुद्दे को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) या इसी तरह के तंत्र को लागू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूपी को दी पहले आयुष विवि की सौगात

तपस्या और अध्यात्म की यह भूमि राष्ट्र प्रेम का आधार है

- गोरखपुर में स्थापित हुआ गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय
- योगी आदित्यनाथ का भाव जनता के प्रति समर्पण का है : मुर्मू

गोरखपुर, 01 जुलाई (ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महायोगी गुरु गोरखनाथ की पवित्र धरती को नमन करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ के बारे में कहा गया है कि आदि गुरु शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली महापुरुष भारत में दोबारा नहीं हुआ। गोरखपुर योग भूमि है। गुरु गोरखनाथ ने इस क्षेत्र को अक्षय आध्यात्मिक ऊर्जा से समृद्ध किया। यह परमहंस योगानंद की जन्मभूमि भी है। आप सभी ऐसे महान स्थानीय परंपरा से जुड़े हैं, जिनका राष्ट्रीय महत्व और मानवता पर प्रभाव है। मत्स्येंद्रनाथ और गुरु गोरक्षनाथ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरखपुर से प्रसारित हुआ नाथ पंथ भारत के कोने-कोने और अन्य देशों में भी मानवता के कल्याण में सक्रिय है। तपस्या, साधना और अध्यात्म की यह धरती आत्मगौरव और राष्ट्रप्रेम की आधार भूमि भी है। 18वीं सदी के संन्यासी विद्रोह से लेकर 1857 के स्वाधीनता संग्राम तक गोरखपुर नाथ पंथ के योगी, जनकल्याण और स्वाधीनता संग्राम का सूत्रधार रहा है। इस धरती से बाबू बंधु सिंह व रामप्रसाद बिस्मिल जैसे बलिदानियों की गाथाएं जुड़ी हैं।

राष्ट्रपति ने मंगलवार को गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण किया। 52 एकड़ में प्रदेश का यह पहला आयुष विश्वविद्यालय 268 करोड़ से स्थापित किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 100 वर्ष से गीताप्रेस गोरखपुर ने भारत के जनमानस को धर्म व संस्कृति से जोड़े रखने का महान कार्य किया है। गीताप्रेस का प्रकाशन संस्कृत व हिंदी के अलावा अनेक भाषाओं में उपलब्ध है। उड़िया भागवत के नाम से विख्यात अतिबड़ी जगन्नाथ दास द्वारा रचित भागवत महापुराण को ओडिशा के लोग बहुत सम्मान से पढ़ते हैं।

ओड़िया भागवत का प्रकाशन व प्रसार भी गीताप्रेस गोरखपुर द्वारा किया गया है। कल शाम को गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन का अवसर मिला। वहां गीताप्रेस द्वारा उड़िया भाषा में प्रकाशित शिवपुराण और भागवत की प्रतियां भेंट की गईं। यह पुस्तकें गोरखपुर के अमूल्य सौगात और स्मृति के रूप में सदैव रहेंगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि गोरखपुर में कुछ वर्षों से इंफ्रास्ट्रक्चर का बहुत तेज गति से विकास हो रहा है। गोरखपुर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (गीडा) की गतिविधियों का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। यहां के टेराकोटा के कलात्मक उत्पाद देश-विदेश में निरंतर लोकप्रिय हो रहे हैं। यहां के निवासियों में ऐसी अनेक उपलब्धियों से नई ऊर्जा व आकांक्षा का संचार हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जैसे विलक्षण विभूति के पवित्र नाम से जुड़े इस विश्वविद्यालय में आकर उनके प्रति श्रद्धा का और अधिक संचार हो रहा है। यह विश्वविद्यालय समृद्ध, प्राचीन परंपराओं का नवनिर्मित व प्रभावशाली आधुनिक केंद्र है। यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मेडिकल एजुकेशन व चिकित्सा सेवा के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

यहां उच्च स्तरीय सुविधाओं का निर्माण किया गया है, जिनका लाभ जनसामान्य को सुलभ होगा। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग 100 आयुष कॉलेज उत्कृष्टता से लाभान्वित हो रहे हैं। आयुष पद्धतियों में स्नातक से लेकर उच्चतम उपाधियों के स्तर पर भी शिक्षण एवं शोध कार्य किया जाएगा। यहां आयुष पद्धति से जुड़े रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शिक्षा दी जाएगी। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विश्वस्तरीय व स्वीकार्य बनाने के लिए शोध कार्य पर विशेष बल दिया जाएगा।

राष्ट्रपति ने यूपी के प्रथम आयुष विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट परिकल्पना व निर्माण को दिशा-गति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति ने अथक शब्द की चर्चा की, बोलीं कि अथक मतलब थकना मना है। दिन रात परिश्रम करना पड़ेगा। निद्राजीत बनना है। डॉक्टर कहते हैं कि छह से आठ घंटे सोना पड़ेगा, वरना शरीर साथ नहीं देगा, लेकिन सीएम आदित्यनाथ जैसे योगी कहते हैं कि निद्रा पर जय करने और खुद को शारीरिक व मानसिक सशक्त बनाने के लिए योग करना होगा। योग करने से आठ घंटे की नींद तीन घंटे में पूरी होगी। योगी जी का अथक परिश्रम और जनता के प्रति समर्पण भाव है। इस एरिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि सुविधाएं जनता को समर्पित है।

शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम: राष्ट्रपति

गोरखपुर, 01 जुलाई (ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रेक्षागृह व पंचकर्म सेंटर का लोकार्पण तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। राष्ट्रपति ने वन महोत्सव के अंतर्गत यहां भी रुद्राक्ष का पौधा रोपा, फिर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि नए महिला छात्रावास का शिलान्यास कर सबसे अधिक खुशी हो रही है। शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए यह कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में अमूल्य पहल है।

राष्ट्रपति ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सराहना की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरित सभी संस्थानों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रसारित होती है। लगभग 700 वर्ष पहले महाराणा प्रताप ने राष्ट्र गौरव के लिए त्याग और पराक्रम का जो आदर्श प्रस्तुत किया था, वह देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। महामहिम ने आशा जताई कि इस विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी प्रोफेशनल एजुकेशन पर आधारित उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ आध्यात्मिकता तथा राष्ट्र प्रेम के आदर्शों को अपने आचरण में ढालेंगे। यह संस्थान महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की परंपरा से जुड़ा हुआ है। उनकी परंपरा के अनुरूप गोर-क्षपीठ व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े सभी संस्थानों, व्यक्तियों (विशेषकर युवाओं) को जनसेवा, शिक्षा तथा भारत के सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अगाध श्रद्धा के साथ कार्य करना चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर से निकली गौरवशाली शाखाओं में से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी शोभायमान है। विश्वविद्यालय के नए एकेडमिक भवन में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थी, शिक्षक और अधिक निष्ठा के साथ आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि मानव शरीर को दोषमुक्त बनाने में पंचकर्म की प्रक्रिया बहुत प्रभावी सिद्ध हुई है। इस क्रिया की सहायता से असाध्य रोगों के सफल उपचार के उदाहरण देखने को मिलते हैं। आशा है कि नए पंचकर्म केंद्र से अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो पाएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि कक्षा सात की पढ़ाई पूरी करके मैं सत्र 1970-71 में आठवीं व उसके आगे की पढ़ाई करने के लिए अपने गांव से 300 किमी दूर भुवनेश्वर गई। 55 वर्ष पहले वह दूरी भी बहुत अधिक थी, क्योंकि तब आवागमन के साधन बहुत सीमित हुआ करते थे। मुझसे पहले मेरे गांव की कोई बालिका बाहर पढ़ने नहीं गई थी। भुवनेश्वर में मुझे महिला छात्रावास में रहने की सुविधा मिली। अब तो बहुत बदलाव आ चुका है। हमारी बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं, लेकिन आज भी अनेक बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेटियों के लिए सुरक्षित आवास न होने से उनकी उच्च शिक्षा की यात्रा में अवरुद्ध होता है। कभी-कभी शिक्षा रुक भी सकती है, इसीलिए विश्वविद्यालय में नए बालिका छात्रावास की स्थापना का निर्णय महिलाओं की उच्च शिक्षा में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए यह कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में अमूल्य पहल है। राष्ट्रपति ने इस कदम की सराहना की।

राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए बोले मुख्यमंत्री

राष्ट्र प्रथम के भाव से सेवारत है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद

गोरखपुर, 01 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की संस्थाएं अपने संस्थापकों की भावनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप राष्ट्र प्रथम के भाव से सेवा कार्य कर रहीं हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी परिषद की इसी भावना को उच्च शिक्षा और चिकित्सा के सेवा क्षेत्र में मूर्तमान कर रही है।

सीएम योगी मंगलवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अकादमिक भवन, पंचकर्म केंद्र व ऑडिटोरियम के लोकार्पण और गर्ल्स हॉस्टल के शिलान्यास समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1932 में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने शैक्षिक रूप से इस पिछड़े क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। आजादी के बाद पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने में इसी शिक्षा परिषद का योगदान रहा। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की 52 से अधिक संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और लोक कल्याण के क्षेत्र में राष्ट्र प्रथम की सेवा भावना को साकार कर रहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के दो दिवसीय प्रदेश दौरे के दौरान आईवीआरआई बरेली, गोरखपुर एम्स और आयुष विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी उच्च स्तरीय संस्थान विज्ञान के अलग-अलग फील्ड में काम करते हैं लेकिन राष्ट्रपति के इस दौरे का समापन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हो रहा है जो इन सभी फील्ड में काम करने वाला संस्थान है। इस विश्वविद्यालय में मॉडर्न मेडिकल साइंस, आयुर्वेद, नर्सिंग, फार्मेसी, एग्रीकल्चर सभी फील्ड में काम किया जा रहा है।

आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में बोलीं राज्यपाल

एक गांव एक औषधीय पौधे की शुरुआत करें किसान : आनंदीबेन

गोरखपुर, 01 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश के प्रथम महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने किसानों का आह्वान किया कि वे एक गांव-एक औषधीय पौधा अभियान की शुरुआत करें। आयुष विश्वविद्यालय के रूप में पूर्वांचल में आयुर्वेद का बड़ा सेंटर शुरू हो रहा है और इसके माध्यम से औषधीय खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। लोकार्पण समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिवादन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय के आसपास के गांवों के किसान औषधीय पौधों की खेती कर अधिक आर्थिक उपार्जन कर सकते हैं। इससे बिना हानि वाली दवाएं बनेंगी और जनता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि एक गांव में एक तरह के औषधीय पौधे लगाए जाएं तो दूसरे गांव में दूसरे तरह के।

राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा की सारी पद्धतियों के होते हुए भी यह विचार करना जरूरी है कि क्या हम हर जगह पहुंच पाए हैं। उन्होंने अपील की कि आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिये होम्योपैथ और आयुर्वेद की हानिरहित दवाएं लोगों तक पहुंचाई जाए। इसमें डॉक्टरों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों को भी बड़ी भूमिका निभानी होगी। राज्यपाल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी जन आरोग्यता के लिए सदैव चिंता करते हैं।

आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह को आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालु ने भी संबोधित किया। स्वागत संबोधन आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो के. रामचंद्र रेड्डी ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद, सांसद रविकिशन शुक्ल, स्थानीय विधायक महेंद्रपाल सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्यजन और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिलान्यास समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एमजीयूजी की चार साल से भी कम समय की उत्कृष्ट प्रगति की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि नाथपंथ के प्रवर्तक की तपोभूमि पर यह विश्वविद्यालय शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा का संगम बनकर उभर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रपति की उपस्थिति आज महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लिए एक विशेष अवसर है। आज यहां एक अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास किया गया है।

यूपी में स्कूल चलो अभियान पूरे परवान पर

उत्सव की तरह आरम्भ हुआ नया शैक्षणिक सत्र

लखनऊ, 01 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेशभर में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत इस बार एक उत्सव के रूप में देखने को मिली। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का पारंपरिक ढंग से स्वागत हुआ, वहीं समुदाय और अभिभावकों को संवाद में जोड़कर शिक्षा को एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया गया। डिजिटल नवाचारों के माध्यम से जन-जागरूकता को बढ़ावा मिला और बालिकाओं के नामांकन व सहभागिता पर विशेष बल दिया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अभिनव पहल करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालयों में वृक्षारोपण किया गया।

यह अभियान योगी सरकार के उस संकल्प का साकार रूप है, जिसमें शिक्षा को सामाजिक क्रांति का माध्यम मानते हुए हर बच्चे तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह प्रतिबद्धता अब जमीन पर उत्सव का रूप ले चुकी है। ग्रीष्मावकाश के उपरांत आज जब प्रदेश के परिषदीय विद्यालय खुले, तो बच्चों का स्वागत केवल औपचारिक नहीं, बल्कि संवेदना, सम्मान और संस्कार से परिपूर्ण था। साथ ही स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण की भी पूरे राज्य में शुरुआत हुई, जो 1 जुलाई से 15 जुलाई तक संचालित किया जाएगा।

यह चरण योगी सरकार की उस सोच का जीवंत प्रमाण है जिसमें शिक्षा केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि हर बच्चे का मूल अधिकार है। मुख्यमंत्री योगी की दूरदर्शिता ही इस अभियान की आधारशिला बनी है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी की यह स्पष्ट मान्यता रही है कि यदि कोई बच्चा स्वयं स्कूल नहीं आ सकता, तो राज्य की जिम्मेदारी है कि शिक्षा को उसके द्वार तक पहुंचाया जाए। स्कूल चलो अभियान उनकी इसी दूरदर्शी सोच का साकार रूप है, जिसके माध्यम से शिक्षा को समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक पहुंचाने का प्रयास हो रहा है।

प्रदेश भर मे सभी विद्यालयों में आज उत्सव जैसा माहौल रहा। जहां बच्चों का स्वागत फूल मालाओं से हुआ वहीं उन्हें हलवा खिला कर उनके जीवन में मिठास घोलने का संकल्प भी लिया गया। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह शाहजहांपुर, प्रयागराज, सहारनपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बुलंदशहर और अयोध्या जैसे जिलों के लाखों विद्यालयों में भी विद्यार्थियों का रोली-चंदन, फूलमालाओं, मिठाई, हलवा-भोज और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। प्रयागराज के नगर क्षेत्र स्थित आदर्श संविलियन विद्यालय में मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में बच्चों को पुस्तकें और स्टेशनरी वितरित की गईं। बच्चों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष, पारिजात, महोगनी आदि पौधों का रोपण भी किया गया।

जालौन जनपद के ब्लॉक माधौगढ़ स्थित प्राथमिक विद्यालय अमखेड़ा में शिक्षकों और बच्चों ने डिजिटल अपील जारी कर समुदाय से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें। यह नवाचार शिक्षा के प्रति सामाजिक सहभागिता को प्रेरित करने वाला उदाहरण बना। लखीमपुर खीरी, वाराणसी, अम्बेडकरनगर, उन्नाव, सुल्तानपुर, जौनपुर समेत प्रदेश के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं का गर्मजोशी से स्वागत हुआ।

सर्वोदय विद्यालयों में नया सत्र शुरू, बच्चों में दिखा उमंग

ग्रामीण और वंचित वर्ग के बच्चों को मिल रही मुफ्त आवासीय शिक्षा

लखनऊ, 01 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के वंचित, ग्रामीण और समाज के पिछड़े वर्गों के मेधावी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो गई है।

प्रदेशभर के इन आवासीय विद्यालयों में पहले दिन का माहौल उत्साहपूर्ण रहा। विद्यार्थियों के स्वागत के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रेरणात्मक सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें शिक्षकों ने बच्चों को नए सत्र के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

विद्यालयों में बच्चों के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। छात्रों ने न केवल विद्यालय में समय पर पहुंचकर अनुशासन का परिचय दिया, बल्कि उनमें पढ़ाई के प्रति खास लगन भी दिखाई दी। शिक्षकगण भी पूरे उत्साह से विद्यार्थियों को सकारात्मक ऊर्जा देने में जुटे रहे।

योगी सरकार ने इस सत्र में बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसरों में साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और बैठने की व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। साथ ही छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए समय पर नाश्ता, भोजन और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षक विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा देने में जुटे हैं। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, विज्ञान और कंप्यूटर लैब की बेहतर सुविधाएं बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ रही हैं। इसके अलावा शिक्षण के साथ-साथ खेलकूद, संगीत, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग की ओर से इस समय 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अन्य कमजोर वर्गों के बच्चों को नि:शुल्क आवासीय सुविधा सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इस सत्र से 9 नए सर्वोदय विद्यालयों में भी पढ़ाई शुरू करने की प्रक्रिया जारी है। इनमें से 45 विद्यालयों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे और अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सकेगा

म्यांमार में खाते खाना और सोते भारत में!

आपको यह पढ़कर शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन बिल्कुल सच्च है। इस गांव के लोग बिना वीजा के म्यांमार में जा सकते हैं। दरअसल, इस गांव का आधा हिस्सा भारत में तो आधा हिस्सा म्यांमार में है। यहां के राजा के घर के बीच से गुजरता है बॉर्डर। इस ट्राइब्स के राजा का नाम अंग नगोवांग है, जिनके अधीन लोंगवा समेत कुल 75 गांव आते हैं। वहीं, इनके घर के बीच से होकर म्यांमार और भारत का बॉर्डर गुजरता है। ऐसे में इनका परिवार खाना तो म्यांमार के हिस्से में खाता है, लेकिन सोने के लिए भारतीय सीमा का उपयोग करता है। लोंगवा गांव के राजा की फैमिली भी काफी बड़ी है, जिसमें उनकी 60 बीवियां भी शामिल हैं। वहीं, राजा का बेटा म्यांमार आर्मी में है। भारत-म्यांमार सीमा पर होने के कारण यहां के लोगों को तकनीकी तौर दोनों ही देशों की नागरिकता मिली हुई है। ऐसे में इन्हें म्यांमार जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत होती है और न ही भारतीय पासपोर्ट की। यहां के लोग दोनों ही देशों में स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है जलजीरा

गर्म और सुस्त दिन को ताजगी से भरने का आसान उपाय है, एक ग्लास ठंडा जलजीरा! ये रिफ्रेशिंग ड्रिंक आपके कभी न कभी जरूर पी होगी। जलजीरा में मिलाया गया काला नमक, जीरा, अदरक, नींबू, पुदीना, आमचूर पावडर और इसी तरह की अन्य सामग्री, इसे न सिर्फ टेस्ट में शानदार बनाती है बल्कि सेहत के लिए भी ये एक हेल्दी ड्रिंक बन जाती है। हम आपको जलजीरा के ऐसे 5 फायदे बताएंगे, जिसको जानने के बाद आप कभी-कभी नहीं, बल्कि हर रोज इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को पीना चाहेंगे।

पाचन क्रिया को तेज बनाए

जलजीरा में डाला गया काला नमक आंतों की गैस से लड़ता है और पाचन क्रिया को तेज बनाता है। जलजीरा, सीने में जलन से राहत दिलाता है और शरीर को रीहाईड्रेट करता है।

एनेमिया से बचाव

जीरे में आयरन उच्च मात्रा में होता है, इसीलिए वो एनीमिया से बचाव करता है। जलजीरा इम्यूनिटी पावर को भी बढ़ाता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है।

पेट की खराबी में राहत

जलजीरा में अदरक होता है, इसलिए ये मतली की समस्या को ठीक करता है। अगर आपको पेट में दर्द है, पीरियड्स के क्रैंप्स हो रहे हैं, उल्टी, गैस या अर्थराइटिस की समस्या है, तब भी जलजीरा आपको राहत पहुंचा सकता है।

विटामिन सी की कमी दूर करने में मददगार

जलजीरा में आमचूर पावडर डाला जाता है। आमचूर में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है जो कि आपकी इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है और बहुत सी बीमारियों से आपका बचाव करता है।

लो कैलोरी ड्रिंक

आप जब चाहें जलजीरा पी सकते हैं, वो भी बिना कैलोरी की चिंता किए! इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो सोडा ड्रिंक पीने से बेहतर है आप जलजीरा पिएं। ये आपके शरीर के सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है और शरीर को हाईड्रेट रखता है। अब तक तो आप जलजीरा के फायदों को जानकर उसे पीने का मन बना ही चुके होंगे। अगर ऐसा ही है तो बाजार से जलजीरा का पैकेट लेने न निकल जाए बल्कि घर पर जलजीरा बनाएं, ताकि वो हेल्दी हो।

लंच करने के बाद न करें ये गलतियां

क्या आप एक भारी लंच करने के बाद तुरंत टहलने के लिए निकल जाते हैं? हो सकता है आप न जाते हों लेकिन आप जैसे बहुत से लोग ऐसा रोज करते हैं। यह एक बहुत ही हानिकारक आदत है जिसे तुरंत रोक देनी चाहिए।

एक्सपर्ट के मुताबिक हमारा पाचन तंत्र इतना मजबूत है कि आप लंच में चाहे जो कुछ भी उल्टा सीधा क्यूं ना खा लें, वह सब कुछ हजम कर लेगा।

हमारा पेट खाने को अच्छी तरह से हजम कर के सारे जरुरी पोषण हमें एनर्जी के तौर पर देता है। पर उसी समय हमारे पेट का सिस्टम थोड़ा संवेदनशील भी है और वह उस वक्त ठीक से कार्य नहीं कर पाता जब आप उसे तकलीफ देते हैं। इसलिए दोपहर में लंच करने के बाद 15-20 मिनट तक आराम करना जरुरी बताया गया है।

आइए जानते हैं कि लंच के बाद कई लोग क्या क्या गलतियां करते हैं , जिससे उनके हाजमें पर बुरा असर पड़ता है।

धूम्रपान करना

लंच करने के बाद शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। पर जब उसके बाद आप धूम्रपान करते हैं उसका धूंआ आराम से आपके शरीर में घुस कर फेफड़ों और किडनियों को नुकसान पहुंचाता है।

वॉक पर जाना

लंच करने के सीधे बाद वॉक पर जाने से खाने का पोषण शरीर में अच्छी तहर से नहीं समा पाता।

ड्राइविंग

खाने को पचाने के लिए बहुत सारे खून की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें दिमाग सहायता करता है। पर अगर आप खाने के बाद ड्राइविंग करने पर अपना पूरा ध्यान लगा देगें तो आपके भोजन को पचाने के लिये दिमाग वो काम नहीं कर पाएगा।

सोना

खाने के बाद सोने से कई पाचन संबन्धित बीमारियां हो सकती हैं। इससे आपको गैस की भी समस्या हो सकती है।

लंच के बाद क्या नहीं करना चाहिए

दांतों को ब्रश करना

लंच करने के बाद ब्रश बिल्कुल नहीं करना चाहिए। अगर आपने कोई सिट्रस वाला आहार खाया है तो दांतों को ब्रश करने से दांतों की परत तुरंत उतर जाएगी, जिसे हम इनेमल कहते हैं।

बहुत ज्यादा पानी पीना

अगर आप खाना खाने के बाद बहुत ज्यादा पानी पीते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इससे पेट की कई बीमारियां भी हो सकती हैं।

गर्दन दर्द से पाना हो छुटकारा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

यदि आपकी गर्दन में दर्द हो तो इसको कभी हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे कई लक्षणों का पता चलता है। गर्दन में दर्द की समस्या से ना तो आप ठीक से उठ-बैठ सकते हैं और ना ही रोज मर्रा के काम कर सकते हैं। कई लोगों को सिर को दाएं-बाएं घुमाने पर अकडन और दर्द के साथ कडकड़ाहट की आवाज भी सुनाई देती है। गर्दन में लगातार दर्द रहने पर अति शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद ही यह तय हो पाता है कि दर्द किस कारण हो रहा है। अगर दर्द होने का कारण कोई गंभीर बीमारी न होकर सामान्य है तो उसे व्यायाम योगासनों एवं घरेलू उपचारों से भी ठीक किया जा सकता है।

आइस पैक लगाएं

गरदन की दर्द में आइस पैक काफी लाभ पहुंचाता है। आप चाहें तो बरफ के टुकड़े को कपड़े में बांध कर दर्द पर रख सकते हैं। इससे दर्द में काफी आराम मिलेगा।

अदरक का पेस्ट

यह एक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। अगर आप अदरक पावडर को पानी में मिला कर पिएं या फिर इसे घिस कर गरम पानी में मिला कर पेस्ट बना कर गरदन पर लगाएं तो राहत मिलेगी।

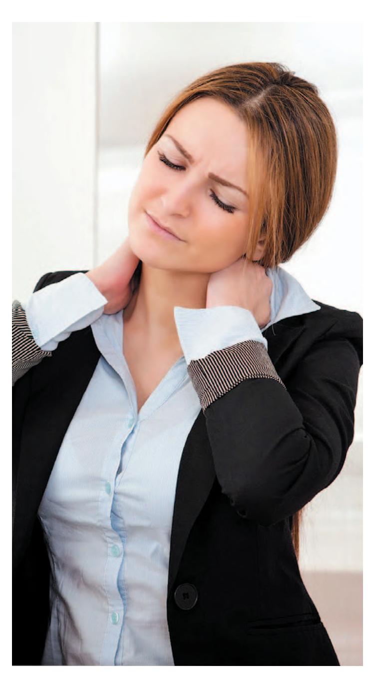

गर्म सिकाई

जब चोट की सिकाई होती है तो खून का दौरा उस जगह पर तेज हो जाता है जिससे चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

मसाज

मसाज किसी भी दर्द को ठीक कर सकता है। मसाज से आप आराम से अच्छी नींद सो सकते हें। पर चोट को तेजी से नहीं मलना चाहिये नहीं तो वहां पर और ज्यादा दर्द पैदा हो सकता है।

सही मुद्रा बना कर रखें

शरीर की सही मुद्रा बना कर रखने से भी गरदन का दर्द ठीक करने में सहायता मिलती है। अपने शरीर को एक दीवार पर सटा कर खड़ा कीजिए अपनी पीठ और बुटक को दीवार से लगाइए और ठुड्डी को बिल्कुल सीधे रखिए। बस इसी मुद्रा में सारे दिन रहिए।

गरम पानी से स्नान

गरम पानी के शॉवर के नीचे कुछ देर खड़े रहें। जैसे की गरम पानी आपकी गरदन पर गिरेगा, कुछ ही देर में आपको असर दिखाई देगा।

हींग एवं कपूर

हींग एवं कपूर समान मात्रा में लेकर सरसों तेल में फेंटकर क्रीम की तरह बना लें। इस पेस्ट को गर्दन में लगाकर हल्के हाथों में मालिश करने पर दर्द आराम हो जाता है।

पसीने व उसकी बदबू से छुटकारा पाने के उपाय...

गर्मियां का मौसम आते ही पसीने की समस्या हो जाना आम बात है। मामूली स्वेटिंग तो फिर भी ठीक है, लेकिन कुछ लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है। इससे वो बहुत ज्यादा ही परेशान रहते हैं। कुछ टाइम के बाद पसीने की बदबू सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों से भी आने लगती है। इसके लिए न जाने कितने ही तरह के डियोड्रेंट, परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं जो कुछ देर के लिए पसीने की बदबू को रोकते हैं, लेकिन समस्या जैसी की तैसी ही बनी रहती है। हम आपको कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर पसीने की समस्या दूर की जा सकती है।

कैसे करें बचाव

पसीने को रोक पाना तो बहुत ही मुश्किल है। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाकर अधिक पसीना निकलने की समस्या को जरूर कम किया जा सकता है।

- एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। जितनी बार नहाएं उतनी बार इसका प्रयोग करें। नहाने के पानी में यूडी कोलन की कुछ बूंदें डालना भी फायदेमंद होता है।
- पसीने की वजह से पैरों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उंगलियों के बीच एंटी फंगल पाउडर छिडकने के बाद ही मोजे और जूते पहनें।
- इस मौसम में कुछ लोग मोजे पहनना छोड़ देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं, इससे पैरों में एलर्जी हो सकती है।
- तलवों से अधिक पसीना निकलता हो तो इससे बचने के लिए नहाने से पहले, पानी से भरे टब में दो चम्मच फिटकरी पाउडर डालकर उसमें दो मिनट तक पैरों को डुबोकर रखना चाहिए।
- इस मौसम में बगल से सबसे ज्यादा पसीने की प्रॉब्लम होती है। तो बाहर निकलने से पहले कुछ मिनटों तक शरीर के इस हिस्से पर बर्फ रखना फायदेमंद होता है। इससे ज्यादा पसीना नहीं निकलता।
- शर्ट के बगल वाले हिस्से को पसीने के निशान से बचाने के लिए स्वेट पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- डियो, स्प्रे के बजाय रोलॉन या टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ज्यादा अच्छा रहता है, लेकिन इसके ज्यादा प्रयोग करने से बचें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- पसीने की अधिकता से सिर की त्वचा में दाने निकल आते हैं जिसे दूर करने के लिए माइल्ड शैंपू बहुत ही कारगर होता है।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करें, क्योंकि कई बार ज्यादा पसीना निकलने का कारण तनाव और गुस्सा भी होता है।
- अधिक पसीने की समस्या से बचने के लिए अमोनियम क्लोराइड से बने कुछ ऐसे लोशन और स्प्रे आते हैं, जो स्वेट ग्लैंड्स के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं।
- बगल से ज्यादा पसीना निकलने से परेशान हैं तो लेजर ट्रीटमेंट इसका बेहतर उपचार है जो इससे राहत दिलाता है।
- आइनोटोफोरिसिस ट्रीटमेंट एक ऐसी नई तकनीक है जिसमें टब में भरे पानी को एक यंत्र के जरिए चार्ज कर उसके पॉजिटिव और नेगेटिव आयन्स को एक्टिव किया जाता है। फिर इसमें कुछ समय के लिए हाथों और पैरों को डुबाया जाता है। इससे स्वेट ग्लैंड्स की एक्टिविटी धीमी हो जाती है।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जिएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

- अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।
- इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।
- सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।

- अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।
- अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।
- दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड के स्लाईस , टुकड़ों के कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 3से 4 3 से 4 कड़ीपत्ते, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ड प्याज़,2 टेबल-स्पून तेल

सजाने के लिए

2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर ब्रेड के दही से कोट होने तक मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ीपत्ते और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। प्याज के स्लाईस डालकर हलका भुरा होने तक भुन लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, धिमी आंच पर ब्रेड के सुनहरा होने तक भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मल्टीग्रेन रोटी

सामग्री

1/4 कप रागी का आटा, 1/4 कप बाजरा का आटा, 1/4 कप जोवार का आटा,2 टेबल-स्पून बेसन, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर,1 टी-स्पून मिर्च पाउडर,1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/4 कप बारीक कटा हुआ टमाटर,3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार,1 1/4 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

परोसने के लिए

लो फॅट दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बर्तन में मिलाकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम आटा गूंधिए। आटे को 6 बराबर भागों में बांटिए और 1 भाग को 2 प्लास्टिक के बीच में रखकर व्यास के आकार की रोटी बेलिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर रोटी रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, रोटी को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक सेक लिजिए। बचे हुए भागों से 5 और रोटीयां बनाए। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसिए।

संपादकीय

दो संवैधानिक मुद्दे

दो संवैधानिक मुद्दे आजकल बहसतलब और विवादित हैं। पहला यह है कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के तहत दो शब्द- 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष'-संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए। वह आपातकाल का दौर था, लिहाजा संसद, न्यायपालिका और मीडिया 'बंधक' की स्थिति में थे। विपक्ष के लगभग सभी बड़े नेता जेल में बंद थे। संविधान सभा के दौर में जाएं, तो इन शब्दों पर व्यापक बहस हुई थी। सांसद प्रो. केटी शाह और कामथ सरीखों ने संविधान के अनुच्छेद 1 के तहत इन शब्दों को जोड़ने की मांग की थी। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की दलीलें थीं कि ये शब्द औसत भारतीय की आत्मा में समाए हैं। अनुच्छेद 31 में इन शब्दों का उल्लेख है। नीति निर्देशक तत्त्वों में भी ये शब्द शामिल हैं। इन्हें संविधान की प्रस्तावना में रखने से लोकतंत्र का लचीलापन समाप्त होगा। लोकतंत्र नष्ट भी हो सकता है, लिहाजा वह प्रस्ताव गिर गया और बाबा अंबेडकर ने उन दो शब्दों को प्रस्तावना में नहीं जोड़ा। 1976 के संविधान संशोधन के बाद छह साल भाजपा-एनडीए की वाजपेयी सरकार केंद्र में रही और अब 11 साल से मोदी सरकार मौजूद है। इसके अलावा, 1977-80 के दौरान जनता पार्टी भी सत्ता में रही। सवाल है कि ये शब्द क्यों नहीं हटाए गए? जब 2020 में सर्वोच्च अदालत में एक याचिका दाखिल की गई, जिस पर 2024 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने फैसला सुनाया कि इतने लंबे सालों के बाद इन शब्दों से छेड़छाड़ न की जाए। पीठ ने 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' की व्याख्या भी की। यह राजनीतिक विडंबना है कि 'मंडल बनाम कमंडल' की राजनीति के दौर में एक शब्द बदल कर 'धर्मनिरपेक्ष' कहा जाने लगा और भाजपा समर्थक राजनीति को 'सांप्रदायिक' करार दिया जाने लगा। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए दो शब्दों को 'नासूर' करार दिया है, लिहाजा राजनीति ज्यादा विषाक्त हो गई है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ पहले आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इस मुद्दे को गरमाते हुए कहा है कि इन दो शब्दों को हटाने पर विचार किया जाना चाहिए। दूसरा मुद्दा बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से जुड़ा है। विपक्ष चिल्ल-पौं कर रहा है कि उसके वोट बैंक के कई नाम सूचियों से काटे जा सकते हैं और भाजपा-समर्थक नाम जोड़े जा सकते हैं। विपक्ष का लगातार आरोप रहा है कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और हरियाणा में भी ऐसा ही किया था, नतीजतन भाजपा सरकारें बनीं। सवाल यह है कि बीते 11 सालों के कालखंड के दौरान चुनाव आयोग की मंशा, चुनावी कवायदों, मतदाता सूचियों के संशोधन आदि शक के घेरे में क्यों हैं? मौजूदा चुनाव आयोग को 'भाजपापंथी' आरोपित क्यों किया जाता है? क्या चुनाव आयोग इतनी घालमेल कर सकता है कि भाजपा की ही सरकार बने, तो देश के कई राज्यों में कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, झामुमो और वामदलों की सरकारें क्यों और किस आधार पर हैं? ये जवाब विपक्ष नहीं देगा। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदान कराने से पूर्व मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और संशोधन के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। यह कवायद हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले की जाती रही है। विपक्ष की कुछ दलीलें सार्थक हैं कि आयोग बिहार में 2003 के बाद बने मतदाताओं के सत्यापन करना चाहता है और यह संख्या करीब 5 करोड़ है, क्या यह कवायद मात्र 25 दिन में पूरी की जा सकती है? बेशक 98,000 से अधिक बूथ लेवल अफसर घर-घर जाकर डाटा इक_ा करेंगे। इसे नागरिकता की पात्रता का भी साक्ष्य माना गया है। पहले घर-घर जाकर दस्तावेज और निजी डाटा इक_ा करेंगे, फिर उसका संकलन होगा, फिर सूचियां छापी जाएंगी, उस पर किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार को आपत्ति होगी, तो उसका समाधान निकालना पड़ेगा।

विपक्ष के लगभग सभी बड़े नेता जेल में बंद थे। संविधान सभा के दौर में जाएं, तो इन शब्दों पर व्यापक बहस हुई थी। सांसद प्रो. केटी शाह और कामथ सरीखों ने संविधान के अनुच्छेद 1 के तहत इन शब्दों को जोड़ने की मांग की थी। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की दलीलें थीं कि ये शब्द औसत भारतीय की आत्मा में समाए हैं। अनुच्छेद 31 में इन शब्दों का उल्लेख है। नीति निर्देशक तत्त्वों में भी ये शब्द शामिल हैं। इन्हें संविधान की प्रस्तावना में रखने से लोकतंत्र का लचीलापन समाप्त होगा। लोकतंत्र नष्ट भी हो सकता है, लिहाजा वह प्रस्ताव गिर गया और बाबा अंबेडकर ने उन दो शब्दों को प्रस्तावना में नहीं जोड़ा। 1976 के संविधान संशोधन के बाद छह साल भाजपा-एनडीए की वाजपेयी सरकार केंद्र में रही और अब 11 साल से मोदी सरकार मौजूद है। इसके अलावा, 1977-80 के दौरान जनता पार्टी की सत्ता में रही। सवाल है कि ये शब्द क्यों नहीं हटाए गए? जब 2020 में सर्वोच्च अदालत में एक याचिका दाखिल की गई, जिस पर 2024 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने फैसला सुनाया कि इतने लंबे सालों के बाद इन शब्दों से छेड़छाड़ न की जाए।

जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा में हुआ हादसा

जगन्नाथ रथयात्रा हादसा प्रबंधन की भूल का परिणाम

प्रमोद भार्गव

मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर और एसपी विनीत अग्रवाल का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है।

धार्मिक उत्सवों में दुर्घटनाओं का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बैंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाईं थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। गुंडिचा मंदिर के पास घटी यह घटना पूरी तरह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुश्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर और एसपी विनीत अग्रवाल का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। साफ है, प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिए। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती ? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते ? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं। रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़

की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकि उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। क्योंकि उन पर जो घटना के भयावह दृश्य दिखाई देने लगे थे, उनसे निपटने का तात्कालिक कोई उपाय ही संभव नहीं रह गया था। ऐसी लापरवाही और बदइंतजामी सामने आना चकित करती है। दरअसल रथयात्रा में जो भीड़ उमड़ी थी, उसके अवागमन के प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत थी, उसके प्रति घटना से पूर्व सर्तकता बरतने की जरूरत थी ? इसके प्रति प्रबंधन अदूरदर्शी रहा। मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से लेते हैं। जो भारतीय मेलों के परिप्रेक्ष्य में कतई प्रासंगिक नहीं है। क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेश मुहूर्त्त के समय लाखों-करोडों.की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती ? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण, लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। जो इस रथयात्रा में देखने में आई है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता इन्हीं लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया गया था। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ गई और दुर्घटना घट गई। दरअसल दर्शन-लाभ और पूजापाठ जैसे अनुश्ठान अशक्त और अपंग मनुश्य की वैशाखी हैं। जब इंसान सत्य और ईश्वर की खोज करते-करते थक जाता है और किसी परिणाम पर भी नहीं पहुंचता है तो वह पूजापाठों के प्रतीक गढ़कर उसी को सत्य या ईश्वर मानने लगता है। यह मनुश्य की स्वाभाविक कमजोरी है। यथार्थवाद से पलायन अंधविश्वास की जड़ता उत्पन्न करता है। भारतीय समाज में यह कमजोरी बहुत व्यापक और दीर्घकालीक रही है। जब चिंतन मनन की धारा सूख जाती है तो सत्य की खोज मूर्ति पूजा और मुहूर्त्त की षुभ घड़ियों में सिमट जाती है। जब अध्ययन के बाद मौलिक चिंतन का मन-मस्तिश्क में ह्रस हो जाता है तो मानव समुदाय भजन-कीर्तन में लग जाता है। यही हश्र हमारे पथ-प्रदर्शकों का हो गया है। नतीजतन पिछले कुछ समय से सबसे ज्यादा मौतें भगदड़ की घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में उन श्रद्धालुओं की हो रही हैं, जो ईश्वर से खुशहाल जीवन की प्रार्थना करने धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं। मीडिया इसी पूजा-पाठ का नाट्य रूपांतरण करके दिखाता है, यह अलौकिक कलावाद, धार्मिक आस्था के बहाने व्यक्ति को निश्क्रिय व अंधविश्वासी बनाता है। यही भावना मानवीय मसलों को यथास्थिति में बनाए रखने का काम करती है और हम ईश्वरीय अथवा भाग्य आधारित अवधारणा को भाग्य और प्रतिफल व नियति का कारक मानने लग जाते हैं। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है, लेकिन निजी लाभ का लालची मीडिया, लोगों को धर्मभीरू बना रहा है। राजनेता और धर्म की आंतरिक आध्यात्मिकता से अज्ञान बुद्धिजीवी भी धर्म के छद्म का शिकार होते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि पिछले दो दशक के भीतर मंदिर हादसों में लगभग 5000 से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। बावजूद श्रद्धालु हैं कि दर्शन, आस्था, पूजा और भक्ति से यह अर्थ निकालने में लगे हैं कि इनको संपन्न करने से इस जन्म में किए पाप धुल जाएंगे, मोक्ष मिल जाएगा और परलोक भी सुधर जाएगा। गोया, पुनर्जन्म हुआ भी तो श्रेष्ठ वर्ण में होने के साथ आर्थिक रूप से समृद्ध व वैभवशाली होगा। परंतु इस तरह के खोखले दावों का दांव हर मेले में ताश के पत्तों की तरह बिखरता दिखाई दे रहा है। जाहिर है, धार्मिक दुर्घटनाओं से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही है।

देश दुनिया से

कल और आज का बचपन : एक अवलोकन

पहले औद्योगिक क्रांति ने और बाद में प्रौद्योगिक क्रांति ने पूरी दुनिया में अप्रत्याशित बदलाव किए हैं और इन परिवर्तनों से पारिवारिक संस्था अत्यधिक प्रभावित हुई है। भारतीय परिवार संयुक्त प्रणाली/व्यवस्था से एकल या केन्द्रकीय परिवार प्रणाली/व्यवस्था में बदला, लेकिन परिवर्तन तो एक निरंतर प्रक्रिया है। भारतीय पारिवारिक परिप्रेक्ष्य में यह परिवर्तन लगाव/जुड़ाव से अलगाव व बिखराव की ओर हुआ है। परिवार प्रणाली में पीढियों की गहराई थी, अर्थात कम से कम तीन पीढ़ी के लोग एक साथ एक ही छत के नीचे रहते थे, एक ही चूल्हे में पका भोजन करते थे, संपत्ति संयुक्त थी और एक ही इष्ट की संयुक्त पूजा की जाती थी, अर्थात सब कुछ संयुक्त था। आर्थिक व्यवस्था में भी परिवर्तन होते रहे जैसे कृषक व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था में और उससे प्रौद्योगिक व्यवस्था में बदलाव हुआ। जब कृषक समाज था, तब संयुक्त परिवार समय की जरूरत थी, लेकिन फिर कृषक समाज औद्योगिक समाज में परिवर्तित हुआ और फिर यह समाज प्रौद्योगिक समाज में बदला। इसी तरह पारिवारिक व्यवस्थाओं में भी बदलाव होता रहा, जैसे विस्तारित परिवार से संयुक्त परिवार, और फिर केन्द्रकीय परिवार। परिवार में व्यक्तियों को लिंग आधारित/विशिष्ट और उम्र आधारित/विशिष्ट भूमिकाएं सिखाई तथा निभाई जाती थीं। धीरे-धीरे समाज सरल समाज से जटिल समाज में बदल गए। प्रौद्योगिकीय क्रांति से बदलाव/परिवर्तन की गति बहुत तीव्र हुई और इस तीव्र गति से हुए परिवर्तनों का प्रभाव भारतीय समाज की पारिवारिक संस्था पर यह हुआ कि परिवार के आंतरिक सम्बन्धों में बहुत परिवर्तन आया। इस सारे बदलाव के ऊपर आज देवभूमि हिमालयी समाज में चिट्टा जैसे मादक पदार्थों के सेवन ने परिवार की नींव ही हिलाकर रख दी है। नींव का हिलना मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि वर्तमान में हिमाचल में आज की पारिवारिक संरचना ऐसी है जहां परिवार में एक या दो बच्चा का प्रतिमान चलित है। ऐसी स्थिति में जिस परिवार में केवल एक या दो बच्चों का होना है और अगर वह बच्चा नशे की चपेट में आ जाता है, तो पीढ़ी ही लुप्त हो जाएगी। परिणामस्वरूप भारतीय समाज का पारिवारिक जीवन आज एक असहज माहौल से गुजर रहा है। पहले घर में मां-बाप कूटते थे, पीटते थे, स्कूलों में अध्यापक डांट-फटकार देते थे, मेलों-खेलों में, ब्याह-शादियों और त्योहारों में भी हर कोई डांटता-फिरता था, खाते-सोते भी कुछ न कुछ ताने-जलालतें ही मिलतीं.. तुम पढ़ते नहीं, तुमने यह काम नहीं किया, वह काम किया, लकड़ी नहीं लाई, घास नहीं लाया, पानी नहीं भरा, पढ़ाई में अच्छे नंबर नहीं लाए, ये काम नहीं किया, वह काम नहीं किया, शोर मत मचाओ, चुपचाप सो जाओ, ऐसे फरमान कभी भी जारी हो जाते थे। बच्चों में सहन शक्ति थी, जो अब गायब सी लगती है। हालांकि संयुक्त परिवारों में भी नशे का चलन था, साथ ही इन परिवारों की भी अपनी सीमाएं हैं, फिर भी जिंदगी खुशहाल थी। वर्तमान में देखते हैं तो बच्चों के पास सब सुख और सुविधाएं हैं, साधन हैं या यूं कहूं कि मां-बाप ने सब कुछ उपलब्ध कराया है। लेकिन सुविधा में पली-बढ़ी यह पीढ़ी और सुविधाजनक स्थिति की चाह में जीने की सोच पाले हुए है। सुविधा से और सुविधा के लालच में पल रही यह पीढ़ी कभी संतुष्ट नहीं होने वाली स्थिति में जा रही है। यह चिंता का विषय है। आज परिवार व समाज दुष्प्रकार्यात्मक व्यक्तित्व पैदा कर रहा है जिनमें न सब्र है, न सहनशीलता है, न ठहराव है, न गहराई है और न ही सूझबूझ है। उनमें समायोजन की अत्यधिक कमी है। यह एक तरह से सामूहिक सामाजिक आत्महत्या है। प्रसिद्ध समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम अपने सामाजिक सुदृढ़ता के सिद्धांत में समाज की अनिवार्यता और महत्व पर जोर देते हुए कहते हैं कि समाज भी एक तरह से ईश्वरीय स्वरूप है। उनका मानना है कि समाज भी व्यक्ति और समाज की सुदृढ़ता के लिए वैसे ही कार्य करता है, जैसे ईश्वर करता है। उन्होंने कहा है कि अगर समाज नहीं तो व्यक्ति नहीं है क्योंकि व्यक्ति में मनुष्यता समाज से ही आती है। हालांकि सभी एकल परिवारों को असामाजिक नहीं कहा जा सकता। एकल परिवार क्यों बने, उनकी क्या अच्छाइयां हैं, क्या बुराइयां हैं, इस विषय पर सोचने की जरूरत है। वर्तमान में तीव्रता से होते परिवर्तनों ने ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी हैं जहां संतानों का समाजीकरण एक कठिन कार्य हो गया है। 1960-70 के दशकों तक बच्चों का समाजीकरण प्रमुखतः समाजीकरण के सबसे प्रमुख/प्रबल/महत्वपूर्ण अभिकरण यानी परिवार द्वारा किया जाता था। प्रौद्योगिक क्रांति से उन्मुख तीव्र संवेगों से उत्पन्न परिवर्तनों ने समाजीकरण के इस प्रमुख अभिकरण को हाशिए पर धकेल दिया है और इसके स्थान पर 'मीडिया' प्रबल अभिकरण बन कर सामने आया है। आज बच्चे दादा-दादी और मां-बाप से कम या यूं कहें कि बिल्कुल ही नहीं सीखते, बल्कि सब कुछ मीडिया से ही सीख रहे हैं। आज के बच्चों का समय व्यक्तियों (परिवार, पड़ोस, क्रीड़ा समूह) और किताबों के साथ कम बीतता है, जबकि सोशल मीडिया पर ज्यादा। सोशल मीडिया ने उनके समक्ष एक ऐसी दुनिया पेश कर दी है जो यथार्थ से दूर है और बच्चों को काल्पनिक दुनिया में ले जाती है। आज बच्चा तर्क-वितर्क करके मां-बाप से हर बात पर बहस करने लगा है। इस पीढ़ी ने जब तर्क लगाकर बहस शुरू की तो इस पीढ़ी को एक गलतफहमी भी शुरू हो गई कि हमें मां-बाप से ज्यादा समझ है, अक्ल है। बस यहीं से पतन शुरू हो गया, खतरा चालू हो गया। एक समय ऐसा भी आ गया जब परिवार में अंतर्कलह तथा बच्चे के जीवन में प्रौद्योगिकीय प्रवेश व प्रभाव के कारण बच्चा ज्यादातर बाहरी वातावरण या माहौल से प्रभावित हो गया, जबकि परिवार का नियंत्रण कम हो गया है। आज बच्चों को अपने बुजुर्गों से मूल्य, संस्कार, परिश्रम व सहनशीलता सीखने की जरूरत है, जबकि पैरेंटिंग प्रणाली में सुधार करते हुए बुजुर्गों को भी चाहिए कि वे बच्चों से नया तकनीकी ज्ञान ग्रहण करें और जहां आवश्यक हो, उनकी भावनाओं और मजबूरियों को समझते हुए, उन्हें कुछ छूट दें, सवाल पूछने का हक दोनों पक्षों को हो, दोनों पक्ष एक-दूसरे की पीड़ा को समझें और अभिभावक जहां आवश्यक हो, वहां बच्चों को गाइड भी करें। नई तथा पुरानी पीढ़ी में सुंदर समायोजन, संतुलन व समन्वय पैदा किया जाए। मीडिया, चिंतकों, सत्ताधारियों, नीति निर्माताओं, समाज सुधारकों को पहल करनी होगी।

आप का नजरिया

पर्यटन-नई जगह, नई वजह

हिमाचल में पर्यटन अब गिनती में अधिक, गुण में कम होने लगा है। इसके साइड इफेक्ट्स सडक़ से संभावना तक हैं। देश की आर्थिकी में पर्यटन के हिस्से आई संभावना व विकास के कई संकल्प हिमाचल में भी मूर्त रूप ले रहे हैं, तो इसके रास्तों पर अनुभव की तकरार भी सामने आई है। एक ओर क्षेत्रीय पर्यटन की शिनाख्त में उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के सामीप्य में कर्णधार होने का संघर्ष और दूसरी तरफ मंदिर-मेलों के रेले को अनुशासित करने की वजह देखनी होगी। अभी हाल ही में भारतीय टूरिज्म इंडस्ट्री ने 2023 तक 251 करोड़ सैलानी पूरे देश में घुमाए हैं। इन्हीं के बीच पर्यटन का भविष्य-पर्यटन की आर्थिकी, अधोसंरचना, मनोरंजन, विकास और कनेक्टिविटी का आकाश। हम और हमारे आसपास के आधा दर्जन के करीब राज्यों ने 83 करोड़ पर्यटक आकर्षित किए, तो इसमें हमने कहां चूक की और क्या पाया। चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, जे एंड के, लद्दाख और पंजाब तक पहुंचे 83 करोड़ पर्यटकों का दस फीसदी भी अगर हिमाचल से मुखातिब हो गया, तो हमारे इंतजाम इसके शोर शराबे और अफरातफरी में गुम हो जाएंगे। अभी आ रहे सैलानियों की हरकतों के खतरों को ही हम नियंत्रित नहीं कर पा रहे, तो अगले कुछ सालों में क्या होगा। दस साल में अगर आंकड़ा पांच करोड़ सैलानियों तक पहुंच गया, तो मौजूदा दस हजार के करीब होटलों की संख्या पच्चीस हजार करनी पड़ेगी, जबकि होम स्टे तथा हाई-वे सुविधाओं के अलावा पार्किंग के लिए भी पांच गुना वृद्धि करनी पड़ेगी। इस दौरान मांग-आपूर्ति का हिसाब लगाएं, तो विद्युत व पेयजल परियोजनाओं के दायरे भी ढाई गुना बढ़ाने पड़ेंगे, जबकि मौजूदा पर्यटन डेस्टिनेशन में क्षमता विस्तार की योजनाएं बनानी पड़ेंगी। इस दिशा में प्रशासनिक व पुलिस का ढांचा और ढर्रा बदलना पड़ेगा, जबकि प्रदेश में डेस्टिनेशन तक कानून-व्यवस्था के हिसाब से रात-दिन पुलिस पैट्रोलिंग सुनिश्चित करनी पड़ेगी। जाहिर है पर्यटन को नई जगह, नए कारणों और नई सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सकता है। इसके लिए कई परियोजनाएं भले ही बन जाएं, लेकिन सही के लिए सही आचरण चाहिए। एक तहजीब हमारे हिस्से के पर्यटन में वांछित है। यह तहजीब हमारे प्रबंधन के चरित्र, विस्तार की भाषा और आगमन की राह पर सतर्कता से पैदा होगी। हमें अगले दस साल के सफर को छोटी-छोटी इकाइयों में बांटना होगा यानी हमें व्यापक स्तर पर ग्रामीण पर्यटन पर काम करते हुए मनरेगा पर्यटन की कुशल भूमिका में दिशा निर्देशन करना होगा। इसके लिए सर्वप्रथम पेरिफरल इलाकों यानी सिरमौर, ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर व कांगड़ा जिलों की सीमांत परिधि को महापर्यटन की फटाफट संस्कृति का ठहराव बनाना होगा। उदाहरण के लिए पौंग, गोबिंदसागर, कोलडैम के अलावा अगर कृत्रिम झीलों से हिमाचल के सीमांत क्षेत्र को महापर्यटन की सुविधाएं प्रदान हों, तो बढ़ते आंकड़े यही दस्तक देकर लौट जाएंगे। यहां 'बजट पर्यटन' के पैमाने लबालब करने होंगे। इसके बाद धार्मिक पर्यटन के दायरे में एक दर्जन मंदिर परिसरों को धार्मिक नगरियों के रूप में पांच से दस किलोमीटर के विस्तार में महापर्यटन का ठिकाना बनाना होगा। हिमाचल को तीसरे प्रारूप में आधुनिक भारत, विज्ञान व नालेज का भारत व जिज्ञासु छात्रों की उम्मीदों से परिपूर्ण साइंस सिटी, बोटैनिकल गार्डन, फासिल पार्क, खेल पर्यटन तथा समर कैंप साइट्स के विकास से पर्यटन को आयोजित करना होगा। प्रदेश के स्थानीय निकायों, प्रत्येक विभाग, बोर्ड तथा निगमों को पर्यटन इकाई के रूप में भी काम करना होगा। हर विभाग में 'पर्यटन विंग' की स्थापना करके ही समग्र दृष्टि से पर्यटन उद्योग का उत्थान होगा। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटक गांव की अवधारणा में विभिन्न विभागों के सामान्य बजटीय प्रावधानों से चंद वर्षों में थीम आधारित कई पर्यटक गांव चिन्हित होंगे तथा इसके साथ ग्रामीण आर्थिकी, हाट बाजार, लोक गीत-संगीत, स्थानीय पकवान तथा हस्तशिल्प को भी पनपने का मौका मिलेगा।

हम और हमारे आसपास के आधा दर्जन के करीब राज्यों ने 83 करोड़ पर्यटक आकर्षित किए, तो इसमें हमने कहां चूक की और क्या पाया। चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, जे एंड के, लद्दाख और पंजाब तक पहुंचे 83 करोड़ पर्यटकों का दस फीसदी भी अगर हिमाचल से मुखातिब हो गया, तो हमारे इंतजाम इसके शोर शराबे और अफरातफरी में गुम हो जाएंगे। अभी आ रहे सैलानियों की हरकतों के खतरों को ही हम नियंत्रित नहीं कर पा रहे, तो अगले कुछ सालों में क्या होगा।

कुछ अलग

दीवारों पर

अब वो टेढ़ी लाइनें नहीं दिखतीं
बिस्तर की चादर में
उड़ता सुपरमैन नहीं है
जूते भी करीने से रखे हैं अब
लॉन में गमलों का विकेट नहीं है
पड़ोसन की कोई शिकायत नहीं आती
दादी भी अब सताई नहीं जाती
न रिमोट की अब लड़ाई होती है
न मैथ टेस्ट की कोई कॉपी खोती है
बस
गर्मी की धूप में सूखता अचार नहीं दिखता
और
इतवार की शाम ये घर बात नहीं करता।

दृष्टि कोण

नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

यकीनन इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाक संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है। लेकिन अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऐसे में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों के शक्ति संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निःसंदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बना सकती है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि

पिछले दिनों दुनिया को हिलाने वाले इजराइल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभरकर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं गिरा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में रखा है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इजराइल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में महंगाई घटी रही। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत है और थोक महंगाई दर महज 0.39 फीसदी ही है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। जहां युद्ध की चुनौती के बीच दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न के मूल्य बढ़ गए, वहीं भारत खाद्यान्न के मोर्चे पर अत्यधिक मजबूत है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरत आपूर्ति के गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है। इतना ही नहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2024-25 के लिए कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 फीसदी बढक़र 35.39 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। भारत के निर्यात आदेश भी बढ़े। इस समय भारत के पास 699 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा।

विदेश मंत्री का आह्वान- नेपाल जैसे हिमालयी देशों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय विशेष ध्यान दे

काठमांडू, 01 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नेपाल और इसी तरह की स्थलाकृति वाले देशों के लिए टिकाऊ कृषि प्रणालियों के साथ-साथ हिमालयी क्षेत्र के लिए जलवायु वित्त का समर्थन करने का आह्वान किया है। उन्होंने नेपाल के लिए अनुदान-आधारित अंतर्राष्ट्रीय जलवायु वित्त सुनिश्चित करने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से पीड़ित विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान होना चाहिए। रोम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की 44वीं महासभा में सोमवार को मंत्री राणा ने कहा, जलवायु संकट के कारण नेपाल का पहाड़ी क्षेत्र और नेपाल जैसे देश सबसे अधिक असुरक्षित हैं। हालांकि, जलवायु वित्त और अनुकूलन प्रयासों में इन क्षेत्रों की उपेक्षा की गई है। यह आवश्यक है कि इस मुद्दे पर सभी चिंतित लोग इस पर ध्यान दें। उन्होंने उल्लेख किया कि नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 23 प्रतिशत है और लगभग दो-तिहाई आबादी कृषि पर निर्भर करती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा, पोषण, गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास में कृषि की भूमिका महत्वपूर्ण है। मंत्री डॉ. राणा ने कहा कि 2030 तक भूखमरी से मुक्त दुनिया बनाने का लक्ष्य अभी भी अधूरा है और महामारी, जलवायु संकट, आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों द्वारा चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा कि टिकाऊ और लचीला पर्वतीय कृषि संवर्धन न केवल हमारी आजीविका के लिए आवश्यक है बल्कि ग्रह की जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और पृथ्वी के पारिस्थितिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री डा. राणा ने कहा किनहम किसानों की प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों तक पहुंच का विस्तार करने के लिए सहयोग चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बढ़ते जलवायु जोखिमों के संदर्भ में, हम टिकाऊ पर्वतीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए एफ. ए. ओ. के साथ मजबूत सहयोग की उम्मीद करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने चेक पोस्ट पर किया हमला, लेवी जवान तमाशा देखते रहे, पांच बर्खास्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के निकट उत्तर पश्चिमी बलूचिस्तान के नोशकी जिले में एक चेक पोस्ट पर हुए आतंकवादी हमले के दौरान लेवी जवान तमाशबीन बने रहे। इनमें से पांच को अपने कर्तव्यों का पालन न करने के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, यह हमला पिछले सप्ताह हुआ था। आतंकवादियों ने किशिंगी चेक पोस्ट पर कब्जा करने के लिए स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया। पोस्ट पर कब्जा करने के बाद उन्होंने जवानों के हथियार और उपकरण छीन लिए। मौके से भागने से पहले लेवी के वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने कहा है कि चेक पोस्ट पर तैनात लेवी जवान आतंकवादियों के हमले के दौरान प्रतिरोध करने में विफल रहे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में लेवी कर्मचारियों को दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सीमा शुल्क संग्रह करने के लिए तैनात किया जाता है। यह जवान पुलिस की पहुंच से दूर सीमावर्ती जिलों और आदिवासी क्षेत्रों में पदस्थ किए जाते हैं। लेवी जवान खतरनाक और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं।

अंगोला के राष्ट्रपति ने अफ्रीका के बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए वैश्विक वित्तीय सुधारों की उठाई मांग

लुआंडा/सेविले। अंगोला के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष जोआओ लोरेन्सो ने सोमवार को वैश्विक वित्तीय प्रणाली में तत्काल सुधारों की मांग करते हुए अफ्रीका में बुनियादी ढांचे के लिए मजबूत निवेश समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कर्ज के भारी बोझ के कारण महाद्वीप का विकास थम गया है। स्पेन के सेविले शहर में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त सम्मेलन (एफएफडी4) में लोरेन्सो ने कहा, संप्रभु कर्ज स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों से भी अधिक संसाधन निगल रहा है। इससे अफ्रीकी देशों की विकास क्षमता और सतत विकास लक्ष्यों व एजेंडा 2063 की प्राप्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। राष्ट्रपति लोरेन्सो ने कहा कि अफ्रीका को विकास के लिए ठोस आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकता है, जिनमें भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति, बेहतर सड़कों और मजबूत टेलीकॉम नेटवर्क शामिल हैं। ये सभी व्यापार, उद्योग, कृषि और रोजगार सृजन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि महाद्वीप की अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं के लिए ऐसे वित्तीय मॉडल विकसित किए जाने चाहिए जो अफ्रीका की वास्तविकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप हों। लोरेन्सो ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक वित्तीय निर्णय-प्रक्रियाओं में कमजोर और विकासशील देशों की आवाज को अधिक महत्व दिया जाए।

यहूदी और इजरायली छात्रों के साथ गलत व्यवहार, हार्वर्ड की वित्तीय मदद रोकने की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को सूचित किया कि उसकी जांच में सामने आया है कि विश्वविद्यालय ने यहूदी और इजरायली छात्रों के साथ व्यवहार में संघीय नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन किया है। एक रिपोर्ट में हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर को भेजे पत्र का हवाला दिया गया है कि यदि फौरान पर्याप्त परिवर्तन नहीं हुए तब सभी वित्तीय संसाधन रोक दिए जाएंगे और इसका संघीय सरकार के साथ हार्वर्ड के संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह हार्वर्ड सहित देश के अन्य विश्वविद्यालयों में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उनके विचार में यह विश्वविद्यालय वामपंथी विचारों द्वारा कब्जा किए गए हैं और यहूदी-विरोध के गढ़ बन गए हैं। फेडरेल टास्क फोर्स ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष को एक पत्र भेजा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इजरायल और गाजा के युद्ध के दौरान यूनिवर्सिटी छात्रों के अधिकारों की सुरक्षा करने में विफल रही है। टास्क फोर्स के अनुसार, हार्वर्ड कुछ मामलों में जानबूझकर यहूदी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के विरोध हो रहे उत्पीड़न में भागीदार रहा है। यहूदी और इजरायली छात्रों को तंग किया गया। विरोध के डर से उन्हें अपनी पहचान तक छिपाने पड़ी। हार्वर्ड ने किया इंकार हालांकि, हार्वर्ड ने सरकार के इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। हार्वर्ड का कहना है कि विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ से उचित कदम उठाए गए हैं।

इराक के किरकुक इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रॉकेट हमला, भीषण विस्फोट

बगदाद, 01 जुलाई (एजेंसियां)।

इराक का किरकुक शहर भीषण विस्फोट की आवाज से दहल गया। उत्तरी इराक स्थित किरकुक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सैन्य खंड पर दो रॉकेट गिरे हैं। इनमें एक से दो सुरक्षा कर्मचारियों के घायल होने की बात कही जा रही है। तीसरा रॉकेट शहर में एक घर पर गिरा है। अभी तक किसी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है।

ईरान की मेहर और तुर्किये की अनादोलु न्यूज एजेंसी ने इराक की समाचार एजेंसी आईएनए के हवाले से किरकुक में हमले की जानकारी दी है। आईएनए के अनुसार, एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि सोमवार देररात किरकुक एयरपोर्ट पर तीन (रॉकेट) प्रक्षेपास्त्र दागे गए।

बताया गया है कि इस हमले में एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। स्थानीय समयानुसार रात 11.30 बजे (2030 जीएमटी) दो रॉकेट हवाई अड्डे के सैन्य खंड और एक नागरिक क्षेत्र में गिरा। इससे सैन्य क्षेत्र से सटे एक गेट के पास झाड़ियों में आग लग गई। अग्निशमन विभाग ने आग को तुरंत बुझा दिया। रन-वे या हवाई अड्डे की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

अधिकारियों के बयान में कहा गया कि हवाई अड्डे के सभी घटक पूरी तरह से चालू हैं। किरकुक ऑपरेशन कमांड के सुरक्षा बलों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और हवाई अड्डे के चारों ओर कर्मियों को तैनात किया। बयान के अनुसार, उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कोई खतरा नहीं है और इस घटना से निर्धारित उड़ानों में कोई बाधा नहीं आएगी। इससे पहले, एक इराकी सुरक्षा सूत्र ने कहा कि इराक के किरकुक एयरबेस और एक नागरिक घर पर दो रॉकेट गिरे, लेकिन कोई हताहत या भौतिक क्षति नहीं हुई।

उल्लेखनीय है कि इस एयरपोर्ट को आधिकारिक तौर पर 16 अक्टूबर 2022 को नागरिकों के लिए खोला गया। 2003 से इसका उपयोग अमेरिकी वायुसेना सैन्य हवाई अड्डे के रूप में कर रही थी। इसे नवंबर 2011 में इराकी सेना को वापस किया गया था।

मध्य पूर्व के रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इराक लंबे समय से ड्रोन और रॉकेट हमलों का युद्धक्षेत्र रहा है। यही नहीं, इराक छद्म युद्धों के लिए उपजाऊ जमीन भी साबित हुआ है। दशकों के विनाशकारी संघर्ष और उथल-पुथल के बाद हाल ही में इसने स्थिरता की झलक हासिल की है।

पिछले हफ्ते 12 दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध को समाप्त करने वाले युद्धविराम से कुछ घंटे पहले अज्ञात ड्रोन ने बगदाद और दक्षिणी इराक में दो सैन्य ठिकानों पर रडार सिस्टम पर हमला किया था। यह हमला किसने किया, उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। इराक सरकार ने कहा कि उसने ड्रोन हमलों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन उसने अभी तक किसी भी अपराधी की पहचान नहीं की है।

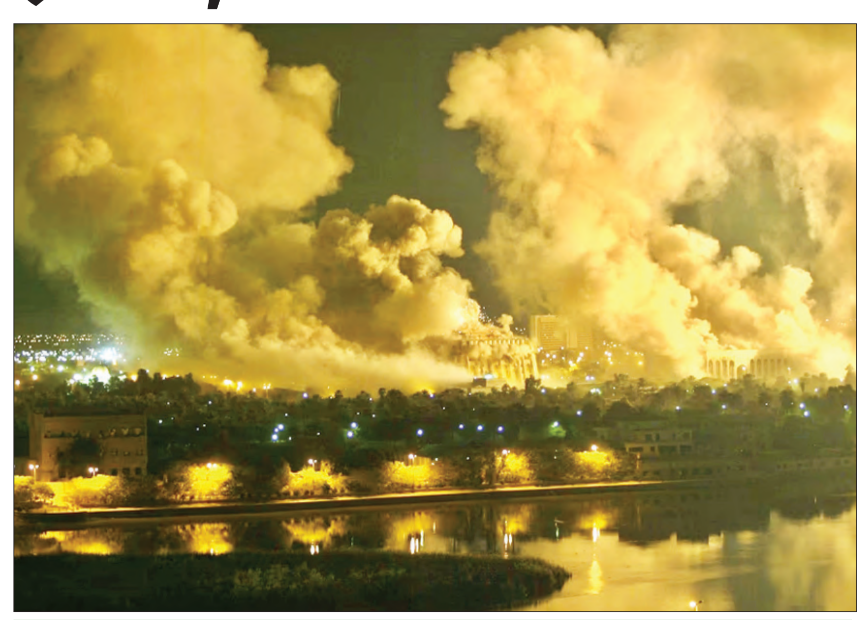

एलन को अपनी दुकान बंद कर वापस घर लौटने की ट्रंप ने दी धमकी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारों में एलन मस्क को धमकी दी है और कहा है कि उन्हें अपनी दुकान बंद करनी पड़ सकती है। चुनाव के बाद अमेरिकी प्रशासन में अहम जिम्मेदारी संभालने के बाद ट्रंप और मस्क के बीच रिश्ते में दरार आ गई हैं। इसकी वजह ईवी यानी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को लेकर नीति बताई जा रही है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- राष्ट्रपति के तौर पर मेरा प्रचार करने से पहले एलन मस्क जानते थे कि मैं ईवी मेन्डेट के सख्त खिलाफ हूं। यह बकवास है और हमेशा मेरे प्रचार अभियान का हिस्सा था। इलेक्ट्रिक कार ठीक हैं, लेकिन सभी को खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। एलन मस्क को इतिहास में किसी से भी ज्यादा सब्सिडी मिल सकती थी और बगैर सब्सिडी के मस्क को शायद अपनी दुकान बंद कर घर लौटना पड़ सकता है। उन्होंने आगे लिखा- कोई रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट्स या इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन नहीं और हमारे देश का काफी पैसा बचेगा। शायद डॉज को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहुत पैसा बचेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को दी धमकी, बोले

सब्सिडी कटौती की तो लौटना पड़ेगा दक्षिण अफ्रीका

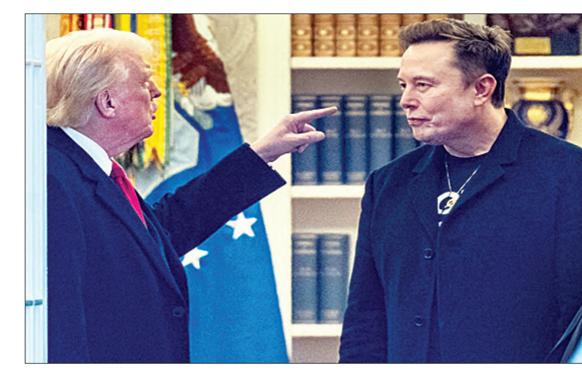

वाशिंगटन, 01 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क एक-दूसरे के काफी करीब थे, लेकिन आज उन दोनों में विवाद बढ़ता ही जा रहा है। यूएस के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर एलन मस्क को सब्सिडी कटौती की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका वापस लौटना पड़ सकता है।जब से एलन मस्क ने वन बिग ब्यूटीफुल बिल का विरोध जताया है तब से डोनाल्ड ट्रंप भी उनके खिलाफ आक्रामक नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा, मुझे राष्ट्रपति पद के लिए सपोर्ट करने से बहुत पहले ही एलन मस्क को पता था कि मैं ईवी जनादेश के सख्त खिलाफ हूं। यह हास्यास्पद है और हमेशा मेरे कैंपेन का एक प्रमुख हिस्सा रहा है। इलेक्ट्रिक कारें ठीक हैं, लेकिन हर किसी को एक ईवी कार खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को धमकी देते हुए कहा,एलन मस्क को इतिहास में किसी अन्य इंसान से कहीं ज्यादा सब्सिडी मिल सकती है। अगर सब्सिडी नहीं मिली तो एलन को शायद अपनी दुकान बंद करनी होगी और दक्षिण अफ्रीका वापस लौटना होगा। बिना सब्सिडी के कोई और रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट या इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन संभव नहीं होगा। साथ ही उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डॉज) के कामकाज की जांच करने की बात की। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद एलन मस्क को यह डिपार्टमेंट सौंपा गया था।आपको बता दें कि इससे पहले दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर कहा कि अगर यह विधेयक सीनेट में पास हुआ तो वे अगले ही दिन एक नई पार्टी बनाएंगे। उस पार्टी का नाम अमेरिकन पार्टी होगा। इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने पलटवार करते हुए जवाब दिया है और वापस दक्षिण अफ्रीका लौटने की बात कही, जहां के एलन मस्क मूल निवासी हैं।

वजीरिस्तान में हुए हमले के बाद पाकिस्तान ने बंद की अफगानिस्तान सीमा

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगने वाली प्रमुख सीमा को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सीनियर सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा गुलाम खान को बंद कर दिया गया है। बता दें उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हुए थे। अंतरिम अफगान सरकार के सीमा बलों के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने सीमा बंद किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस कदम के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। फारूकी ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने क्रॉसिंग पर वाहनों को केवल वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है।

थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न सस्पेंड लीक कॉल मामले में कार्रवाई

बैंकॉक, 01 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा को निलंबित कर दिया। यह फैसला उस याचिका को स्वीकार करने के बाद आया है, जिसमें एक लीक हुई फोन कॉल के चलते उन्हें पद से हटाने की मांग की गई थी। यह कॉल कम्बोडिया के सीमा मुद्दों को लेकर थी।न्यायाधीशों की एक पीठ ने सर्वसम्मति से याचिका को स्वीकार किया और कहा कि अंतिम निर्णय आने तक प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न को तत्काल प्रभाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन रोकना होगा।अदालत ने कहा कि गंभीर और अपूरणीय क्षति से बचने के लिए अस्थायी उपाय किए जा रहे हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश मामलों और वित्त से संबंधित सभी कार्यों और शक्तियों के उपयोग से तब तक रोक दिया गया है जब तक अंतिम फैसला नहीं आ जाता।यह कदम ऐसे समय पर आया है, जब पिछले महीने कुछ सीनेटरों ने आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी कि पैटोंगटार्न ने कम्बोडियाई सीनेट अध्यक्ष समदेक टेचो हुन सेन से हुई एक टेलीफोन बातचीत के दौरान नैतिक मानकों का गंभीर उल्लंघन किया और संविधान का उल्लंघन किया।इसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया। पिछले सप्ताह हजारों प्रदर्शनकारी बैंकॉक की सड़कों पर उतरे और प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग की।कोर्ट के फैसले के बाद पैटोंगटार्न ने कहा कि वह अदालत के फैसले को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करती हैं और 15 दिनों के भीतर अदालत को अपना स्पष्टीकरण देंगी।स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उपप्रधानमंत्री सुरिया जुआंगरुंगरुआंगकित कार्यवाहक प्रधानमंत्री की भूमिका निभाएंगे और गुरुवार को नए कैबिनेट सदस्यों के साथ शपथ लेंगे।इस बीच, थाई राजा महा वजिरालोंगकोर्न ने पैटोंगटार्न द्वारा पहले प्रस्तावित कैबिनेट फेरबदल को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय मंगलवार को अदालत के फैसले से पहले उस समय लिया गया जब सत्तारूढ़ गठबंधन की एक प्रमुख पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया।

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने शुरू किया अपना खास मिशन

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपना खास मिशन शुरू किया है जो बायोमेडिकल मिशन है। वे पहले अंतरिक्ष यात्री हैं, जिन्होंने इन-ऑर्बिट प्रयोग कर रहे हैं। 'एसएचयूएक्स ' नाम से अंतरिक्ष में मशहूर हुए शुभांशु शुक्ला ने मिशन की शुरुआत माइक्रोग्रैविटी में मांसपेशियों की परेशानियों के एक महत्वपूर्ण अध्ययन पर काम शुरू किया है, ये एक ऐसा ऐसा मुद्दा है, जिसने अंतरिक्ष चिकित्सा को लंबे समय से चुनौती दी है। शुक्ला के मिशन का मुख्य विषय मायोजेनेसिस प्रयोग है, जिसे आईएसएस के लाइफ साइंसेज ग्लोवबॉक्स के अंदर आयोजित किया गया है।इस शोध का उद्देश्य यह पता लगाना है कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान की परिस्थितियां इंसान के मांसपेशियों के विकास और कार्य को कैसे बाधित करती हैं। 3 डी कंकाल मांसपेशी ऊतक चिप्स का उपयोग करते हुए, इसका अध्ययन मांसपेशी कोशिकाओं पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव को दिखाता है, जिससे कई तरह के परिवर्तन सामने आते हैं। बता दें कि अंतरिक्ष में रहते हुए एक इंसान की मांसपेशी फाइबर 25.8 प्रतिशत पतले और 23.7 प्रतिशत छोटे हो जाते हैं, साथ ही उसकी शक्ति में भी 66.3 प्रतिशत की गिरावट आती है। इसरो के अधिकारियों ने पहले कहा था, इस शोध से कई तरह की चिकित्सीय परिणामों का पता चल सकता है।

इस शोध के लिए चेूऊ1 और चेूत्र का प्रयोग किया गया है, जो मांसपेशी कोशिका वृद्धि और इसकी मरम्मत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस शोध से मिली जानकारी अंतरिक्ष यात्रियों को लंबी अवधि के मिशन के दौरान मांसपेशियों की ताकत बनाए रखने में मदद कर सकती है और पृथ्वी पर लौटने के बाद उनकी मांसपेशियों को पहुंचे नुकसान और उसके मूवमेंट में आई कमी के उपचार की जानकारी दे सकती है।इसके अलावा, एक और बेहतरीन परियोजना है फोटोनग्रैव, जो मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफ़ेस हेडसेट का उपयोग करके मस्तिष्क रक्त प्रवाह के माध्यम से तंत्रिका गतिविधि को ट्रैक करती है। यह शोध विचार-नियंत्रित अंतरिक्ष यान प्रणालियों की संभावना का पता लगाता है और स्ट्रोक से बचने के लिए अंतरिक्ष से आए लोगों को जिनका घूमना फिरना कम होता है उनके लिए न्यूरोरिहैबिलिटेशन थेरेपी में सहायता कर सकता है।अंतरिक्ष मिशन एक्स-4 में भारत की भागीदारी एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा है, जिसमें 31 देशों के 60 से अधिक प्रयोग किए जाने हैं। इसरो के माध्यम से भारत ने मिशन में सात तरह के शोध करने की बात कही है। इन अध्ययनों में भारत की तरफ से शुभांशु शुक्ला की भूमिका मानव अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने वाला है, जो अंतरिक्ष में रहने के बाद स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के लिए बेहद जरूरी है। शुभांशु शुक्ला का आईएसएस पर काम न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष में जीवित रहने के तरीके को बेहतर आयाम दे सकता है, बल्कि उनके पृथ्वी पर लौटने के बाद की स्वास्थ्य परिस्थितियों के लिए भी अहम साबित हो सकता है। शुक्ला का मिशन, निजी तौर पर संचालित एक्सिओम-4 (एक्स-4) अंतरिक्ष उड़ान का हिस्सा है, जिसमें कई तरह के प्रयोग शामिल हैं, जिसमें टेलीमेट्रिक हेल्थ एआई पर आधारित अल्ट्रासाउंड स्कैन को बायोमेट्रिक डेटा के साथ जोड़ना, ताकि वास्तविक समय में हृदय और संतुलन प्रणालियों की निगरानी की जा सके।

हीरो मोटर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

कंपनी ने 1,200 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए फिर से दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। ऑटो कंपोनेंट निर्माता हीरो मोटर्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। इससे आईपीओ का आकार 900 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,200 करोड़ रुपये हो गया है।

पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक हीरो मोटर्स का 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 400 करोड़ रुपये तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) की गई है। ओएफएस में ओपी मुंजाल होल्डिंग्स के 390 करोड़ रुपये के शेयर और भाग्योदय इन्वेस्टमेंट्स और हीरो साइकिल्स के 5-5 करोड़ रुपये के शेयर शामिल हैं।

आईपीओ दस्तावेज के मुताबिक हीरो मोटर्स कंपनी का यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए किया जा रहा है, जिसमें ऑफर का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध नहीं होगा और गैर-संस्थागत बोलीदाताओं और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटन के लिए क्रमशः 15 फीसदी और 35 फीसदी से कम उपलब्ध नहीं होगा।

ऑटो कंपोनेंट निर्माता हीरो मोटर्स शेयरों के नए निर्गम से प्राप्त राशि 285 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी के कुछ बकाया उधारों को चुकता करने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही 237 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी के गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश सुविधा की क्षमता में विस्तार के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद के माध्यम से पूंजीगत व्यय के लिए अज्ञात अधिग्रहणों और अन्य रणनीतिक पहलों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के जरिए अकार्बनिक विकास को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा।

हीरो मोटर्स भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है। यह कंपनी इंजन और ट्रांसमिशन कंपोनेंट, विशेष रूप से दोपहिया वाहनों के लिए बनाती है।

न्यूज ब्रीफ

लगातार चौथे महीने सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर, भाव में 58.50 रुपये की कटौती

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर को सस्ता कर दिया। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के गैस सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गैस की कीमत तय करने के लिए हर महीने की शुरुआत में होने वाले रिवीजन के बाद कॉमर्शियल गैस की कीमतों में 58.50 रुपये प्रति सिलेंडर तक की कमी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने लगातार चौथे महीने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की है। कीमत में की गई कटौती के बाद अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर के लिए 1,665 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा, जबकि जून में इसकी कीमत 1,723.50 रुपये थी। वहीं मई में इसके लिए 1,747.50 रुपये, अप्रैल के महीने में इस सिलेंडर के लिए 1,762 रुपये और उसके पहले मार्च के महीने में 1,803 रुपये का भुगतान करना पड़ता था। इस तरह मार्च के बाद अभी तक 19 किलो वाले एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में 138 रुपये की कटौती हो चुकी है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में की गई कटौती के बाद अब कोलकाता में इसकी कीमत 1,826 रुपये से घट कर 1,769 रुपये हो गई है। इसी तरह मुंबई में से ये सिलेंडर 1,674.50 रुपये की जगह 1,616 रुपये के भाव पर मिल रहा है। वहीं चेन्नई में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1,881 रुपये से कम होकर 1,823.50 रुपये हो गई है। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीने से कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में लगातार कटौती की जा रही है। इसके पहले अप्रैल, मई और जून के महीने में भी 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में कटौती की गई थी। मौजूदा वित्तीय वर्ष में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में अप्रैल के महीने में 41 रुपये प्रति सिलेंडर, मई के महीने में 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर और जून के महीने में 24 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई। हालांकि अप्रैल के पहले मार्च में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में 6 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

नवरत्न कंपनी बीईएल को मिला 528 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के स्टॉक्स में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। बीईएल के शेयर मंगलवार को बीएसई में 3 फीसदी से अधिक चढ़कर 436 रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जिसके साथ ही नवरत्न कंपनी के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। यह तेजी तब आई जब कंपनी को 528 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिलने की खबर सामने आई। इस अपडेट ने निवेशकों के भरोसे और उत्साह को बढ़ा दिया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेडको मिले इस ताजा ऑर्डर में कई अत्याधुनिक रक्षा और रणनीतिक उपकरण शामिल हैं। इन उपकरणों में रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम्स, जैमर्स, शेल्टर्स, कंट्रोल सेंटर्स, स्पेयर्स, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन्स संबंधित सेवाएं शामिल हैं। इससे पहले भी कंपनी को 585 करोड़ रुपये और 537 करोड़ रुपये के अन्य रक्षा उपकरणों और सिस्टम्स से जुड़े ऑर्डर मिल चुके हैं, जो इसकी लगातार बढ़ती ऑर्डर बुक को बताता है।

असम ने अब तक की सर्वाधिक सात लाख मीट्रिक टन धान खरीदीः हिमंत

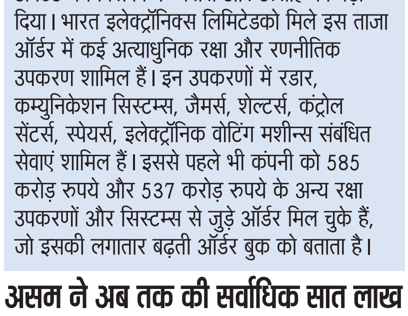

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य ने अब तक की सर्वाधिक करीब सात लाख मीट्रिक टन धान खरीद है जो पिछले साल की तुलना में दो गुना से अधिक है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, हमें 6.97 लाख मीट्रिक टन की रिकॉर्ड धान खरीद के साथ खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2024-25 के सफल समापन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। धान खरीद अब तक की सर्वाधिक रही। राज्य ने खरीफ विपणन सत्र 2023-24 के दौरान सिर्फ 3.14 लाख मीट्रिक टन की खरीद की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ विपणन सत्र 2022-23 में धान की खरीद 5.92 लाख मीट्रिक टन हुई थी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। **ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सांकेतिक गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।**

अमेरिका की कई देशों के साथ ट्रेड डील को लेकर सहमति बन जाने का संकेत मिलने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में सकारात्मक माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,204.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,369.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 44,080.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,760.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.33 प्रतिशत टूट कर 7,665.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 123.61 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,909.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। एशियाई बाजारों में से इकलौता निक्केई इंडेक्स 454.27 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,033.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,655.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.79 प्रतिशत उछल कर 3,995.62 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 323.27 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,579.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.34 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,112.88 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,451.69 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत उछल कर 1,090.15 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 6,930.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बजाज ऑटो की बिक्री जून में बढ़कर 3,60,806 इकाई रही

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। बजाज ऑटो की निर्यात सहित कुल बिक्री जून में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 3,60,806 इकाई हो गई। पुणे स्थित मोटर वाहन विनिर्माण कंपनी ने जून 2024 में कुल 3,58,477 वाहनों की बिक्री दर्ज की थी। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वाणिज्यिक वाहनों सहित कुल घरेलू बिक्री पिछले महीने 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,88,460 इकाई रही, जबकि जून 2024 में यह 2,16,451 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 1,72,346 वाहन हो गया, जबकि जून 2024 में यह 1,42,026 इकाई रहा था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज में नई तेजी की उम्मीद, सोलर बिज़नेस से बदलेगा खेल

नई दिल्ली। घरेलू ब्रोकरेज फर्म नुवेमा इंस्टीटयूशनल इक्विटीज ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरनआइएल) के शेयर पर अपना दृष्टिकोण और अधिक बुलिश करते हुए इसका टारगेट प्राइस 1,801 रुपए तय किया है। यह लक्ष्य मौजूदा कीमत 1,500.65 रुपए से लगभग 20 फीसदी अधिक है और फिलहाल दलाल स्ट्रीट पर सबसे ऊंचा टारगेट है। नुवेमा का यह अपग्रेड रिलायंस के न्यू इनर्जी बिज़नेस, विशेषकर हाई-एफिशिएंसी सोलर मॉड्यूल की बिक्री शुरू होने के आधार पर किया गया है। कंपनी ने हाल ही में शेयर में 20 फीसदी तक उछाल की संभावना हिटेरोजंक्शन टेक्नोलॉजी पर आधारित सोलर मॉड्यूल बाजार में उतारे हैं, जिनकी एफिशिएंसी 23.1 फीसदी है और इन्हें एमएनआरई की एप्रूव्ड लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। इन मॉड्यूल्स को टापकॉन जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में लगभग 5 फीसदी अधिक प्रीमियम मिल रहा है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि रिलायंस की 2026 तक चालू होने वाली 10जीडब्ल्यू सोलर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता कंपनी के मुनाफे में 3,800 करोड़ रुपए तक की बढ़ोतरी कर सकती है, जो वित्त वर्ष 25 की कमाई का करीब 6 फीसदी होगा।

कोल इंडिया, हिंदुस्तान कॉपर के साथ खनिज क्षेत्र में करेंगे काम

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए हिंदुस्तान कॉपर के साथ एक समझौता किया है। सीआईएल ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दोनों कंपनियों ने तांबा और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में विभिन्न पहलुओं पर सहयोग के लिए सोमवार को गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इससे पहले सीआईएल और आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड ने महत्वपूर्ण खनिजों के विकास पर सहयोग एवं सहभागिता के लिए एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य खनिज रेत और दुर्लभ खनिजों सहित महत्वपूर्ण खनिजों की परस्पर सहमत परिसंपत्तियों का विकास करना है। सीआईएल की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। दोनों ने गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी तत्व जैसे खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कच्चे माल हैं।

सीतारमण ने स्पेन के एफएफडी4 शिखर सम्मेलन में भारत के सुधारों, निवेश अवसरों पर दिया जोर

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण इस समय स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक दौर पर हैं। उन्होंने मंगलवार को स्पेन के सेविले में विकास के लिए वित्तपोषण पर संयुक्त राष्ट्र के चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एफएफडी4) में भारत के सुधारों और निवेश अवसरों पर प्रकाश डाला।

सेविले में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के शिखर सम्मेलन में निर्मला सीतारमण ने सतत विकास के लिए निजी पूंजी जुटाने की जोरदार वकालत की। इस शिखर सम्मेलन का विषय एफएफडी4 के परिणाम से कार्यान्वयन तक: अनवरत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता का दोहन है। उन्होंने जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्री रीम अलाबली-राडोवन से मुलाकात की। सीतारमण ने हाल ही में संघीय मंत्री के तौर पर अलाबली-राडोवन की नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने भारत-जर्मनी हरित एवं सतत विकास साझेदारी के तहत सहयोग के विभिन्न पारस्परिक क्षेत्रों पर चर्चा की, जिसमें हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी गतिशीलता एवं सतत शहरी विकास; तथा पारिस्थितिकी के माध्यम से सतत आजीविका शामिल हैं।

जर्मन की संघीय आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्री रीम अलाबली-राडोवन ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की आशा व्यक्त की तथा कहा कि जर्मनी भारत के साथ अधिक सहयोग करना चाहेगा। इस मुलाकात के दोनों नेताओं ने फिनटेक, व्यापार, निवेश, खनन और रक्षा के साथ-साथ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, विशेष रूप से रेलवे में सहयोग की संभावनाओं पर गहन रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की।

इससे पहले वित्त मंत्री ने सेविले में पेरू के विदेश मंत्री एल्मर शियालर साल्सेडो से मुलाकात की। सीतारमण ने इस मुलाकात के दौरान रेल संपर्क बनाने और रोलिंग स्टॉक के निर्माण में भारत की विशेषज्ञता पर प्रकाश डाला। साल्सेडो ने कहा कि वह पेरू में विकसित किए जा रहे तीन रेल संपर्कों के लिए अंतरराष्ट्रीय बोलियों में भारत की भागीदारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने पेरू को निर्यात में विविधता लाने में भारत की रुचि को साझा किया। उन्होंने विशेष रूप से ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, वस्त्र, इंजीनियरिंग सामान और आईटी सेवाओं और पेरू से तांबा और लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के आयात को महत्व दिया, जो भारत के ऊर्जा परिवर्तन और औद्योगिक विकास के लिए संभावित कुंजी है।

एटीएफ की कीमत में 7.5 फीसदी का हुआ इजाफा, नई दरें लागू

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। **सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं के मुताबिक तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने तीन दौर की कटौती के बाद विमान ईंधन की कीमतों में 7.5 फीसदी का इजाफा किया है। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 7.5 फीसदी बढ़कर 89,344.05 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। नई दरें मंगलवार से प्रभावी हो गई है। यह वृद्धि पिछले महीने ईरान पर इजराइल के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के अनुरूप है।**

इसी तरह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एटीएफ की कीमत 77,602.73 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई है, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमशः 92,526.09 रुपये प्रति किलोलीटर और 92,705.74 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इसमें वैट (मूल्य वर्धित कर) शामिल है, जो कि स्थानीय करों के आधार पर दरें हर राज्य में अलग-अलग होती हैं।

एटीएफ की कीमत में ये वृद्धि अप्रैल से अबतक तीन मासिक किस्तों में लागू कुल कटौती का आधा है। एटीएफ की कीमत आखिरी बार एक जून को 2,414.25 रुपये प्रति किलोलीटर (2.82 फीसदी) घटाकर 83,072.55 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी। उससे पहले 1 मई को इसकी कीमतों में 4.4 फीसदी (3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी, जबकि एक अप्रैल को 6.15 फीसदी (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती की गई थी।

जानकारों का कहना है कि एटीएफ की कीमत में यह वृद्धि पिछले महीने ईरान पर इस्राइल के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में आई तेजी की वजह से है। इस वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके परिचालन की लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 फीसदी होता है। हालांकि, एटीएफ के मूल्य वृद्धि प्रभाव पर एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ईंधन की औसत कीमत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर एटीएफ एवं रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं।

स्विट्जरलैंड के लुसाने में खेल प्रतिनिधिमंडल ने खेल संगठनों के साथ की बैठक

गांधीनगर,01 जुलाई (एजेंसियां) ।

गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी के नेतृत्व में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा, खेल संघ के सचिव हरि रंजन राव, गुजरात खेल विभाग के प्रमुख सचिव अश्विनी कुमार तथा शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव थेनारासन सहित खेल प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्जरलैंड के लुसाने शहर में विश्वस्तरीय खेल संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

गुजरात के खेल प्रतिनिधिमंडल ने लुसाने स्थित वैश्विक खेल आयोजन संस्था स्पोर्टएकॉर्ड के अध्यक्ष से भेंट कर गुजरात में आयोजित होने वाली स्पोर्टएकॉर्ड सम्मेलन के लिए आमंत्रण दिया, जिसमें गुजरात की एक अग्रणी खेल आयोजन स्थल के रूप में क्षमताओं को प्रस्तुत किया गया। इसके बाद टीम बर्सन के साथ अंतरराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंट प्रस्तुतियों, सहयोग और इस क्षेत्र में विकास की विभिन्न संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

साथ ही, एसोसिएशन ऑफ नेशनल ओलंपिक कमिटीज (एएनओसी) की टीम के साथ मुलाकात कर गुजरात और भारत के अन्य राज्यों में एएनओसी इवेंट्स आयोजित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान गुजरात की खेल संरचना, संस्कृति और अतिथि सत्कार का भी विशेष रूप से उल्लेख किया गया। एएनओसी एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त 206 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को जोड़ती है।

इसके अतिरिक्त, हर्ष सांघवी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एफआईवीबी (अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ) के अध्यक्ष और उनकी टीम के साथ वॉलीबॉल खेल के विकास और विभिन्न टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर फलदायी बैठक की।

स्विट्जरलैंड यात्रा के दौरान विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों में कार्यरत भारतीय युवाओं के साथ रात्रिभोज आयोजित कर संवाद स्थापित किया गया, संबंधों को प्रोत्साहित किया गया और भविष्य में सहयोग की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया गया।

मंत्री हर्ष सांघवी के नेतृत्व में हुई ये बैठकें भारत और गुजरात को अंतरराष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों के केंद्र के रूप में प्रोत्साहित करने और वैश्विक खेल संगठनों के साथ भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगी।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी प्लेयर रैंकिंग: टी-20 में तीसरे स्थान पर पहुंचीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार शतक लगाने के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। यह ताज़ा रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 62 गेंदों में 112 रन की धमाकेदार पारी खेलकर भारत को 97 रनों से बड़ी जीत दिलाई। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना ने टी20 रैंकिंग में एक स्थान की छलांग लगाई है और अब वह तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे अब सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज हैं। मंधाना के अब 771 रेटिंग अंक हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। इसी मैच में इंग्लैंड की तेज़ गेंदबाज़ लॉरेन बेल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट चटकाए। इसके चलते वह दो स्थान ऊपर चढ़कर टी20 गेंदबाज़ी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। भारत की डेब्यूटेंट श्री चारणी, जिन्होंने अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेकर इंग्लैंड को इस फॉर्मेट में अब तक की सबसे बड़ी हार झेलने पर मजबूर किया, ने भी रैंकिंग में एंट्री कर ली है। वह 450वें स्थान पर शामिल हुई हैं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में शैफाली वर्मा को टी20 रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है और अब वह 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरलीन देओल ने 23 गेंदों में 43 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के बाद 86वें स्थान के साथ टी20 रैंकिंग में दोबारा प्रवेश किया है। इंग्लैंड की कप्तान नैट स्किवर-ब्रंट, जो अपनी टीम के लिए बल्लेबाज़ी में अकेली मजबूत कड़ी रहीं, ने 42 गेंदों में 66 रन की पारी खेली। इसके चलते उन्हें 20 रेटिंग अंक हासिल हुए और अब वह 663 अंकों के साथ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुंच गई हैं। हालांकि वह रैंकिंग में नौवें स्थान पर बनी हुई हैं। वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना अब भी शीर्ष स्थान पर काबिज हैं, जबकि स्किवर-ब्रंट एक स्थान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं ।

डीपीएल के दूसरे सीजन में शामिल हुई दो नई टीमें, 6-7 जुलाई को होंगे मेन्स और विमेंस ऑक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने मंगलवार को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन के लिए दो नई पुरुष टीमों की घोषणा की। इस विस्तार के साथ अब डीपीएल में पुरुष टीमों की कुल संख्या 6 से बढ़कर 8 हो गई है, जो इसे देश की सबसे तेज़ी से उभरती घरेलू टी20 लीग्स में से एक बना रही है। आउटर दिल्ली फ्रेंचाइज़ी को 10.6 करोड़ रुपये में सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले समूह ने खरीदा है, जबकि न्यू दिल्ली फ्रेंचाइज़ी को 9.2 करोड़ रुपये में भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के समूह ने अपने नाम किया है। 10 से ज्यादा आईपीएल खिलाड़ी होंगे मेन्स नीलामी में शामिल, अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे मुकाबले अब ये दो टीमें मौजूदा छह फ्रेंचाइज़ियों—सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ और वेस्ट दिल्ली लॉयंस—के साथ जुड़कर 2025 संस्करण में हिस्सा लेंगी। मेन्स ऑक्शन 6 और विमेंस ऑक्शन 7 जुलाई को सीजन 2 का खिलाड़ी ऑक्शन 6 और 7 जुलाई को राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। 6 जुलाई को पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी होगी 7 जुलाई को महिला खिलाड़ियों की नीलामी होगी आईपीएल सितारे भी होंगे डीपीएल नीलामी का हिस्सा इस बार डीपीएल नीलामी में 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी शामिल होंगे।

काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन: तिलक वर्मा से उम्मीदें कायम, चहल रहे विकेट विहीन

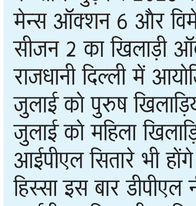

साउथैम्पटन। काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन जारी है। हैम्पशायर की ओर से खेल रहे युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा एक बार फिर संकटमोचक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सोमवार को वूस्टरशर के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन तिलक वर्मा 10 रन (32 गेंदों में) बनाकर नाबाद लौटे। हैम्पशायर की टीम एक समय 54 रन पर तीन विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब तिलक क्रीज़ पर आए और कप्तान बेन ब्राउन (7 रन) के साथ पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने 68 रन बनाए थे। गौरतलब है कि तिलक ने अपने काउंटी डेब्यू मैच में शतक जड़ा था और हैम्पशायर को एक बार फिर उनके धैर्यपूर्ण बल्लेबाज़ी की दरकार है, क्योंकि वूस्टरशायर ने पहली पारी में 679 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया है।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप में अल-हिलाल ने मैनचेस्टर सिटी को 4-3 से हराया

क्वार्टरफाइनल में अब ब्राजील की फ्लूमिनेंस से भिड़ेगी सऊदी क्लब

ओरलैंडो,01 जुलाई (एजेंसियां) ।

सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को मैनचेस्टर सिटी को एक्स्ट्रा टाइम में 4-3 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। इस जीत के साथ अल-हिलाल ने क्वार्टरफाइनल में ब्राजील के फ्लूमिनेंस के खिलाफ मुकाबले में जगह बना ली है। मैच का निर्णायक गोल मार्कोस लियोनार्डो ने 112वें मिनट में किया, जो उनका मैच का दूसरा गोल था। इससे पहले सिटी ने 9वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा के गोल से बढ़त बनाई थी।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही छह मिनट के भीतर अल-हिलाल ने दो गोल दाग दिए। लियोनार्डो और माल्कम ने तेजी से दो हमले कर टीम को आगे कर दिया। हालांकि 55वें मिनट में एरलिंग हालैंड ने बराबरी का गोल कर सिटी को मुकाबले में वापस ला दिया। मैच के नियमित समय में स्कोर 2-2 रहने के बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा। 94वें मिनट में कालीदू कूलिबाली ने रूबेन नेवेस के कॉर्नर पर हेडर से गोल कर अल-हिलाल को फिर से बढ़त दिला दी।

फिल फोडेन ने रयान चेरकी के पास पर शानदार फर्स्ट-टाइम वॉली लगाकर सिटी के लिए स्कोर फिर बराबर किया। लेकिन अल-हिलाल ने हार नहीं मानी। 112वें मिनट में लियोनार्डो ने मिलिंकोविच-साविच के हेडर पर एडरसन द्वारा बचाए गए शॉट के रिबाउंड को गोल में बदल दिया और टीम को जीत की राह दिखा दी।

सिटी का पहला गोल रेनन लॉडी की क्लियरेंस के बाद बर्नार्डो सिल्वा के पैरों में आया, जिन्होंने पास से गेंद को नेट में डाला। हालांकि रिप्ले में यह साफ दिखा कि इस मूव के दौरान रयान एत-नूरी के हाथ से गेंद हल्की सी टकराई थी, लेकिन रेफरी ने अल-हिलाल के विरोध को खारिज कर दिया।

अल-हिलाल के गोलकीपर यासीन बुनू ने पहले हाफ में मैनचेस्टर सिटी के कई हमलों को नाकाम कर दिया और टीम को मैच में बनाए रखा। यही नहीं, उन्होंने पूरे मैच में कई बार क्लच सेव किए।

मैच के बाद कूलिबाली ने कहा, हम जानते थे कि ये मुकाबला दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक के खिलाफ है। हमने अपना टैलेंट और टीम की ताकत दिखाने की कोशिश की और हम बहुत खुश हैं कि हमने यह जीत हासिल की।

एजबेस्टन टेस्ट से पहले वोक्स ने कहा- गेंदबाजों के लिए हो सकता है एक और कठिन सप्ताह

बर्मिंघम। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले माना है कि यह सप्ताह गेंदबाजों के लिए एक और चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वोक्स अब इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई में सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं, और इस भूमिका का वह पूरा आनंद ले रहे हैं। वोक्स ने सोमवार को एक बयान में कहा, मैंने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ खेला है, इसलिए अब हालात कुछ अलग हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है। मैं युवा खिलाड़ियों को अनुभव बांट रहा हूं और उनसे भी सीख रहा हूं। हर बार जब आप मैदान पर उतरते हैं तो कुछ नया सीखते हैं और यही यात्रा चलती रहती है। 36 वर्षीय वोक्स ने यह भी कहा कि वह एंडरसन की तरह 41 साल की उम्र तक क्रिकेट नहीं खेलेंगे लेकिन उम्र को लेकर जितनी बातें होती हैं, वह उन्हें ज्यादा अहमियत नहीं देते। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं 41 की उम्र में इंग्लैंड के लिए खेल रहा होऊंगा। लेकिन जब तक मैं टीम के लिए योगदान दे रहा हूं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तब तक खेलता रहूंगा। अगर कभी ऐसा समय आता है जब कोई कंधे पर हाथ रखकर विदाई की बात करे, तो वह भी ठीक है। लेकिन फिलहाल मैं खेल का पूरा लुत्फ उठा रहा हूं, उन्होंने कहा। हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की ओर से पांच शतक लगे और कुल मिलाकर दोनों टीमों ने मिलकर 1,673 रन बनाए। वोक्स ने स्वीकार किया कि पिच बल्लेबाजों के अनुकूल थी जिससे गेंदबाजों को काफी मेहनत करनी पड़ी।

फ्लूमिनेंस का क्लब वर्ल्ड कप में स्वप्निल सफर जारी, इंटर मिलान को 2-0 से हराया

शार्लोट,01 जुलाई (एजेंसियां) ।

ब्राज़ील की क्लब टीम फ्लूमिनेंस ने क्लब वर्ल्ड कप 2025 में एक और बड़ा उलटफेर करते हुए मंगलवार (भारतीय समानुसार) चैम्पियंस लीग की उपविजेता इंटर मिलान को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह टूर्नामेंट के सबसे चौंकाने वाले नतीजों में से एक माना जा रहा है।

32 टीमों वाले नए फॉर्मेट वाले इस टूर्नामेंट में फ्लूमिनेंस को शुरुआत में सिर्फ 0.05त्न मौका दिया गया था खिताब जीतने का और यह माना जा रहा था कि टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो जाएगी। लेकिन रेनेटो गाउचो की कोचिंग में इस टीम ने बोरुसिया डॉर्टमंड और मामेलोडी सनडाउंस को ड्रॉ पर रोका और उल्सान ह्युंडई को हराकर ग्रुप एफ में दूसरा स्थान हासिल कर नॉकआउट में जगह बना ली। इंटर मिलान के खिलाफ मैच में कोलंबियाई विंगर जॉन आरियास और स्ट्राइकर जर्मन कैनो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। आरियास पूरे मैच में दाईं ओर से जबरदस्त आक्रमण करते रहे और उन्हें टूर्नामेंट के मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर (एमवीपी) दावेदारों में गिना जा रहा है।जर्मन कैनो, जो हाल ही में चोटों से जूझ रहे थे, उन्होंने अमेरिका में दोबारा अपनी लय पा ली है और लगातार टीम के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। मैच के बाद फ्लूमिनेंस के कोच रेनेटो गाउचो, जो खुद क्लब के पूर्व दिग्गज स्ट्राइकर रहे हैं, ने कहा, इंटर मिलान एक महान टीम है, जिनके पास हमसे कहीं ज़्यादा संसाधन हैं। लेकिन मैदान पर मुकाबला 11 खिलाड़ियों का होता है। हमारी टीम ने पूरा विश्वास, मेहनत और अनुशासन दिखाया। उन्होंने आगे कहा, मैंने खिलाड़ियों से कहा कि हम चाहे कम समय में एकजुट हुए हों, लेकिन अगर आप इस प्लान पर भरोसा रखेंगे तो ये कारगर साबित होगा। और उन्होंने करके दिखाया। 40 वर्षीय कप्तान थियागो सिल्वा (पूर्व पीएसजी और चेल्सी) की अगुआई में फ्लूमिनेंस की डिफेंस काफी मजबूत दिखी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक लाख करोड़...

इस योजना के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन वाली योजना को तैयार करने से पहले अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन ने दुनिया के कई देशों के सफल शोध मॉडलों का अध्ययन किया। इनमें अमेरिका, इजरायल, सिंगापुर और जर्मनी जैसे देशों के मॉडल शामिल हैं। इन देशों में शोध से लेकर प्रोडक्ट बनाने तक की जो मजबूत व्यवस्था है, उसी से सीख लेते हुए भारत में यह नई योजना तैयार की गई है। सरकार का मानना है कि इससे देश में न केवल शोध को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इनोवेशन के जरिए नए उद्योगों को भी मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक व्यापक खेलो भारत नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है। जिसका उद्देश्य 2047 तक भारत को शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में से एक बनाना है। कबिनेट द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों पर ध्यान केंद्रित किया है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि नई नीति इसी प्रयास का हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि दूसरा मुख्य उद्देश्य खेलों को जन आंदोलन बनाना है।इसके साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि तमिलनाडु के रामनाथपुरम से परमकुडी के बीच 46.7 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे को चौड़ा करने की परियोजना को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। मदुरै से परमकुडी तक पहले से ही हाईवे चार लेन का है। अब परमकुडी से रामनाथपुरम तक का हिस्सा भी चार लेन में बदला जाएगा। इसके आगे समंदर के हिस्से में जो सड़क धनुषकोडी तक जाती है, उसके लिए डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जा रही है। यह सड़क परियोजना तमिलनाडु के तटीय इलाकों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी।

2047 तक भारत...

रोडमैप प्रस्तुत करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक व्यापक खेलो भारत नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में से एक बनाना है। मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों पर काफी ध्यान दिया है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभा को आगे लाने के लिए ज्यादा ध्यान दिया गया है।

उन्होंने कहा कि नई नीति इसी प्रयास का हिस्सा है। मंत्री ने साथ ही कहा कि इसका दूसरा मुख्य उद्देश्य खेल को जन आंदोलन बनाना है। एनएसपी 2025 को केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ), खिलाड़ियों, खेल विशेषज्ञों और सार्वजनिक हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किया गया है। इसके तहत खेल को पर्यटन और आर्थिक विकास से जोड़ा जाएगा। वैष्णव ने कहा, 'बड़ी संख्या में लोग आईपीएल, फुटबॉल मैच देखने के लिए यात्रा करते हैं। इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।'यह दस्तावेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ जुडने का प्रयास करता है, जिसमें खेलों को स्कूली पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि इसका उद्देश्य शिक्षकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को खेल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण से लैस करना है। इसके सूचीबद्ध लक्ष्यों में खेल प्रशासन के लिए एक मजबूत नियामक ढांचा स्थापित करना और पीपीपी (सरकारी और निजी क्षेत्रों की भागीदारी) और सीएसआर के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी सहित नवीन वित्तपोषण तंत्र का विकास करना शामिल है।खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को नया आकार देने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह ऐतिहासिक नीति जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास का समर्थन करने और भारत को वैश्विक खेलों में एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा की तरह है।

आतंकवादियों को...

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मांग की थी कि इसके अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाए और उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाए। दुनिया को कुछ बुनियादी अवधारणाओं पर एक साथ आना चाहिए। आतंकवादियों को कोई छूट नहीं दी जाएगी। परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकना चाहिए। राज्य प्रायोजित आतंकवाद को उजागर किया जाना चाहिए और उसकी गिनती की जानी चाहिए।'

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा...

हमारा दृष्टिकोण संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान और बहुपक्षवाद के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता पर आधारित रहेगा।

पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) से बात करते हुए कहा, ''पाकिस्तान की अध्यक्षता पारदर्शी, समावेशी और उत्तरदायी होगी। हम जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य, दुनिया में बढ़ती अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरों, बढ़ते संघर्षों और गहराते मानवीय संकटों से पूरी तरह अवगत हैं। राजदूत इफ्तिखार जुलाई में प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर सुरक्षा परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

इफ्तिखार पहले ही संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस से मिल चुके हैं और उन्हें जुलाई में सुरक्षा परिषद की कार्य योजना के बारे में जानकारी दे चुके हैं। पाकिस्तानी राजदूत ने कहा, ''एक ऐसे देश के रूप में जिसने लगातार बातचीत और कूटनीति की वकालत की है, पाकिस्तान सुरक्षा परिषद के काम में सैद्धांतिक और संतुलित दृष्टिकोण लाता है। यह संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों में पाकिस्तान के योगदान पर आधारित होगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी...

उन्होंने निर्देश दिया, अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट संकलित न करें। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल करें और सुरक्षा अनुपालन में खामियों की पहचान करने के लिए क्षेत्र की सभी फैक्ट्रियों का विस्तृत निरीक्षण करें। उन्होंने विभागों से बचाव और राहत प्रयासों को कुशलतापूर्वक समन्वयित करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, शवों का पता लगाना, मलबा हटाना, ये कठिन कार्य हैं और इन्हें अत्यंत सावधानी से किया जाना चाहिए।

इस बीच, श्रीधर बाबू ने निरीक्षण के दौरान कंपनी के शीर्ष प्रबंधन की अनुपस्थिति पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने घटनास्थल पर मौजूद कंपनी के प्रतिनिधियों से पूछा, यह इतनी घातक घटना है, और फिर भी आपका शीर्ष प्रबंधन गायब है। अगर वे अन्य मामलों में बहुत व्यस्त हैं, तो उन्होंने कारखाने क्यों लगाए?

एन रामचंदर राव ...

2023 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा आठ विधायक निर्वाचन क्षेत्र जीतने में सफल रही, जिससे उसका वोट शेयर बेहतर हुआ।

हालाँकि, इसने 2024 के लोकसभा चुनावों में लगभग 39 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करके भारी बढ़त हासिल की। दिलचस्प बात यह है कि हालांकि विश्लेषकों को उम्मीद थी कि भाजपा आगे बढ़ेगी और धीरे-धीरे मुख्य विपक्षी स्थान को खा जाएगी, जिस पर बीआरएस अपनी हाल की राजनीतिक गिरावट के बावजूद कायम है, फिर भी राजनीतिक परिदृश्य अभी भी मुख्य रूप से कांग्रेस बनाम बीआरएस की स्थिति में है।

कंस्ट्रक्शन ऑफिस...

को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा की गई जांच में नंदलाल उर्फ नंदो गेवरीया और उनके रिश्तेदार विशाल गेवरीया इस रैकेट का मास्टरमाइंड थे।

आरोपियों ने हाई रिटर्न और टैक्स फ्री कमाई की लालच देकर सैकड़ों निवेशकों को फंसाया और अवैध सॉफ्टवेयर और वेबसाइड के जरिए करोड़ों का लेन देन किया। इस अवैध सट्टेबाजों और ट्रेडिंग करके आरोपियों ने सरकार को करोड़ों रुपये के टैक्स का नुकसान पहुंचाया है। साथ ही डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टे के सुबूत मिटाने के लिए पेपर कटिंग मशीन का भी उपयोग किया गया है। पुलिस ने 10 लाख रुपए से ज्यादा नगद के साथ 943 करोड़ रुपये के लेनदेन का खुलासा किया है। पुलिस ने आगे की गहन जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की जांच में पता चला कि बेटफेयर.कॉम, नेक्सोनेक्स.कॉम, पैवेनेक और इंग्लिश 999 जैसी प्रतिबंधित वेबसाइट ओर सॉफ्टवेयर्स का उपयोग लाइव स्पोर्ट्स, कसीनो और अन्य गेम्स पर सट्टेबाजी की जा रही थी। आरोपी फुटबॉल, क्रिकेट ओर टेनिस जैसे खेलो पर ग्राहक से ऑनलाइन दांव लगवाते थे। इस वेबसाइड से जुड़े ज्यादातर सर्वर देश के बाहर स्थित है। जिसके कारण उनको ट्रैक करना मुश्किल हो जाता था।

भारत बनाएगा ...

इसलिए डीआरडीओ अब पारंपरिक हथियार बनाने का काम निजी कंपनियों को सौंप रहा है और खुद सिर्फ 10-20 फीसद मदद देगा। इससे डीआरडीओ लंबे समय तक रणनीतिक रिसर्च पर काम कर सकेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक डॉ दास का कहना है कि डीआरडीओ ने भारत का पहला फोटॉनिक रडार तैयार किया है और एक 30 किलोवॉट का लेजर हथियार भी तैयार किया है, जो ड्रोन और छोटे प्रोजेक्टाइल को तबाह कर सकता है। इससे पहले डीआरडीओ ने 2 किलोवॉट लेजर वाला डी4 एंटी-ड्रोन सिस्टम भी ऑपरेशनल कंडीशन में दिखाया था।

उनका कहना है,भविष्य की जंग डायरेक्टेड एनर्जी की होंगी। अगर हम हर मिसाइल को दूसरी मिसाइल से रोकते रहेंगे तो खर्च बहुत बढ़ जाएगा। इसलिए अब हाई-एनर्जी लेजर और माइक्रोवेव तकनीक पर जोर दिया जा रहा है।

मालव्य राजयोग का अनुपम संयोग से वृषभ सहित अन्य राशियों को होगा अप्रत्याशित लाभ

मां दुर्गा पूरी करेंगी मनोकामना

आज यानी 2 जुलाई दिन बुधवार को चंद्रमा का गोचर कन्या राशि में दिन-रात होगा। आज बुधवार होने की वजह से बुध ग्रह का प्रभाव पूरे दिन रहने वाला है। इस पर बुध की राशि कन्या में संचार करते हुए चंद्रमा शुक्र से नवम पंचम भाव में होंगे। इसी तरह आज चंद्रमा गुरु के साथ चतुर्थ दशम योग बनाएंगे। और तो और आज उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र उपरांत हस्त नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि और त्रिपुष्कर योग का संयोग भी बनने जा रहा है। सोने पर सुहागा यह है कि आज मालव्य राजयोग का अनुपम संयोग भी बन रहा है। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज आषाढ़ शुक्ल सप्तमी उपरांत अष्टमी तिथि का संयोग बन रहा है। ऐसे में आज गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि होगी, यानी आज का दिन मां दुर्गा को समर्पित होगा। ज्योतिषीय दृष्टि से देखें तो आज का दिन वृषभ सहित 5 राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। आज इन राशियों को मालव्य राजयोग और मां दुर्गा की कृपा से अप्रत्याशित धन लाभ होने के आसार हैं। आज इनके घर परिवार में आनंद रहेगा। आज इन राशियों को मां दुर्गा की पूजा करने से अतिरिक्त लाभ मिलेगा। और संकट दूर होंगे।

वृषभ राशि –वृषभ राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहने वाला है। आज वृषभ राशि के जातकों को कारोबार में मनचाही सफलता मिलने के आसार हैं। आज आपको कारोबार में बुद्धिमत्तापूर्ण फैसलों का लाभ मिलेगा। आप अपनी क्रिएटिविटी से कुछ अलग करके दिखाएंगे जिससे आपके विरोधी भी हैरान रह जाएंगे। आज आपके पूर्व में किए गए काम सकारात्मक परिणाम देकर जाएंगे। इसके अलावा आपने कहीं धन का निवेश किया था तो आज के दिन आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आप मानसिक रूप से काफी मजबूत महसूस करेंगे और अपने कार्यों को पूरा करके ही दम लेंगे। आपकी मेहनत रंग लाएगी। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को आज के दिन अच्छी सूचना मिल सकती है जिससे आपके आत्मविश्वास में इजाफा होगा। परिवार में आपके सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंधों में तालमेल बना रहेगा। बच्चों की तरफ से आप निश्चिंत रहेंगे।

उपाय : आज पूजन के दौरान मां दुर्गा को खीर का भोग लगाएं। इसके साथ ही सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का विधिपूर्वक पाठ करें। इससे आपके कार्य सिद्ध होंगे। विघ्न बाधाएं दूर होंगी।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों के लिए आज का दिन मां दुर्गा की कृपा से शानदार रहने वाला है। आज आपके अंदर आत्मविश्वास कूट कूटकर रहेगा। आज आप करियर और कारोबार में साहसिक निर्णय लेने से नहीं हिचकिचाएंगे। आज आपको नपा तुला जोखिम लेने का फायदा भी मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके छिपे हुए शत्रु आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ पाएंगे। आज कारोबार में आपको छोटी दूरी की यात्रा पर जाना हो सकता है। यात्रा आपके लिए लाभदायक रहने वाली है। यात्रा के दौरान आपको प्रभावशाली लोगों से संपर्क बनाने का मौका मिल सकता है। जो आपको आने वाले समय में अच्छा लाभ दिला सकते हैं। इसके साथ ही आज कम्युनिकेशन, मीडिया, पब्लिकेशन आदि फील्ड में काम करने वालों को विशेष सफलता मिल सकती है। परिवार में आपके सुख समृद्धि रहेगी। जीवनसाथी के साथ अगर आपकी अनबन चल रही थी तो आज के दिन आपके संबंध सामान्य हो सकते हैं। आप अपने लाइफ पार्टनर को गिफ्ट दे सकते हैं।

उपाय : आज सुबह मंदिर में मां दुर्गा का विधि पूर्वक पूजा करें और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। इसके साथ ही दुर्गा चालीसा का पाठ करने से भी आपके भय और कष्ट दूर होंगे।

कन्या राशि –कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन स्पेशल रहने वाला है। आज कारोबार में आपके काम बनते चले जाएंगे। अगर आपको कारोबार में कोई परेशानी आ रही थी तो आज वह दूर हो सकती है। अगर आपका धन कहीं फंसा हुआ है तो आज के दिन वह वापस मिल सकता है। जिससे आप राहत की सांस लेंगे। इसके साथ ही आज राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में काम करने वालों को पद और प्रतिष्ठा का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके व्यक्तित्व में जबरदस्त निखार आएगा। कार्यक्षेत्र में लोग आपकी बातों को सुनेंगे। आपको किसी नए काम की जिम्मेदारी दी जा सकती है। जिसे आप पूरी गंभीरता के साथ पूरा करेंगे। सेहत के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आपके घर परिवार में आज आनंद रहेगा। आज आपको परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उपाय : आज कमलगट्टे की माला से ऊं ह्रीं दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप करें। इसके अलावा आज मां दुर्गा के 32 नाम का जप करें। मां को गुलाब या गुड़हल का फूल चढ़ाएं। इससे मां दुर्गा की कृपा मिलेगी।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन जमकर कमाई करने का है। आज आपको कारोबार में लाभ का सौदा मिल सकता है। इसके साथ ही आज आपको प्रभावशाली लोगों से संपर्क में आएंगे जिनकी बदौलत आपको अच्छी डील हासिल हो सकती है। इसके अलावा आज आपके सामाजिक दायरे में विस्तार होगा। आपको सामाजिक क्षेत्र में नए लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को आज वेतन बढ़ोतरी का लाभ मिल सकता है। आपको उच्च अधिकारियों की मदद मिलेगी। वे आप पर भरोसा जताएंगे जिससे आपके आत्मविश्वास में भी इजाफा होगा। आज फैमिली बिजनेस करने वालों को भी अच्छा लाभ होने के आसार हैं। आपको परिवार में बड़े भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। इसके साथ ही आज आपके परिवार में धार्मिक कार्यक्रम को लेकर योजना बन सकती है। पूजा पाठ में आपका मन लगेगा।

उपाय : आज मां दुर्गा को नारियल और शहद मिलाकर दूध चढ़ाएं और पूजन के बाद शहद मिश्रित दूध को ग्रहण कर लें। इसके साथ ही आज कन्याओं को भोजन कराएं।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपको किस्मत का भरपूर साथ मिलेगा। इसके साथ ही आज कारोबार से लेकर करियर तक में आपको बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सरकारी नौकरी में मनचाहा ट्रांसफर मिलने के आसार हैं। आज आप अपने विवेक से फैसले लेंगे और किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। इसके साथ ही आज आप अपने काम को लेकर गंभीरता दिखाएंगे जिससे आपका काम समय पर पूरा भी होगा। आपको उच्च अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। रोजगार की तलाश में दौड़भाग कर रहे जातकों को आज के दिन कहीं से अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। इसके साथ ही आज का दिन विद्यार्थी वर्ग के लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपका पढ़ाई में मन लगेगा। संपत्ति आदि का विवाद चल रहा है तो आज के दिन सोच समझकर फैसले लें। बडे. बुजुर्गों का आपको सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं। वैवाहिग जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज 108 बार मां काली के मंत्र ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै का जप करें। मां दुर्गा को लाल चुनरी और शृंगार का सामान चढ़ाएं। मां दुर्गा आपके मनोरथ पूरे करेंगी।

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं खुल जाएंगे भाग्य के सारे बंद दरवाजे!

बांस का पौधा आपने कई लोगों के घरों और ऑफिस में भी लगा हुआ देखा होगा। अपने आसपास के माहौल को खूबसूरत और खुशनुमा बनाने के लिए हम इस पौधे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तुशास्त्र में बांस के इस पौधे की विशेष मान्यता होती है। कहा जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से आसपास के वातावरण से नकारात्मकता खत्म होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। लेकिन वास्तु के अनुसार, बांस का पौधा सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। इसे गलत स्थान पर लगाने से आपको शुभ की बजाए अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

बांस का पौधा घर में इस स्थान पर रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, बांस का पौधा घर में सही दिशा में लगाना बहुत फलदायी होता है। माना जाता है कि इसे घर में ड्राइंग रूम या लिविंग रूम में रखा जा सकता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बना रहता है और गृह क्लेश से भी निजात मिलती है। अगर आप सही स्थान पर बांस का पौधा रखते हैं, तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। यह पौधा आपके भाग्य को भी बदल सकता है और परिवार के सदस्यों के जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

माना जाता है कि बांस के पौधे को हमेशा सही दिशा में ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, बांस का पौधा घर या ऑफिस में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम होता है। इसके अलावा, आप उत्तर दिशा में भी बांस का पौधा लगा सकते हैं। अगर आप लंबे समय से पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो एक बार बांस का पौधा घर पर जरूर लगाकर देखें। ऐसा करने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और धन-संपत्ति में वृद्धि होने लगती है।

बांस का पौधा लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, गलती से भी बांस के पौधे को बाथरूम या टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा, किचन में भी इस प्लांट को लगाने की मनाही होती है। बांस का पौधा कभी भी गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। साथ ही, पौधे के पानी को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। मान्यता है कि घर या ऑफिस में लाल रिबन से बंधा हुआ बांस का पौधा रखने से जीवन में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

बांस का पौधा घर में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर बांस का पौधा लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और फिजूलखर्ची से भी निजात मिल सकती है। यह प्लांट परिवार के सदस्यों के बंद किस्मत के सारे दरवाजे खोल सकता है। सही दिशा में बांस का पौधा लगाने से कारोबार में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त होती है। इससे घर का माहौल हमेशा खुशनुमा बना रहता है। बांस के पौधे को सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में इसे घर में लगाने से सौभाग्य का आगमन होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है।

13 अगस्त तक राहु के नक्षत्र आर्द्रा में होगा गुरु का गोचर

अतिचारी गुरु से बड़ी अनहोनी की आशंका

युद्ध, राजनीतिक उथल-पुथल और आपदाओं का संकट

14 मई को बृहस्पति ने मिथुन राशि में अतिचारी होकर गोचर कर चुके हैं और शनिवार 14 जून 2025 की मध्यरात्रि 12:07 बजे राहु के नक्षत्र आर्द्रा में प्रवेश कर गए हैं जो 13 अगस्त तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। जिससे देश-दुनिया में उथल-पुथल जारी रह सकती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल 14 मई 2025 को जब गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में अतिचारी होकर गोचर प्रारंभ किया, तभी ज्योतिषीय गणनाओं में असामान्य हलचल दृष्टिगोचर होने लगी थी और शनिवार 14 जून 2025 को मध्यरात्रि 12:07 बजे बृहस्पति ग्रह ने राहु के स्वामित्व वाले आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश कर लिया है। यह गोचर 13 अगस्त 2025 तक प्रभाव में रहेगा। 14 जून 2025 से 12 अगस्त 2025 तक बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि और आर्द्रा नक्षत्र में रहेगा। यह नक्षत्र दुर्घटना, राजनीतिक विभाजन, प्राकृतिक आपदाएं, असामान्य वर्षा , महामारी, आर्थिक संकट, वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता तकनीकी उन्नति, विद्रोह और उथल-पुथल का प्रतीक माना जाता है।

मेदिनी ज्योतिष के ग्रंथ भविष्य फल भास्कर के अनुसार जब क्रूर ग्रह वक्री हों तथा शुभ ग्रह अतिचारी हों तब असामान्य वर्षा और दुर्भिक्ष से जन-धन की हानि होती है।

क्रूरा वक्रा यदा काले सोम्या: शीघ्रास्तु चागता:।।
अनावृष्टि च दुर्भिक्षं नृपराष्ट्रभयन्करा :।।

आर्द्रा नक्षत्र

नक्षत्रों के क्रम में छठा नक्षत्र होता है आर्द्रा। इस नक्षत्र का स्वामी राहु है और मिथुन राशि के अन्तर्गत आने के कारण इस पर बुध का प्रभाव भी रहता है। जिन लोगों का जन्म इस नक्षत्र में होता है वह बड़े ही चतुर-चालाक होते हैं। आर्द्रा नक्षत्र, जिसे नम या गीला भी कहा जाता है, ज्योतिष में एक महत्वपूर्ण नक्षत्र है। यह नक्षत्र भगवान शिव के उग्र रूप, रुद्र द्वारा शासित है और इसे विनाश, परिवर्तन और

नवाचार का प्रतीक माना जाता है। आर्द्रा नक्षत्र का रहस्य, इसके साथ जुड़ी पौराणिक कथाओं, ज्योतिषीय प्रभावों और व्यक्तित्व लक्षणों में छिपा है। कूटनीति एवं राजनीतिक विषयों में इनकी बुद्धि खूब चलती है। राजनीति के क्षेत्र में इस नक्षत्र वाले व्यक्ति काफी सफल होते हैं। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्तियों का मस्तिष्क हमेशा क्रियाशील रहता है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

गुरु की अतिचारी चाल

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, अतिचारी चाल का मतलब है कि बहुत तेज चलना और त्वरित होना। यहां गुरु की अतिचारी चाल का अर्थ है कि गुरु जिस राशि में मौजूद हैं, वहां सामान्य चाल ना चलकर बहुत तेजी से गोचर कर रहे हों। आमतौर पर गुरु एक राशि से दूसरी राशि में 12 से 13 महीने तक मौजूद रहते हैं लेकिन अतिचारी होते हैं, तब वह जल्दी राशि परिवर्तन करते हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में जैसे करियर, पारिवारिक जीवन, लव लाइफ, तरक्की आदि समेत सभी महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। ज्योतिष में गुरु ग्रह ज्ञान, करियर, शिक्षा, भाग्य, धर्म, संतान, धन, वैवाहिक जीवन आदि के कारक ग्रह हैं।, जब गुरु अतिचारी चाल चलते हैं तब इनके जल्दी प्रभाव देखने को मिलते हैं।

आर्द्रा में गुरु और अतिचारी चाल का देश दुनिया पर प्रभाव

बृहस्पति के गोचर का दुनियाभर में काफी अधिक प्रभाव देखने को मिल सकता है। इससे करियर आर्थिक स्थिति के साथ-साथ युद्ध संकट आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। गुरु की चाल में तेजी होने से दुनियाभर में कई युद्ध हो सकते हैं। कई देशों के बीच युद्ध होने की आशंका मानी जा रही है। इसके साथ ही एक बार फिर आर्थिक मंदी की ओर बढ़ सकते हैं। जैसा 1929 में हुआ था। जब अमेरिकी शेयर बाजार में एक बड़ी गिरावट आई। जो इस दुर्घटना का वैश्विक प्रभाव पड़ा और इसे महामंदी की शुरुआत माना जाता है। गुरु के अतिचारी होने से धर्म संबंधित घटनाएं बढ़ सकती है। विभिन्न धर्मों के लोग अपनी परंपराएं दूसरों के ऊपर थोपने की कोशिश कर सकते हैं। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में ऐसी स्थिति देखने को मिल सकती है। विभिन्न जातीय, धार्मिक और वैचारिक समूहों के बीच मतभेद गहरे हो सकते हैं, जो अंततः सांप्रदायिक दंगे, नस्लीय संघर्ष, और आंतरिक गृहयुद्ध जैसी स्थितियों को जन्म देंगे।

राजनीति पर प्रभाव

बृहस्पति का यह गोचर राजनीतिक जगत में भारी उथल-पुथल ला सकता है। दुनियाभर के कई देशों में सत्ता पक्ष के खिलाफ जनाक्रोश तीव्र हो सकता है। लोगों का धैर्य टूटने लगेगा, और सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन, जन आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिल सकती है। कुछ राष्ट्रों में यह आंदोलन इतने उग्र रूप ले सकते हैं कि वहां सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, या सेना द्वारा सत्ता ग्रहण जैसी स्थितियां बन सकती हैं। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे।

प्राकृतिक आपदा

बृहस्पति का यह गोचर व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है। मौसम की असामान्यता, जैसे कि भारी वर्षा, चक्रवात, बाढ़, भूकंप, और ग्लेशियर विस्फोट जैसी घटनाएं तीव्र हो सकती हैं। समुद्रों का जलस्तर तेज़ी से बढ़ सकता है और कई द्वीपीय राष्ट्रों को इससे गंभीर खतरा हो सकता है। हिमालय, आर्कटिक और अंटार्कटिका जैसे क्षेत्रों में ग्लेशियर पिघलना, हिमस्खलन और जलस्रोतों का असंतुलन जैसी घटनाएं जन-धन की भारी हानि का कारण बन सकती हैं। जलवायु परिवर्तन इस समय चरम पर रहेगा, जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा और जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है।

अधिक हो सकती है दुर्घटनाएं

बृहस्पति का यह गोचर यातायात, औद्योगिक और तकनीकी दृष्टिकोण से भी संवेदनशील रहेगा। इस दौरान अति आत्मविश्वास के कारण दुर्घटनाएं अधिक हो सकती है। हवाई जहाज़, ट्रेनों, और जहाजों में तकनीकी खराबी या मानवीय भूलों के कारण गंभीर घटनाएं होंगी। इसके अलावा, आगजनी, विस्फोट, गैस लीक, और फैक्ट्रियों में हादसे बढ़ सकते हैं। रक्षा उपकरणों और बिजली संयंत्रों में भी छोटी लापरवाहियां भारी तबाही का कारण बन सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है।

तकनीकी क्रांति

बृहस्पति का यह गोचर सृजन और संघर्ष दोनों की ओर इशारा कर रहा है। जहां एक ओर गुरु का यह गोचर काल संघर्ष और संकट का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर यह तेजी से होने वाली तकनीकी प्रगति का भी द्योतक है। बृहस्पति ज्ञान, विज्ञान और शिक्षा का प्रतिनिधि ग्रह है, और आर्द्रा नकहस्त्र उसमें ऊर्जा और शोध की तीव्रता भरता है। इस काल में ड्रोन, रक्षा तकनीक, और अंतरिक्ष अनुसंधान में आश्चर्यजनक सफलताएं मिल सकती हैं। चंद्रमा, मंगल, और अन्य ग्रहों पर मानव मिशनों की गति तेज़ होने की संभावना है। वैज्ञानिक शोध, औषधि निर्माण, और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में भी नयी खोजें होंगी। इसके अलावा ए आई और क्वांटम कम्प्यूटिंग में क्रांतिकारी विकास संभव है।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

क्रिस्टल डिसूजा को पसंद आया फर्स्ट कॉपी का रेट्रो लुक, करिश्मा कपूर को बताया रोल मॉडल

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा अपनी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'फर्स्ट कॉपी' में अपने किरदार को लेकर दर्शकों की सराहना बटोर रही हैं। वह बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की बड़ी फैन हैं। उन्होंने कहा कि करिश्मा 90 के दशक में अपने फैशन सेंस और फिल्मों में परफॉर्मेंस को लेकर लड़कियों के लिए इंस्पिरेशन थीं। वह उस दौर की सिर्फ एक एक्ट्रेस नहीं, बल्कि एक स्टाइल आइकॉन और रोल मॉडल हैं। बता दें कि सीरीज 'फर्स्ट कॉपी' की कहानी 1990 के दशक में सेट की गई है। इसमें क्रिस्टल डिसूजा ने मोना नाम की लड़की का किरदार निभाया है। मोना एक ऐसी फिल्म स्टार हैं जो अब मशहूर तो नहीं रहीं, लेकिन अपनी पुरानी शोहरत और उस दौर की परेशानियों से जूझ रही हैं।

क्रिस्टल डिसूजा ने बताया कि इस सीरीज का पुराना, रेट्रो माहौल उन्हें बहुत पसंद आया। खासकर पुराने जमाने का फैशन और स्टाइल उन्हें बहुत अच्छा लगा, क्योंकि यह उस दौर की चमक-धमक के पीछे छिपी सच्चाई को दिखाता है।

क्रिस्टल ने कहा, ''90 के दशक की शानदार हीरोइन करिश्मा कपूर का स्टाइल, उनके गहने, सब कुछ बिल्कुल परफेक्ट था। और सच कहूं तो मैं उनकी वॉर्डरोब से कुछ भी उठाकर 2025 में पहन लूं, तब भी मैं बहुत अच्छी लगूंगी।''

फर्स्ट कॉपी में मुनव्वर फारुकी, गुलशन ग्रोवर, साकिब अयूब, आशी सिंह, मियांग चेंग और रजा मुराद अहम किरदार में हैं। सीरीज में मुनव्वर आरिफ नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं, जो तेज-तर्रार और चालाक है। आरिफ प्यार और हिम्मत से भरा है। उसने अपनी जिंदगी में मुश्किल और संघर्ष देखा है, जहां वह वॉकमैन बेचता है। उसकी जिंदगी उस वक्त बदलती है, जब वह फिल्म 'पाइरेसी' की दुनिया में कदम रखता है। आरिफ इस काम से काफी सफलता हासिल करता है और जल्दी ही अपना साम्राज्य खड़ा कर लेता है, जहां उसकी फर्स्ट कॉपी उसकी शोहरत और पैसा कमाने का जरिया बन जाती है।

टीवी इंडस्ट्री में बदल रही महिलाओं की स्थिति सराहनीय: नायरा बनर्जी

टेलीविजन अभिनेत्री नायरा बनर्जी ने छोटे पर्दे पर जेंडर भेदभाव से परे भूमिकाओं के बदलते स्वरूप पर बात की। उन्होंने महिला-केंद्रित शो की बढ़ती लोकप्रियता की सराहना की। हालांकि, अभिनेत्री का मानना है कि वास्तविक रूप से जिंदगी के गाड़ी के ये दोनों पहिए जरूरी हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में नायरा ने कहा, सच्ची कहानियां दोनों जेंडर की भावनाओं को दिखाती हैं, क्योंकि परिवार और अच्छी कहानियां साझा अनुभवों पर बनती हैं।

उन्होंने बताया, पहले फिल्मों में महिलाएं सिर्फ सजावटी किरदार थीं। अब टीवी पर स्थिति उलट है, महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में हैं और पुरुष पृष्ठभूमि में। मुझे लगता है कि दोनों को बराबर महत्व मिलना चाहिए। परिवार जोड़ों से बनते हैं और दोनों की भावनाएं मायने रखती हैं। टीवी भले ही महिलाओं को ज्यादा तवज्जो देता हो, लेकिन वास्तविक कहानियों में दोनों का योगदान जरूरी है।

नायरा ने अपने नए म्यूजिक वीडियो 'मैं तेरी हूं' के बारे में भी बताया। इस गाने को अहान ने गाया और लिखा है। नायरा ने कहा, इस गाने के बोल 'मैं तेरी हूं' ने मुझे बहुत प्रभावित किया। छह महीने पहले मैंने इसे सुना और तुरंत पसंद कर लिया, लेकिन व्यस्तता के कारण शूटिंग नहीं कर पाई। बाद में जब यह गाना फिर से मेरे पास आया, मैंने तुरंत हामी भर दी। 'दिव्या दृष्टि' फेम अभिनेत्री ने सच्चे प्यार की परिभाषा पर भी बात की। उन्होंने कहा, आज के भावनात्मक रूप से नाजुक दौर में आत्म-प्रेम सबसे जरूरी है। मानसिक और शारीरिक शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। मुझे प्यार और शादी का विचार पसंद है। दो लोग मिलकर जिंदगी बनाएं और दोस्तों की तरह एक साथ बूढ़े हों। मुझे उम्मीद है कि ऐसा प्यार आज भी मौजूद है। अभिनय करियर की बात करें तो नायरा ने 'दिव्या दृष्टि' में मुख्य भूमिका से लोकप्रियता हासिल की। इसके अलावा, वह 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 13' और 'बिग बॉस 18' में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवा चुकी हैं।

शॉर्ट फिल्म इकोज ऑफ अस में आखिर क्यों यूलिया वंतूर को चुना? निर्देशक जो राजन ने किया खुलासा

निर्देशक जो राजन अपनी आने वाली शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' की तैयारियों में काफी व्यस्त हैं। इस शॉर्ट फिल्म से एक्ट्रेस और सिंगर यूलिया वंतूर अपना एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में उनका किरदार काफी अहम है। जो राजन ने बताया कि उन्होंने आखिर क्यों अपनी शॉर्ट फिल्म के लिए यूलिया वंतूर को चुना। साथ ही उनके साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा कि यूलिया बहुत टैलेंटेड हैं और उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत अच्छी तरह निभाया है। उनके साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। जो राजन ने यूलिया वंतूर के बारे में बात करते हुए कहा, जब यूलिया ने मेरी शॉर्ट फिल्म के लिए हां कहा, तो वह इस प्रोजेक्ट में एक सच्चाई और गहराई ले आईं, जिससे पूरी फिल्म और भी बेहतर बन गई। वह काफी प्रोफेशनल हैं, उन्हें नई चीजें सीखना बेहद पसंद है और कुछ नया करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।उन्होंने आगे कहा, शुरुआत से ही मुझे लगा कि यह किरदार यूलिया के लिए बिल्कुल सही है। उनके अंदर वो भावनात्मक गहराई और सुंदरता है जो इस किरदार को चाहिए थी। निर्देशक ने कहा, यूलिया का यह डेब्यू सिर्फ एक्टिंग के लिए नहीं, बल्कि उनके रचनात्मक सफर शुरू करने का भी है। उन्होंने अपनी सिंगिंग की समझ, स्टेज पर काम करने का अनुभव और अपनी संस्कृति की खासियत भी इस किरदार में झलकाई है।जो राजन ने आगे कहा कि यूलिया ने अपने किरदार को इतने सच्चे और असली तरीके से निभाया कि ऐसा अभिनय तो कई बार अनुभवी कलाकार भी नहीं कर पाते। जो राजन ने आगे कहा, यूलिया ने हमें अपने अभिनय से हैरान कर दिया। उनके अंदर भावनाओं को समझने की गहराई है। वह छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देती हैं और डायरेक्शन को खुले दिल से अपनाती हैं। फिल्म के दौरान उन्हें आगे बढ़ते देखना बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि यह सिर्फ शुरुआत है, और उनका फिल्मी सफर लंबा और प्रेरणादायक होगा।इस फिल्म में यूलिया वंतूर के साथ दीपक तिजोरी और स्पेन की एक्ट्रेस एलेसांद्रा व्हेलन मेरिडिज भी नजर आएंगी।

हेरा फेरी 3 पर सुनील [...] रिलीज के बाद ही बात [...]

अभिनेता सुनील शेट्टी सोमवार को मुंबई के [...]
बाबा के मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने दर्शन-[...]
बताया कि बाबा में उनकी खास श्रद्धा है। इसके अ[...]
हिंदी भाषा और अपकमिंग फिल्म 'हेरा फेरी 3' [...]
की। मंदिर प्रशासन की तारीफ करते हुए एक्टर ने [...]
खुशी मिलती है कि आज की तारीख में मंदिरों की [...]

काफी सुधरी है [...]
भी जाता हूं [...]
मैनेजमेंट देख[...]
काफी अच[...]
लगता है। भक्त[...]
को अब काफ[...]
सुविधाएं मिल[...]
लगी हैं। [...]
हमेशा से बाब[...]
के मंदिर आत[...]
था, मगर लं[...]
गैप के बाद मंदिर आया हूं। बाबा में मेरी खास श्रद्[...]
है। मैंने बाबा से कभी कुछ मांगा नहीं, बस चाहता [...]
कि सब खुश और स्वस्थ रहें। मुझे बाबा का बुला[...]
आया तो मैं आ गया।

अभिनेता ने कहा, ये सब बाबा की कृपा है कि [...]
भी लोग पुरानी फिल्मों को देखकर उस किरदार से [...]
कर पाते हैं। फैंस इतना मान-सम्मान देते हैं। ये सब [...]
का प्यार और ईश्वर का आशीर्वाद है। अपकमिंग [...]
'हेराफेरी 3' पर अभिनेता ने हिंट दिया कि फिल्म [...]
फिर से दर्शकों को मजा आएगा। कॉमेडी से भरपूर फि[...]
के साथ देखने वाली है, जो बड़े-बच्चों के साथ स[...]
आएगी। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं [...]
बारे में बात रिलीज के दिन ही करूंगा। इसके साथ [...]
और फिल्म पर भी बात की। शेट्टी ने सिनेमाघरों [...]
और देते हुए ओटीटी को 'बच्चों' की संज्ञा दी। उन्[...]
प्लेटफॉर्म्स आ चुके हैं और यह अच्छी बात है। द[...]
और ओटीटी उनके 'बच्चे' हैं। बच्चे हर हाल में पि[...]
सपोर्ट ही करते हैं। अभिनेता ने बताया कि यदि कि[...]
उसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

करीना कपूर ने फिल्मों में 25 साल पूरे होने पर साझा की पुरानी यादें

अभिनेत्री करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'रिफ्यूजी' से की थी, जिसमें वह अभिषेक बच्चन संग नजर आई थीं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेत्री ने पुराने पलों को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी डेब्यू फिल्म 'रिफ्यूजी' से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में करीना अपने डेब्यू को-एक्टर अभिषेक बच्चन के साथ नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह अकेली हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए, अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, '25 साल और हमेशा के लिए' इसके साथ अभिनेत्री ने निर्देशक जे.पी. दत्ता, अभिषेक, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी और अनुपम खेर को भी टैग किया। जे.पी.दत्ता ने फिल्म 'रिफ्यूजी' का निर्देशन करने के साथ इसकी कहानी भी लिखी थी। फिल्म 30 जून 2000 को रिलीज हुई थी, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतना कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म में करीना और अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिकाओं में थे। उनके साथ फिल्म में जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी और अनुपम खेर भी थे।एक्ट्रेस की बात करें तो करीना ने अपने अब तक के करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्होंने साल 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन पहचान 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' से मिली। इ सके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और 'जब वी मेट', 'युवा', 'गोलमाल रिटर्न्स', '3 इडियट्स', 'गोलमाल 3', 'बॉडीगार्ड', 'सिंघम रिटर्न्स', 'बजरंगी भाईजान', 'तख्त', 'गुड न्यूज' जैसी कई धमाकेदार फिल्में दीं।करीना को आखिरी बार स्क्रीन पर पिछले साल फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर चर्चाओं में हैं जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। मनोरंजक क्राइम-ड्रामा 'दायरा' अपराध, सजा और न्याय के बीच के संघर्ष को उजागर करती है और वर्तमान समाज की परेशानियों को पर्दे पर उतारती है। फिल्म में करीना और पृथ्वीराज अपनी मजबूत भूमिकाओं के साथ काम करने को तैयार हैं। 'दायरा' की कहानी को यश, सीमा और मेघना गुलजार ने मिलकर लिखा है। 'सैम बहादुर' की सफलता के बाद यह मेघना की अगली निर्देशित फिल्म है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पुरानी परियोजनाओं की सफलता आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी-मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छ स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है ।अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन-शक्ति घटाती है, बल्कि । आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं। आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। कार्यक्षेत्र में आपका कोई प्रतिद्वंदी आज आपके खिलाफ साजिश कर सकता है, इसलिए आज आपको आंख कान खोलकर काम करने की जरुरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आप-को सदा बहुत प्यार करेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है।अगर आप अपने काम पर ध्यान दें तो क़ामयाबी और प्रतिष्ठा आपकी होगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निका-लें। आज के दिन अपने प्रिय से कोई तल्ख़ बात न कहें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएग ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी ऊर्जा को व्यक्तित्व-विकास के काम में लगाएँ, जिससे आप और भी बेहतर बन सकें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। आपके व्यक्तिगत मोर्चे पर कोई बड़ी चीज़ होने वाली है, जो आपके और आपके परिवार के लिए उल्लास लेकर आएगी। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। नौकरों और सहकर्मियों से परेशानी होने की संभावना को ख़ारिज नहीं किया जा सकता है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम-काज पर भी पड़ सकता है, लेकिन आप किसी तरह चीज़ें संभालने में क़ामयाब रहेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। जीवनस-ाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप-दोनों में कितना प्यार है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आ-वश्यक है, जितना कि खेलना-कूदना। इसलिए माता-पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है । आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने-जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों!

आज का पंचांग

दिनांक : 02 जुलाई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:00 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रातः 11:07 तक
योग : वरियान सायं 05:45 तक
करण : वणिज दोपहर 12:00 तक
चन्द्र राशि : कन्या
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : बुधाष्टमी दोपहर 12:00 से , भद्रा दोपहर 12:00 से रात्रि 01:00 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में मूसलधार बारिश से कई जिले जलमग्न, जनजीवन अस्त-व्यस्त

धौलपुर/अलवर, 01 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून ने इस बार जोरदार दस्तक दी है, जिससे जहां एक ओर किसानों को राहत मिली है, वहीं शहरी इलाकों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। धौलपुर, अलवर और कोटपुतली-बहरोड़ में तेज बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई जगहों पर घरों, दुकानों और सरकारी भवनों में पानी घुस गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।

धौलपुर में हुई तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। जगन टॉकीज, हरदेव नगर, कोर्ट परिषद और बाड़ी रोड जैसे प्रमुख क्षेत्र पानी में डूब गए। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बरसात में यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन स्थायी समाधान नहीं कर रहा। दुकानों में पानी घुसने से कारोबार ठप हो गया और स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर ऑफिस जाने वालों तक को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से पानी सीधे घरों और दुकानों में घुस गया।

अलवर में सुबह 6:30 बजे शुरू हुई मूसलधार बारिश ने 9 बजे तक शहर में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। होप सर्कस, घंटाघर, सराफा बाजार, अशोक टॉकिज, बस स्टैंड और एसएमडी चौराहे समेत शहर के अधिकांश हिस्से जलमग्न हो गए। दुकानों और घरों में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ। चूड़ी मार्केट और अन्य बाजारों में व्यापार पूरी तरह ठप हो गया। कच्ची बस्तियों में झोंपड़ियों की छतें टपकने लगीं और घरों में रखा सामान भीग गया।

एसएमडी चौराहे पर नाले के ऊपर लगे जाल में कचरा फंसने से पानी का बहाव रुक गया, जिससे आसपास के घरों में पानी भर गया। इसी तरह कोटपुतली-बहरोड़ क्षेत्र में मंगलवार सुबह से बारिश का दौर जारी है। तेज बारिश के बीच आसमान में घने बादल छाए रहे। किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है क्योंकि इससे खेतों को अच्छी नमी मिलेगी और फसलों को फायदा होगा। हालांकि लगातार बारिश से कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी है, जिससे स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

एसआई भर्ती रद्द नहीं करेगी राजस्थान सरकार, हाईकोर्ट में पेश किया जवाब

जयपुर, 01 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने मंगलवार को हाईकोर्ट में पेश जवाब में बताया है कि सरकार एस आई भर्ती 2021 को रद्द नहीं करेगी। सरकार की ओर से इस संबंध में कैबिनेट सब कमेटी की रिपोर्ट पेश की गई है। सरकार की अदालत को बताया गया कि कैबिनेट सब कमेटी ने एसआईटी, गृह विभाग, डीओपी और सांख्यिकी विभाग की रिपोर्ट का अध्ययन किया है और इसी अध्ययन के आधार पर सब कमेटी की सिफारिश है कि फिलहाल भर्ती को रद्द नहीं किया जाना चाहिए। अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि कैबिनेट सब कमेटी ने चार सिफारिश की हैं। सिफारिश के अनुसार एसआईटी मामले की जांच जारी रखेगी। भविष्य में जो भी अभ्यर्थी पकड़े जाएंगे उन्हें बर्खास्त किया जाएगा। कमेटी की तीसरी सिफारिश है कि भर्ती में ऐसी स्थिति नही आई कि गलत और सही के बीच अंतर नही कर पाए। इसलिए भर्ती को रद्द नही कर सकते। कमेटी ने चौथी सिफारिश की है कि 2021 की भर्ती में भाग लेने वालों को भविष्य में होने वाली भर्ती में उपरी आयु सीमा में छूट दी जाए। याचिका को सारहीन मानते हुए खारिज किया जाए। चयनित अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट आर. एन. माथुर ने कहा कि सब कमेटी की रिपोर्ट कहती है कि अगर भर्ती को रद्द करने से बड़ी संख्या में निर्दोष अभ्यर्थियों के साथ कुठारघात होगा। राज्य सरकार का भर्ती रद्द नहीं करने का निर्णय सही हैं। मेहनत करके मेरिट से भर्ती होने वालों को चुनिंदा लोगों की गलती की सजा नहीं दी जा सकती।

सीएम भजनलाल की संवेदनशील पहल से

20 लाख बुजुर्गों को मिला रामाश्रय वार्डों से स्वास्थ्य का लाभ

जयपुर, 01 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर सभी जिला अस्पतालों में शुरू किए गए रामाश्रय वार्ड (जीरियाट्रिक वार्ड एवं जीरियाट्रिक क्लिनिक) वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य का अनुपम उपहार साबित हो रहे हैं। ये वार्ड जनसेवा का एक सार्थक माध्यम बनकर उभरे हैं। अब तक इस मानवीय पहल से करीब 20 लाख बुजुर्ग लाभान्वित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील नवाचार से हमारे बुजुर्गों को न केवल स्वास्थ्य लाभ मिला है बल्कि उनके जीवन में आशा और विश्वास का नया संचार हुआ है। उन्हें उपचार को लेकर चक्कर काटने से मुक्ति तो मिली ही है, वे अस्पतालों में विभिन्न प्रक्रियाओं से होने वाली कठिनाई से भी चिंतामुक्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में 14 मार्च, 2024 से प्रदेश के जिला अस्पतालों में बुजुर्गों के स्वास्थ्य की समुचित देखभाल और अस्पतालों में सम्मानपूर्वक उपचार के लिए रामाश्रय वार्डों का शुभारम्भ किया गया था। गौरतलब है कि राजस्थान सरकार के इस सेवाभावी नवाचार का लाभ लेने के लिए करीब 19 लाख 70 हजार बुजुर्गों ने अब तक रजिस्ट्रेशन करवाया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि बुजुर्गों के लिए प्रारंभ किए गए इस नवाचार के तहत करीब 18 लाख बुजुर्गों ने ओपीडी सेव-ाओं का और 1 लाख 5 हजार से अधिक वृद्धजनों ने आईपीडी सेवाओं का लाभ मिला है। करीब 12 लाख 20 हजार लैब टेस्ट इन वार्डों के माध्यम से किए गए हैं। साथ ही, 27 हजार से अधिक रोगियों को फिजियोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

हर वार्ड में 10 आरक्षित बैड, नर्सिंग अलार्म और फिजियोथैरेपी इकाई-रामाश्रय वार्डों में 10 फाउलर बैड आरक्षित किए गए हैं। इनमें से 5 बैड महिला एवं 5 बैड पुरूषों के लिए हैं। हर बैड के बीच पार्टिशन कर परदे लगाए गए हैं। बैड के पास नर्सिंग अलार्म सिस्टम लगाए गए हैं ताकि आपात स्थिति में वृद्धजन तुरंत नर्सिंग स्टाफ को बुला सकें। वार्ड में महिला एवं पुरूष रोगियों के लिए अलग-अलग शौचालय हैं। इन शौचालयों में ग्रेब-बार लगाए गए हैं। वार्ड में फिजियोथेरेपिस्ट एवं फिजियाथैरेपी से संबंधित उपकरणों की समुचित व्यवस्था की गई है। इनमें शॉर्ट वेव डायाथर्मी, अल्ट्रासाउण्ड थैरेपी, सरवाइकल ट्रेक्शन, पैल्विक ट्रेक्शन, ट्रांस इलेक्ट्रिक नर्व स्टिमुलेटर जैसे उपकरण शामिल हैं। वार्ड में व्हील चेयर, ट्रॉली, मेडिसिन कैबिनेट एवं अन्य आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध करवाया गया है।हर वार्ड का एक नोडल अधिकारी बनाया गया है जो वार्ड की समस्त व्यवस्थाओं का प्रबंधन करता है। रोगियों की देखभाल के लिए अलग से नर्सिंग स्टाफ तथा साफ-सफाई के लिए कार्मिक नियोजित किए गए हैं। वृद्धजनों को आईपीडी के समय विशेषज्ञ सेवाएं वार्ड में ही उपलब्ध हो रही हैं। जांच के लिए सैम्पल भी वार्ड से ही एकत्र कर रिपोर्ट भी बैड पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। वृद्धजनों के उपचार एवं अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, फिजियोथैरेपिस्ट एवं अन्य कार्मिकों के दूरभाष नंबरों की सूची वार्ड के बाहर प्रदर्शित की गई है।

बिजली के झटके से तिलमिलाई जनता, इनेलो का सड़कों पर हल्ला बोल

ये बढ़ोतरी नहीं, अन्याय है : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 01 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में इन दिनों गर्मी लोगों के बिजली के बिलों को जलाने के साथ-साथ धूप की तपिश भी बढ़ा रही है। महंगाई, बेरोजगारी और घटती आमदनी ने पहले ही आम आदमी को परेशान कर रखा है, अब बिजली की दरों में बढ़ोतरी ने उस पर एक और मार कर दी है। आज इनेलो पार्टी सड़कों पर इस पीड़ा की आवाज बनकर उभरी। नेता और कार्यकर्ता आम लोगों के हक की आवाज बुलंद करते हुए पंचकूला की सड़कों पर डटे रहे, न लाठी चली, न भाषणबाजी।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के सदस्य मंगलवार सुबह 10 बजे पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित जाट भवन में एकत्र हुए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व अभय सिंह चौटाला ने खुद किया। हालांकि उनके चेहरे पर गुस्सा साफ झलक रहा था, लेकिन उनकी आवाज में लोगों की चिंता ज्यादा थी। क्योंकि इस समय बात दरों की नहीं बल्कि नीतियों और योजनाओं की हो रही है।

मीडिया से बातचीत करते हुए इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि बिजली के दाम बढ़ाकर सरकार ने गरीब व मध्यम वर्ग के घरों में अंधेरा कर दिया है। जो लोग पहले से ही भोजन, दवा व बच्चों के खर्च से जूझ रहे हैं, उन्हें अब बिजली बिल भरने का डर सता रहा है। उन्होंने दावा किया कि इनेलो जनता के लिए संघर्ष करती रहेगी और हर स्तर पर दबाव बनाएगी ताकि प्रशासन इस जनविरोधी फैसले को वापस ले। अभय चौटाला ने आगे कहा कि ये लड़ाई कांग्रेस को लड़नी चाहिए थी, लेकिन अफसोस कि ये भाजपा के हाथ में है. जनता के मुद्दों पर कांग्रेस की चुप्पी भी संदेह के घेरे में है. राजनीतिक गलियारों में इस टिप्पणी ने एक बार फिर बवाल मचा दिया।

हरियाणा में नवंबर से नहीं चलेंगी 10 साल पुरानी गाड़ियां : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद, 01 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के बाद अब हरियाणा में भी 10 साल पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों पर नो एंट्री लगने वाली है। इसे लेकर राज्य सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। इस बीच केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को बचाने पर फोकस कर रही है, जिसके लिए पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया है।

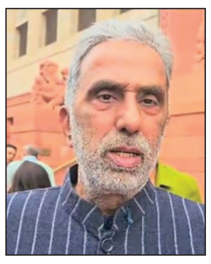

अब हरियाणा में नवंबर महीने से 10 साल पुराने डीजल और पेट्रोल के वाहन पूरी तरीके से प्रतिबंधित हो जाएंगे। इसे लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इस निर्णय को हरियाणा में भी पूरे तरीके से अमलीजामा पहनाया जाएगा। ऐसे में हरियाणा में 6 महीने के बाद 10 साल पुरानी गाड़ियां नहीं चलेंगी।

गुरुग्राम सांसद राव इंद्रजीत सिंह की डिनर पार्टी ने राज्य में हलचल बढ़ा दी है। कृष्णपाल गुर्जर ने विधायकों के लिए आयोजित डिनर पार्टी को लेकर कहा कि गुर्जर की गाय और भाजपा की राय कहीं भी जाए, दूध खूंटे पर ही देगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता कभी भी भाजपा पार्टी को छोड़कर नहीं जा सकता है।केंद्रीय राज्य मंत्री ने कांग्रेस के संगठन विस्तार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवान उनको सद्बुद्धि दे, उनकी नीयत कभी भी काम करने की नहीं रही है।बता दें कि हरियाणा कांग्रेस में आपसी खींचतान और गुटबाजी की वजह से संगठन का विस्तार नहीं हो पा रहा था, लेकिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की 4 मई को चंडीगढ़ में हुई बैठक के बाद इसकी कवायद तेज हो गई।

‘दंगल’ की शेरनी बनी मां, विनेश फोगाट के घर आया नन्हा पहलवान

जुलाना, 01 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की स्टार महिला पहलवान और हरियाणा की जुलाना सीट से विधायक विनेश फोगाट अब एक नई भूमिका में हैं - मां की। मंगलवार सुबह दिल्ली के एक निजी अस्पताल में उन्होंने बेटे को जन्म दिया। इस खबर ने फोगाट और राठी परिवार ही नहीं, पूरे खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ा दी।

सोमवार रात को विनेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार की सुबह परिवार को वह पल मिला जिसका बेसब्री से इंतजार था - एक स्वस्थ बेटे का जन्म हुआ। ससुर राजपाल राठी ने बताया कि डिलीवरी सीज़ेरियन प्रक्रिया से हुई। उन्होंने कहा, बेटी का शरीर कुश्ती से बना हुआ है, टाइट है... इसलिए ऑपरेशन जरूरी था। लेकिन मां और बेटा दोनों स्वस्थ हैं।

विनेश फोगाट यह नाम ही संघर्ष, जज्बा और देश के लिए जीत का पर्याय बन चुका है। चोटों से उबरकर ओलंपिक और एशियाई खेलों में वापसी करना उनके लिए आम बात रही है। लेकिन इस बार की लड़ाई निजी थी मातृत्व की। 6 मार्च को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी और अब उन्होंने मातृत्व का असली पदक हासिल किया है।

खनन माफिया को संरक्षण देकर खजाने को हजारों करोड़ का चूना लगा रही भाजपा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 01 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश सरकार खुद अवैध खनन और माफिया को संरक्षण दे रही है। इसके उदाहरण छछरौली से लेकर पलवल तक देखने को मिल रहे हैं। छछरौली में पहले पुलिस द्वारा अवैध खनन से भरे गए एक डंपर को पकड़ा गया। उसे थाने लगाया गया। लेकिन थोड़ी देर बाद डंपर को कहीं ले जाकर खाली करवाया गया और वापस खाली डंपर को थाने में लाकर खड़ा कर दिया गया। स्पष्ट है कि अखबारों द्वारा छापा गया, यह अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई ना करने और मिलीभगत का आंखों देखा उदाहरण है। यमुना में अवैध खनन का सिलसिला यमुनानगर से लेकर पलवल तक एक ही जैसा नजर आता है। हर जगह खनन माफिया बेखौफ होकर अवैध खुदाई को अंजाम दे रहा है। यहां तक की पलवल में अवैध तौर पर रेत निकालने के लिए यमुना पर कई अस्थाई पुल तक बना दिए गए।

हुड्डा ने कहा कि जाहिर है कि इन अवैध पुलों के लिए ना किसी तरह की आधिकारिक और ना ही पर्यावरण संबंधी मंजूरी ली गई। आसपास के गांववालों ने स्थानीय विधायक से लेकर मंत्री तक, सभी के सामने शिकायत की। लेकिन खनन माफिया पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती। क्योंकि खुद सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण देने में लगी है। हुड्डा ने कहा कि अवैध खनन से ना सिर्फ प्रदेश के राजस्व को हजारों करोड़ का चूना लग रहा है। बल्कि ये प्रदेश में बाढ़ का भी कारण बन रहा है।

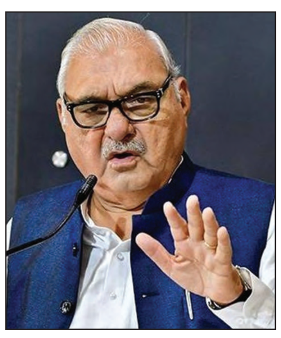

2023 में आई बाढ़ की बड़ी वजह यही अवैध खनन था। क्योंकि खनन माफिया ने रेत निकाल-निकालकर नदी के बहाव की धारा को ही बदल डाला और जब नदी में पीछे से पानी आया तो वह रिहायशी इलाकों में घुस गया। उस समय कांग्रेस ने खनन से लेकर सरकार की लापरवाही तक तमाम मसलों पर सड़क से लेकर विधानसभा तक आवाज उठाई थी। मैंने खुद बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। उस समय सरकार ने भविष्य में बाढ़ रोकने के लिए कई कदम उठाने का आश्वासन दिया था। लेकिन इस तरह की कोई कार्यवाही सरकार द्वारा नहीं की गई।

प्रदेश में मानसून दस्तक दे चुका है। लेकिन अभी तक कई जगह नदियों के तटबंधों को मजबूत नहीं किया गया। मारकंडा से प्रभावित गांव में बाढ़ को रोकने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए। टांगरी नदी में भी खुदाई करवाकर किनारों पर दीवार बनाने का काम शुरू नहीं हुआ। कुरुक्षेत्र के हेमा माजरा में भी तटबंध का काम शुरू नहीं हो पाया। जबकि यह तमाम कार्य नहीं होने की वजह से ही 2023 में बाढ़ आई थी और सरकार के नाकारेपन की वजह से इस बार भी प्रदेश में बाढ़ का खतरा हो सकता है।

नीतीश कुमार कैबिनेट के 24 अहम फैसले

सीतामढ़ी मंदिर का पैसा पास, कलाकारों को उपहार

पटना (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य के सर्वांगीण विकास, रोजगार सृजन, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और औद्योगिक प्रगति को गति देने वाले कई महत्वपूर्ण एजेंडों को स्वीकृति दी गई। ये फैसले राज्य की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर माने जा रहे हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना को मंजूरी दी गई, जिसके तहत राज्य के कलाकारों को 3000 मासिक पेंशन दी जाएगी। साथ ही, मुख्यमंत्री बिहार गुरु-शिष्य परंपरा योजना की शुरुआत की गई, जो पारंपरिक ज्ञान और कौशल को संरक्षित करने में सहायक होगी।

सरकार ने चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत कई योजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें खासतौर पर ईख विकास योजना शामिल है। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र को मजबूती देना है।

कैबिनेट ने अररिया जिले में नए चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी। साथ ही राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में राष्ट्रीय विज्ञान आयोग, नई दिल्ली के मानकों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लिया गया। जहानाबाद में 42 करोड़ की लागत से सिंचाई परियोजना को स्वीकृति दी गई। वहीं, सीतामढ़ी के पुनौराधाम में माँ सीता की जन्मस्थली पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ मंदिर के निर्माण के लिए 882 करोड़ की बड़ी राशि स्वीकृत की गई।

राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से भूमि हानि की औसत दर को 41.8% से घटाकर 30.9% कर दिया गया है। इसके अलावा राज कारखाना नियमावली में भी संशोधन को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के तहत राज्य सरकार ने एक लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही पंचायती राज प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से इलाज के लिए अनुदान देने का फैसला लिया गया है।

सेवानिवृत्त अपर पुलिस अधीक्षक रमाकांत प्रसाद की सेवा 30 जून 2026 तक बढ़ाई गई है। वहीं, विशेष निगरानी इकाई के ऊखत्रऋ विकास कुमार की सेवा को एक वर्ष के लिए विस्तार मिला है। राजकीय सेवाओं में कर्मियों के लिए वेतन स्तर के आधार पर न्यूनतम कालावधि में आंशिक संशोधन को भी स्वीकृति दी गई।

2025 में होने वाले बिहार विधानसभा आम चुनाव के लिए मतपत्रों की छपाई हेतु सरस्वती प्रेस लिमिटेड, कोलकाता को अनुमति प्रदान की गई है।

अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा

यूपी के जज से 56 हजार की साइबर ठगी, बिहार से एक गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में पदस्थ एक न्यायाधीश से केदारनाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर साइबर अपराधियों ने 56 हजार रुपये की ठगी कर ली। मामले का खुलासा होने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। जज की शिकायत पर रायबरेली साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की, जिसमें ठगी का लिंक बिहार के शेखपुरा जिले से जुड़ा पाया गया। दरअसल, यह पूरा मामला रायबरेली के पॉक्सो कोर्ट के एक न्यायाधीश से जुड़ा है। 12 जून को न्यायाधीश ने ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग के लिए एक वेबसाइट के माध्यम से भुगतान किया था। लेकिन बाद में उन्हें महसूस हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने 16 जून को साइबर थाना रायबरेली में प्राथमिकी दर्ज कराई। तकनीकी जांच में सामने आया कि ठगों का मोबाइल टावर लोकेशन शेखपुरा जिले के बरबीघा थाना क्षेत्र के नसरतपुर गांव में पाया गया। इसके बाद रायबरेली साइबर पुलिस की एक टीम रविवार को शेखपुरा पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से छापेमारी कर आरोपी विकास कुमार (20 वर्ष), पिता मन्नू यादव को गिरफ्तार कर लिया।

बरबीघा थानाध्यक्ष गौरव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। विकास ने पुलिस को बताया कि वह एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का सदस्य है, जो फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी की वारदातों को अंजाम देता है। इस गिरोह में नालंदा, शेखपुरा और नवादा जिले के कई बदमाश शामिल हैं, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल भी जब्त किया है, जिसमें कई फर्जी डेटा और ऑनलाइन ठगी से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। मोबाइल की जांच में सामने आया है कि आरोपी अब तक लाखों रुपये की ठगी कर चुका है।

फिलहाल यूपी पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर रायबरेली ले गई है। पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी जारी है।

अब्दुल रहमान हत्याकांड मामले में एक और गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोलट्टामाजालू के अब्दुल रहमान की हत्या और कलंदर शफी पर हमले के मामले में बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान बंटवाल के थुंबे गांव निवासी शिवप्रसाद (33) के रूप में हुई है।

उसे बंटवाल के रायी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी को 30 जुलाई को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर नौ हो गई है। अब्दुल रहमान की 27 मई को हत्या कर दी गई थी।

पुनौराधाम को मिलेगा भव्य रूप, बिहार सरकार ने 882.87 करोड़ की विकास योजना को दी मंजूरी

पटना (एजेंसियां)। वर्तमान वैश्विक, सामाजिक एवं आर्थिक परिदृश्य में पर्यटन एक प्रमुख उभरता हुआ क्षेत्र बन चुका है, जो न सिर्फ लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन रहा है, बल्कि कई देशों की अर्थव्यवस्था का आधार भी बन गया है। भारत में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन सदैव संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। इसी क्रम में बिहार के सीतामढ़ी जिले स्थित 'मां सीता' की जन्मस्थली पुनौराधाम के समग्र विकास के लिए राज्य मंत्रिपरिषद ने 882.87 करोड़ रुपये की योजना को स्वीकृति प्रदान की है।

भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या की तरह देवी सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम को भी रामायण सर्किट से जोड़ने की दिशा में यह कदम एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। अयोध्या और पुनौराधाम के बीच धार्मिक व सांस्कृतिक संबंध हैं, ऐसे में सीधे संपर्क और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र का विकास अब तेजी से होगा।

इस योजना के अंतर्गत मंदिर की वर्तमान परकोटा संरचना का उन्नयन, भवन निर्माण, पर्यटकीय आधारभूत संरचना के विकास, साथ ही अगले 10 वर्षों तक संचालन और प्रबंधन से जुड़े कार्य किए जाएंगे। इससे रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस योजना को ईपीसी मॉडल के तहत लागू किया जाएगा। निविदा प्रकाशन से लेकर कार्य निष्पादन तक की जिम्मेदारी बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना को सौंपी गई है। मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के बाद अब पुनौराधाम के विकास का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

राज्य सरकार का यह प्रयास धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी लाएगा। पुनौराधाम के समग्र विकास से यह क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान प्राप्त कर सकेगा।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, डायरेक्टर को भेजा ईमेल

पटना पटना के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी में पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन समेत पूरे एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की बात कही है। इसके बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट प्रशासन की टीम ने बम स्क्वायड की मदद से जांच में जुट गई। एयरपोर्ट के हर एक कोने की तलाशी ली गई लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने हवाईअड्डा थाने में केस दर्ज करवाया। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस साइबर सेल की मदद ले रही है। एयरपोर्ट के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर बिक्की कुमार सिंह ने हवाईअड्डा थाने में लिखित शिकायत दी है। वहीं साइबर जानकार बताते हैं कि ईमेल से धमकी देने वाले का पता लगाना थोड़ा कठिन है। इसमें लंबा समय भी लग सकता है। क्योंकि इस मैसेज को एस्टोनिया की इनक्रिप्टेड ईमेल प्लेटफफॉर्म का इस्तेमाल किया गया है। यह किसी भी देश की पुलिस को सीधे जानकारी नहीं देती हे। बिहार पुलिस को अगर कंपनी से जानकारी लेनी है तो सीबीआई का सहारा लेना होगा। हालांकि, पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई है।

इससे पहले चार जून को पटना एयरपोर्ट पर अहमदाबाद से आ रही इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली थी। इसके बाद आठ मिनट बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग करवाई की। इसके बाद विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। बॉम स्क्वायड की टीम ने पूरे विमान की तलाशी ली लेकिन कहीं कुछ नहीं मिला। इस दौरान 195 यात्री विमान के अंदर ही रहे। पूरी तरह से जांच पड़ताल के बाद इंडिगो की इस फ्लाइड को सुरक्षित घोषित कर दिया। इसके बाद सभी यात्री बाहर निकले। अब एयरपोर्ट प्रशासन मामले की जांच कर रही थी। हालांकि, इस मामले में भी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री ब्लास्ट में बिहार के चार मजदूर घायल, तीन लापता

पटना (एजेंसियां)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक केमिकल फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट मामले में रोहतास जिले के भी चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायल काराकाट प्रखंड के ग्राम अमरथा के निवासी हैं जो अपने गांव से एक साथ फैक्ट्री में काम करने के लिए गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरथा गांव निवासी शिवजी पासवान के पुत्र डब्लू पासवान गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि अन्य तीन लो-गों में दिलीप गोसाई, नागा पासवान एवं दीपक पासवान अभी तक लापता बताए जाते हैं। इधर, घटना के बाद अमरथा गांव में कोहराम मचा हुआ है और घायल मजदूरों के परिजन किसी अनह-ोनी की आशंका में घबराए हुए हैं। तेलंगाना केमिकल्स फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में घायल मजदूरों के संदर्भ में जब भीम आर्मी नेता अमित पासवान ने जिलाधिकारी उदिता सिंह से बात की तो उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। अमित पासवान ने कहा कि घटना की सूचना मिलते हीं डीएम ने त्वरित एक्शन लेते हुए बिहार भवन दिल्ली में श्रम विभाग के पदाधिकारियों के माध्यम से तेलंगाना के सांगारेड्डी डीएम से संपर्क स्थापित किया और रोहतास के घायल मजदूरों को सहयोग करने की बात कही।

बता दें कि तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में स्थित सिगाची केमिकल फैक्ट्री में सोमवार की सुबह अचानक ब्लास्ट हुआ और फैक्ट्री के कई हिस्सों में आग लग गई, जिसमें कई मजदूरों की मौत तथा कई लोगों के घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई है। फैक्ट्री के रिएक्टर में हुआ ब्लास्ट इतना जोरदार था कि काम कर रहे कई लोग दूर जा गिरे। फिलहाल तेलंगाना पुलिस राहत बचाव कार्य में जुटी है और घायलों का इलाज चल रहा है।

बीमार बेटी के इलाज के लिए घंटों अस्पताल में भटकती रही मां

वीडियो बनाते रहे डॉक्टर, सरकारी दावे फिर फेल

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार में सरकारी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के सरकारी दावे एक बार फिर खोखले साबित हुए हैं। ताजा मामला समस्तीपुर सदर अस्पताल का है, जहां बारिश में भीगती एक बुजुर्ग महिला अपनी बीमार बेटी के इलाज के लिए घंटों अस्पताल में भटकती रही, लेकिन डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने उसकी सुध तक नहीं ली।

पूरा घटनाक्रम सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड के ठीक सामने का है। जानकारी के मुताबिक मथुरापुर थाना क्षेत्र के सारी गांव की रहने वाली बुजुर्ग महिला अपनी बेटी अंजनी कुमारी को बेहोशी की हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि मरीज को भर्ती करने के बजाय डॉक्टरों ने घंटों उसे इधर-उधर दौड़ाते रखा।

बारिश के दौरान भी महिला अपनी बेटी को स्ट्रेचर पर लिए कभी इमरजेंसी तो कभी महिला वार्ड के चक्कर लगाती रही, लेकिन कोई डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी मदद के लिए आगे नहीं आया। हद तो तब हो गई जब मरीज बारिश में भीग रही थी और इस बीच इमरजेंसी वार्ड में तैनात एक डॉक्टर इलाज करने के बजाय वीडियो बनाता नजर आया।

बुजुर्ग मां ने बताया कि बेटी घर में बातचीत के दौरान अचानक बेहोश हो गई थी, जिसके बाद वह उसे लेकर समस्तीपुर सदर अस्पताल पहुंची। लेकिन यहां दो घंटे तक भी उसे भर्ती नहीं किया गया।

गरीब और दूरदराज के इलाकों से आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज की उम्मीद में सदर अस्प-ताल आना पड़ता है, लेकिन अक्सर उन्हें इस तरह की ला-परवाही और उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। आए दिन ऐसी लापरवाहियां सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

उमानाथ घाट पर महिला गंगा में बहने से बाल-बाल बची, स्थानीय लोगों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसियां)। बिहार में बारिश के चलते गंगा समेत कई नदियां उफान पर हैं, जिससे कई जगहों पर खतरे की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध उमानाथ गंगा घाट पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहियापुर गांव की रहने वाली कुसुम देवी गंगा स्नान के लिए उमानाथ घाट पहुंची थीं। स्नान के दौरान गंगा नदी के तेज बहाव में बैरिकेडिंग की रस्सी उनके हाथ से छूट गई, जिससे वह बहने लगीं। महिला को तेज धारा में बहता देख घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

स्थानीय युवकों ने बिना देरी किए गंगा में छलांग लगा दी और काफी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित बाहर निकाला।

इस घटना का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला काफी दूर तक बह गई थीं और समय रहते रेस्क्यू नहीं किया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग घाट पर जमा हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सावन महीने में लगने वाले एक माह लंबे भव्य मेले को देखते हुए उमानाथ घाट पर एनडीआरएफ की टीम की तैनाती की मांग की है। लोगों का कहना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए घाट पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए।

जेल में बंद राजद नेता की तबीयत बिगड़ी, पत्नी ने लगाया हत्या करवाने के लिए साजिश करने का आरोप

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक रीतलाल यादव की जेल में तबीयत खराब हो गई है, जिसके बाद उन्हें आननफानन में जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। भागलपुर जेल से मायागंज हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में जेल प्रशासन का कहना है कि उन्हें रात में लगभग 9:00 बजे और 9:30 बजे के बीच मायागंज अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस संबंध में विधायक रीतलाल यादव की पत्नी रिंकू देवी ने एक वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया है कि उनके पति की तबीयत खराब हो गई है। उनकी जेल में ही हत्या करवाने की योजना बनायीं जा रही है। इतना ही नहीं हम पूरे परिवार को भी ख़तरा महसूस हो रहा है। उनका कहना है कि एक साजिश के तहत हम पूरे परिवार को जान से मारने की योजना बनायी जा रही है। बाहुबली छवि वाले विधायक रीतलाल यादव पर एक बिल्डर से रंगदारी मांगने का आरोप लगा था, जिसके बाद पटना पुलिस ने उनके आवास पर छापेमारी की थी। पुलिस के दबाव के कारण राजद विधायक रीतलाल यादव, उनके भाई टिंकू और उनकी पत्नी के भाई पिंकू समेत कई लोगों ने दानापुर अनुमंडल न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com